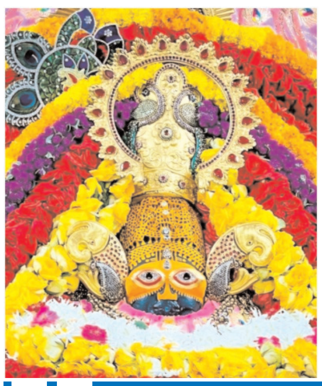

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:360। पेज:।12 mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 21 अगस्त 2026 (शुक्रवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

सार-समाचार

हाईकोर्ट के फैसले के बाद बाबूलाल मरांडी बोले-

छात्रों का आंदोलन खत्म कराने के लिए परीक्षा रद्द करने का रचा गया ढोंग

रांची (एजेंसी)। झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने जेपीएससी की 11वीं से 13वीं संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा के जरिए नियुक्त अफसरों और फूड सेफ्टी ऑफिसर्स की नियुक्ति रद्द करने के सरकार के फैसले पर हाईकोर्ट की अंतरिम रोक के बाद हेमंत सोरेन सरकार पर तीखा जुबानी हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने छात्रों का आंदोलन खत्म कराने के लिए राजनीतिक साजिश के तहत परीक्षाओं और नियुक्तियों को रद्द करने का फैसला लिया था। मरांडी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जारी बयान में कहा कि उन्होंने दो दिन पहले ही आशंका जताई थी कि सरकार का फैसला अदालत में टिक नहीं पाएगा और हाईकोर्ट से इस पर रोक लग सकती है। उन्होंने कहा कि छात्रों के प्रति सरकार की नीयत शुरू से ही ठीक नहीं रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने बिना उचित कानूनी प्रक्रिया अपनाए जेपीएससी और जेएसएससी की परीक्षाओं तथा नियुक्तियों को रद्द करने का फैसला किया।

हिमंता सरमा ने पीएम मोदी से की मुलाकात

असम में बाढ़ से निपटने का दिया भरोसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने गुरुवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपने पोस्ट के माध्यम से उन्होंने मुलाकात की जानकारी दी है। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की ओर से पोस्ट में लिखा गया, 'नई दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी से मिलकर उनका आशीर्वाद और मार्गदर्शन प्राप्त करने का सौभाग्य मिला। असम बाढ़ राहत कार्य के दौरान प्रधानमंत्री लगातार संपर्क में रहे, स्थिति की बारीकी से समीक्षा करते रहे और हरसंभव सहायता प्रदान करते रहे। मैंने उनके साथ अगले चरण के लिए अपना रोडमैप साझा किया, जिसमें प्रभावित क्षेत्रों का पुनर्निर्माण, आजीविका की बहाली और व्यापक सुधार सुनिश्चित करना शामिल है। हिमंता बिस्वा सरमा ने आगे लिखा, 'पीएम मोदी ने इस मिशन को इसके सही अंजाम तक पहुंचाने में भारत सरकार के अटूट समर्थन को दोहराया।

किसान संगठनों में अहंकार और नेतृत्व की लड़ाई से आंदोलन कमजोरः सुखजीत सिंह

बटाला (एजेंसी)। किसान नेता सुखजीत सिंह ने किसान संगठनों के बीच जारी विवादों और वरिष्ठ किसान नेताओं की कार्यशैली को लेकर तल्ख टिप्पणी की। उन्होंने कुछ वरिष्ठ किसान नेताओं पर निजी हितों को प्राथमिकता देने, आपसी विवादों को लंबा खींचने और किसान आंदोलनों को कमजोर करने का आरोप लगाया। सुखजीत सिंह ने कहा कि किसान संगठनों में नेतृत्व को लेकर बढ़ती प्रतिस्पर्धा और अहंकार का सबसे बड़ा नुकसान किसानों, मजदूरों और किसान आंदोलन की एकता को हो रहा है। सुखजीत सिंह ने समाचार एजेंसी से खास में कहा कि किसान संगठनों के बीच मौजूदा विवाद कोई नया नहीं है। इसी तरह के विवाद पिछले दिल्ली किसान आंदोलन के दौरान भी सामने आए थे। उस आंदोलन के दौरान कुछ नेताओं से गलतियां हुई और आंदोलन लंबे समय तक चला, लेकिन उसकी सफलता का सबसे बड़ा कारण यह था कि उसमें पूरे देश के लोगों की व्यापक भागीदारी थी।

लिव-इन रिलेशनशिप

सहमति से वयस्कों का रिश्ता शादी के समान : हाईकोर्ट

• माता-पिता भी नहीं कर सकते दखल

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा है कि सहमति से लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे वयस्कों का रिश्ता शादी के समान है। माता-पिता, रिश्तेदार या दोस्त उनकी पसंद में दखल नहीं दे सकते और न ही उनकी जान या स्वतंत्रता को खतरा पहुंचा सकते हैं। अदालत ने परिवार की ओर से धमकियों का सामना कर रहे एक लिव-इन कपल को पुलिस सुरक्षा भी प्रदान की।

न्यायमूर्ति सौरभ बनर्जी ने 13 अगस्त को दंपती की याचिका पर यह आदेश पारित किया। याचिकाकर्ता दंपती की उम्र 30 वर्ष से अधिक है। उन्होंने अदालत को बताया कि वे कुछ समय से साथ रह रहे हैं और एक-दूसरे से शादी करने का भी इरादा रखते हैं।

अदालत को बताया गया कि लड़की के पिता और भाई इस रिश्ते से खुश नहीं थे और वे लगातार दोनों को हिंसा की धमकी दे रहे थे। याचिकाकर्ताओं ने स्थानीय थाना प्रभारी (एसएचओ) से शिकायत भी की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

'किसी को हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं'

अदालत ने कहा, 'चूंकि याचिकाकर्ताओं ने अपनी इच्छा, सहमति और पूरी जिम्मेदारी के साथ एक-दूसरे के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रहने का फैसला किया है, इसलिए कोई भी व्यक्ति, चाहे वह उनके माता-पिता, रिश्तेदार या दोस्त हों, उनकी पसंद में बाधा डालने या हस्तक्षेप करने का अधिकार अथवा अधिकारिता नहीं रखता। उन्हें उनकी जान या स्वतंत्रता के लिए धमकी देने का तो बिल्कुल भी अधिकार नहीं है।'

अदालत ने आगे कहा, 'याचिकाकर्ता लिव-इन रिलेशनशिप में हैं और कानूनी रूप से एक-दूसरे से विवाहित नहीं हैं, लेकिन दोनों सहमति से वयस्क हैं, इसलिए उनका रिश्ता शादी के समान है।'

'सामाजिक पूर्वाग्रहों से मौलिक अधिकार सीमित नहीं किए जा सकते'

न्यायमूर्ति सौरभ बनर्जी ने कहा कि सहमति से विवाह करने वाले वयस्कों की शादियों को जाति, पंथ, रंग, धर्म या आस्था के आधार पर मान्यता से वंचित नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि संविधान द्वारा दिए गए मौलिक अधिकारों को 'सामाजिक नैतिकता और पूर्वाग्रहों' के आधार पर सीमित करना व्यक्ति की स्वतंत्र पहचान से वंचित करने के समान है।

दिल्ली में पाकिस्तान हाई कमीशन के बाहर बुलडोजर चला

• बैरिकेड-फेंसिंग हटाई गईं

दो दिन पहले इस्लामाबाद में भारतीय हाई कमीशन के बाहर कार्रवाई हुई थी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में पाकिस्तान हाई कमीशन के बाहर बने अवैध ढांचों को बुधवार देर रात बुलडोजर से हटा दिया गया। अधिकारियों के मुताबिक, ये ढांचे हाई कमीशन की तय सीमा से बाहर बने थे। पाकिस्तान हाई कमीशन का ऑफिस दिल्ली के चाणक्यपुरी के शांतिपथ पर है। यहां बैरिकेड, फेंसिंग और वीजा सेक्शन के पास कतार प्रबंधन के लिए बनाए गए ढांचे भी हटाए गए।

यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है, जब दो दिन पहले इस्लामाबाद में भारतीय हाई कमीशन के बाहर लगाए गए सुरक्षा बैरिकेड और पार्किंग पोल हटाए गए थे। संबंधित एजेंसियों ने JCB की मदद से हाई कमीशन के बाहर कार्रवाई की। मौके से ली गई तस्वीरों में टूटी रेलिंग, गेट, लोहे के फ्रेम, छत की चादरें, ईंट और कंक्रीट के टुकड़े बिखरे दिखाई दिए। बाहरी हिस्से की सफेद मेटल फेंसिंग और कुछ कॉरुगेटेड रूफिंग भी हटा दी गई। बुलडोजर एक्शन हाई कमीशन की मेन बिल्डिंग तक नहीं हुआ। मेन गेट, सफेद दीवारें और पाकिस्तानी निशान वाला बड़ा प्रवेश द्वार सुरक्षित रहा। परिसर के कुछ हिस्सों में कांटेदार तार भी लगे दिखाई दिए। तोड़फोड़ के बाद वीजा सेक्शन के सर्विस काउंटर दिखाई दे रहे थे। वहां 'विंडो 1', 'पाकिस्तान पासपोर्ट ऑनली' और 'विंडो-5 / कलेक्शन ऑफ वीजा एप्लीकेंट्स' जैसे बोर्ड लगे थे। काउंटरों के आसपास टूटी फेंसिंग और कंस्ट्रक्शन सामान पड़े थे।

कश्मीर पर अमेरिकी राजदूत की टिप्पणी से पाकिस्तान नाराज

दोनों देशों के बीच अमेरिकी राजदूत की कश्मीर पर टिप्पणी को लेकर भी तनाव बढ़ा है। अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने श्रीनगर दौरे के दौरान 19 अगस्त को जम्मू-कश्मीर को भारत का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया था। उन्होंने कहा कि अमेरिका क्षेत्र के लिए अपनी ट्रैवल एडवाइजरी की समीक्षा कर सकता है। पाकिस्तान ने सर्जियो के बयान पर ऐतराज जताया। पाकिस्तान ने इस्लामाबाद में अमेरिकी चार्ज डी'अफेयर्स नताली बेकर को तलब किया और कहा कि सार्वजनिक बयानों में कश्मीर की स्थिति का ध्यान रखा जाए।

केंद्र सरकार का बड़ा फैसलाः लद्दाख में होगी जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट की बेंच

अमित शाह बोले- न्याय तक पहुंच होगी आसान

एजेंसी

श्रीनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने लद्दाख में जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट की बेंच स्थापित करने का फैसला लिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस फैसले से लद्दाख के दूरदराज इलाकों में रहने वाले नागरिकों को न्याय तक पहुंच आसान होगी। अमित शाह के मुताबिक, हाईकोर्ट की बेंच स्थापित होने से लोगों को अपनी कानूनी सेवाओं का लाभ लेने में लगने वाला समय कम होगा।

अमित शाह ने फैसले को लेकर क्या कहा?

अमित शाह ने अपने पोस्ट में कहा कि केंद्र सरकार का यह फैसला लद्दाख के दूरदराज क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों के लिए न्याय तक पहुंच को बेहतर करेगा। उनके अनुसार, लोगों को उन कानूनी सेवाओं को हासिल करने में कम समय लगेगा, जिनके वे हकदार हैं। उन्होंने कहा कि सरकार लद्दाख के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

लद्दाख के लोगों को क्या फायदा होगा?

सरकार के मुताबिक, हाईकोर्ट की बेंच बनने से लद्दाख के दूरदराज इलाकों में रहने वाले नागरिकों को न्यायिक सेवाओं तक पहुंच बनाने में सुविधा होगी। कानूनी सेवाओं के लिए लगने वाला समय कम होने से लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। इस फैसले का उद्देश्य लद्दाख में न्याय व्यवस्था तक नागरिकों की पहुंच को और बेहतर करना है। अमित शाह ने अपने पोस्ट में लद्दाख के विकास के साथ संवैधानिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की सरकार की प्रतिबद्धता भी दोहराई। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार लद्दाख के सर्वांगीण विकास और वहां संवैधानिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

भव्य कांवड़यात्रा का आयोजन, राजकीय हेलीकॉप्टर से हुई पुष्पवर्षा

झांसी। सांवन के महीने में गुरुवार को झांसी में भव्य कांवड़यात्रा का आयोजन हुआ। मध्य प्रदेश के ओरछा धाम से शुरू हुई कांवड़ यात्रा का झांसी के सिद्धेश्वर मंदिर पर समापन हुआ। झांसी शहर में कांवड़ यात्रा के प्रवेश पर

सीएम योगी आदित्यनाथ द्वारा भेजे गए राजकीय हेलीकॉप्टर से कई स्थानों पर पुष्पवर्षा की गई। इस कांवड़ यात्रा में बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष श्रद्धालु मौजूद रहे। कांवड़ यात्रा में झांकियां भी आकर्षण का केंद्र रही। झांसी के मण्डलायुक्त बिमल कुमार दुबे एवं आईजी आकाश कुलहरि ने लखनऊ से आये विशेष हेलीकॉप्टर में सवार होकर कांवड़ यात्रा पर सिद्धेश्वर मन्दिर और इलाईट चौराहे सहित अन्य स्थानों पर पुष्पवर्षा कर कांवड़ लेकर आ रहे श्रद्धालुओं का स्वागत एवं अभिनंदन किया। झांसी शहर में हेलीकॉप्टर ने कई चक्कर लगाकर जगह-जगह कांवड़यात्रियों पर पुष्पवर्षा की। इस दौरान इलाइट चौराहे पर उपस्थित जनसमूह धन्यवाद योगी जी का उद्घोष करते दिखाई दिए। कांवड़ यात्रा के दौरान बबीना विधायक राजीव सिंह पारीछा, बुंदेलखंड कांवड़ यात्रा समिति के अध्यक्ष संजीव श्रृंगीऋषि समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

'तीन और बड़े घोटाले खोलूंगा'

• सुकेश ने केजरीवाल और सत्येंद्र जैन को लिखा पत्र

एजेंसी

मुंबई । कथित महाठग सुकेश चंद्रशेखर ने जेल से एक पत्र लिखा है। यह पत्र दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को लिखा है। पत्र में सुकेश ने तीन और 'बड़े घोटालों' का पर्दाफाश करने की धमकी दी है। सुकेश ने अपने पत्र में कहा कि उनके 2021-22 के खुलासे सही साबित हुए हैं। पत्र में 'शराब नीति' मामले के बाद अब 'जल बोर्ड' से जुड़े घोटालों का जिक्र किया। सुकेश ने चेतावनी दी कि तीन अन्य प्रमुख विभागों में उनके तीन और 'घोटालों' और 'भ्रष्टाचार' का जल्द ही पर्दाफाश किया जाएगा। उन्होंने आम आदमी पार्टी (आप) को 'स्कैम की एनीटाइम, ऑलवेज पार्टी' बताते हुए कहा कि उसकी प्रतिष्ठा केवल 'घोटालों' की वास्तविकता के स्तर तक ही बढ़ेगी।

पंजाब और युवा पीढ़ी को लेकर चेतावनी

पत्र में सुकेश ने कहा कि पंजाब के लोगों को दोबारा मूर्ख बनाने की कोशिश काम नहीं आएगी। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली में जो हुआ, पंजाब में उससे भी अधिक 'आप' के अहंकार और उसकी 'घोटाला पार्टी' को झटका लगेगा। सुकेश ने यह भी कहा कि केजरीवाल के 'छद्म' द्वारा देश की युवा पीढ़ी को उकसाने की चाल सफल नहीं होगी। सुकेश ने धमकी दी कि वह किसी और से पहले पूर्व मुख्यमंत्री का पर्दाफाश करेंगे।

सुकेश ने अपने पत्र में 2015 और 2016 में 'आप' के 'संस्थापकों' के साथ अपने जुड़ाव का भी संकेत दिया। उन्होंने कहा कि वह जल्द ही उन्हें चौंका देंगे। सुकेश ने यह भी लिखा कि वह देश के भविष्य, यानी युवा भाइयों और बहनों को मूर्ख नहीं बनने देंगे। उन्होंने केजरीवाल, सत्येंद्र जैन और उनकी 'ऑलवेज पार्टी' को अंतिम रूप से बेनकाब करने की धमकी दी।

जंतर-मंतर प्रदर्शनः सुप्रीम कोर्ट ने बनाई 5 सदस्यीय समिति

प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग के आरोपों की होगी जांच

एजेंसी

कोलकाता। सुप्रीम कोर्ट ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस, अर्धसैनिक बलों और अन्य सुरक्षा कर्मियों की ओर से कथित तौर पर किए गए अत्यधिक बल प्रयोग के आरोपों की जांच के लिए पांच सदस्यीय हाई-पावर्ड इंक्वायरी कमेटी (HPEC) का गठन किया है। समिति की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस आर. सुभाष रेड्डी करेंगे।

इस पांच सदस्यीय समिति में जस्टिस आर. सुभाष रेड्डी के अलावा पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रवि शंकर झा और दिल्ली हाईकोर्ट की पूर्व न्यायाधीश जस्टिस शालिंदर कौर शामिल हैं। इसके अलावा पूर्व सीबीआई निदेशक ऋषि कुमार शुक्ला और मेघालय के सेवानिवृत्त पुलिस महानिदेशक डॉ. एलआर बिश्नोई भी समिति के सदस्य हैं। समिति प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पैलेट गन, इलेक्ट्रिक बैटन, लाठीचार्ज और आंसू गैस के कथित अत्यधिक इस्तेमाल से जुड़े आरोपों की जांच करेगी। इसके साथ ही महिला प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कथित हिंसा और पुलिस निगरानी से जुड़े आरोप भी समिति के दायरे में होंगे। समिति यह भी देखेगी कि प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षा बलों की ओर से उठाए गए कदम स्थिति के अनुपात में थे या नहीं। इसके अलावा घायलों को दी गई चिकित्सीय सहायता और पीड़ितों को मुआवजे से जुड़े पहलुओं की भी जांच की जाएगी।

उत्तर भारत में मानसूनी आफत

प्रयागराज हुआ पानी-पानी, हिमाचल और उत्तराखंड में भूस्खलन से तीन-तीन लोगों की मौत

पहाड़ी राज्यों में भूस्खलन और मकान ढहने जैसी घटनाओं में कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है।

एजेंसी

मुंबई । मानसूनी बारिश और नदियों के बढ़ते जलस्तर ने उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में गंभीर स्थिति पैदा कर दी है। जहां एक तरफ उत्तर प्रदेश में गंगा और यमुना के उफान से बाढ़ का संकट गहरा गया है, वहीं पहाड़ी राज्यों में भूस्खलन और मकान ढहने जैसी घटनाओं में कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। कानपुर गंगा बैराज के सभी 30 गेट खोल दिए गए हैं, जहां से 2,95,637 क्यूसेक पानी प्रति सेकंड गंगा नदी में छोड़ा जा रहा है। 24 घंटे के भीतर यमुना का जलस्तर नैनी में 59 सेंटीमीटर और छतनाग में 57 सेंटीमीटर बढ़ गया है। फाफामऊ में गंगा 80.39 मीटर पर बह रही है, जो प्रयागराज के 84.734 मीटर के खतरे के निशान से लगभग 4.34 मीटर नीचे है। कानपुर से छोड़े जा रहे इस पानी के कारण प्रयागराज और कौशांबी के कछारी व निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा काफी बढ़ गया है।

हिमाचल प्रदेशः भूस्खलन और जलभराव से जनजीवन अस्त-व्यस्त

कमरऊ क्षेत्र के बागनाधार स्थित खदान में हुए भूस्खलन में दबे तीनों मजदूरों के शव मलबे से बरामद कर लिए गए हैं। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, प्रदेश में 167 सड़कें, 222 पेयजल योजनाएं और

130 बिजली ट्रांसफार्मर ठप हो गए हैं। कालका-शिमला रेललाइन पर मलबा आने के कारण सुरक्षा की दृष्टि से चार ट्रेनें रद्द करनी पड़ीं, जबकि सुजानपुर टीहरा में सर्वाधिक 156.4 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। 30 जून से 19 अगस्त तक इस मानसून सीजन में राज्य में 205 लोगों की मौत हो चुकी है और कुल 11,03,326.75 लाख रुपये का आर्थिक नुकसान आंका गया है।

उत्तराखंडः कोटद्वार में मकान ढहने से तीन लोगों की मौत

द्वारीखाल ब्लॉक के महरगांव में भारी बारिश के दौरान पहाड़ी से गिरे मलबे की चपेट में आकर एक मकान ढह गया। इस दर्दनाक हादसे में एक दो वर्षीय बच्चे (रुद्रांश), एक वृद्धा (मथुरा देवी) और एक पुरुष (धीरेंद्र सिंह) की मलबे में दबने से जान चली गई। एसडीआरएफ और प्रशासन की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक महिला (विदेश्वरी देवी) को मलबे से सुरक्षित बाहर निकाल लिया। जिला प्रशासन द्वारा मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये और क्षतिग्रस्त मकान के लिए दो लाख रुपये की फौरी सहायता प्रदान की गई है।

मीडिया की जल्दबाजी और टेक्निकल गड़बड़ी के नए खुलासों के बीच रहस्यमयी मोड़

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। प्लेन क्रैश को एक साल से ज़्यादा समय बीत जाने के बावजूद, भारत की केंद्र सरकार और एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो ने अभी तक इस दुखद हादसे की फाइनल और ऑफिशियल रिपोर्ट जारी नहीं की है। एक तरफ, इतने बड़े हादसे की फाइनल रिपोर्ट रोकी गई है, वहीं दूसरी तरफ, इस पूरे मामले में कई गंभीर शक और विवाद खड़े हो गए हैं। देशवासी और पीड़ितों के परिवार वाले लगातार एक ही सवाल पूछ रहे हैं कि जांच की फाइनल रिपोर्ट जारी करने में इतनी देरी क्यों हो रही है? यह पूरा विवाद फरवरी 2026 में शुरू हुआ, जब देश के बड़े अखबारों और न्यूज़ चैनलों के पहले पन्नों पर बिना किसी संतोषजनक सबूत के एक रिपोर्ट चलाई गई। इन रिपोर्ट्स में चौंकाने वाला दावा किया गया कि फ्लाइट कैप्टन सुमित सभरवाल ने खुद मेन फ्यूल स्विच बंद कर दिया था, जिससे एयरक्राफ्ट की फ्यूल सप्लाई अचानक रुक गई और यह भयानक हादसा हुआ। जैसे ही यह रिपोर्ट सामने आई, पूरे देश में गुस्से का माहौल बन गया। एक तरफ आम नागरिक इस पर यकीन करने को तैयार नहीं थे, वहीं दूसरी तरफ पायलट एसोसिएशन ने भी इस लीक हुई शुरुआती रिपोर्ट का कड़ा विरोध करते हुए इसे पूरी तरह से झूठा और एकतरफ़ा बताया। पायलट एसोसिएशन ने साफ़ किया कि कोई भी ज़िम्मेदार कैप्टन इतनी गंभीर गलती या काम नहीं कर सकता और ऐसी रिपोर्टें दिवंगत पायलट की इमेज को नुकसान पहुँचाने की कोशिश हैं। इस विवाद के बीच, पूरे घटनाक्रम में एक नया और बहुत अहम मोड़ तब आया जब प्लेन क्रैश के पीड़ितों के परिवारों का केस लड़ने वाली मशहूर अमेरिकी लीगल फर्म बिस्ले एलन ने इस मामले में एक बड़ा खुलासा किया।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर टोल कलेक्शन ज़ोरों पर, इमरजेंसी सर्विस कहाँ है?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरूच/हलोल। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर टोल कलेक्शन रेगुलर और ज़ोरों पर चल रहा है, लेकिन हलोल के पास हुई एक घटना ने इस बात पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं कि परेशान ड्राइवरों को कितनी जल्दी इमरजेंसी मदद दी जाती है महेंद्रसिंह खुमानसिंह पाटनवाडिया अपनी फोर-व्हीलर से गोधरा से सरभान गाँव जा रहे थे। इसी बीच, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर हलोल के पास उनकी गाड़ी अचानक खराब हो गई। जब रात में गाड़ी एक्सप्रेसवे पर फंस गई, तो उन्होंने तुरंत मदद के लिए 1033 हेल्पलाइन पर कॉन्टैक्ट करने की कोशिश की। ड्राइवर के मुताबिक, उसने दो से तीन घंटे में 30 से ज़्यादा बार 1033 हेल्पलाइन पर कॉल किया, लेकिन उसे समय पर और असरदार मदद नहीं मिली। हालात से तंग आकर, उसे आखिरकार मदद के लिए अपने भाई को मौके पर बुलाना पड़ा, जो करीब 150 किलोमीटर दूर रहता है। इस घटना में एक और गंभीर आरोप यह है कि हाईवे पेट्रोल गाड़ी करीब तीन घंटे बाद मौके पर पहुंची, फिर भी उम्मीद के मुताबिक इमरजेंसी मदद नहीं दी गई। यह भी पता चला है कि ड्राइवर ने पेट्रोल वालों से हुई बातचीत का वीडियो अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया था। अगर रात में एक्सप्रेसवे पर कोई गाड़ी खराब हो जाए और ड्राइवर बार-बार हेल्पलाइन पर कॉल करे, लेकिन मदद मिलने में घंटों की देरी हो, तो हाईवे इमरजेंसी रिस्पॉन्स सिस्टम की काबिलियत पर सवाल उठना लाज़मी है। सड़क के बीच में खड़ी गाड़ी, खासकर रात में एक्सप्रेसवे पर, एक्सीडेंट का खतरा पैदा कर सकती है।

चुंदरीवाला माताजी आश्रमः 97वीं जयंती पर उमड़ा आस्था का सैलाब

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अंबाजी/गब्बर। गब्बर पहाड़ियों की वादियों में स्थित चुंदरीवाला माताजी (प्रहलाद भाई जानी) के आश्रम में 97वीं जयंती का आयोजन पूरी श्रद्धा, भक्ति और धूमधाम के साथ किया गया। श्रावण मास की अष्टमी के पावन अवसर पर आयोजित इस जन्मोत्सव में भाग लेने के लिए दूर-दूर से हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।

धार्मिक अनुष्ठान और महाआरती का आयोजन

जयंती महोत्सव के अवसर पर आश्रम परिसर में विशेष धार्मिक कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की गई। सुबह नवचंडी यज्ञ के साथ हवन-पूजन संपन्न हुआ, जिसमें साधकों ने विश्व शांति और जन-कल्याण के लिए आहुतियां दीं। इसके बाद जन्मोत्सव की भव्य महाआरती उतारी गई और माँ के दरबार में छप्पन भोग का अन्नकूट सजाया गया। कार्यक्रम में आस्था के साथ-साथ लोक संस्कृति का अनोखा रंग भी देखने को मिला। क्षेत्र के आदिवासी समुदाय के लोगों ने अपने पारंपरिक नृत्यों की प्रस्तुति दी। वहीं, महिला व पुरुष भक्तों ने माताजी के गरबा गानों पर झूमकर अपनी श्रद्धा निवेदित की। जन्मोत्सव की खुशी में भक्तों द्वारा केक भी काटा गया। उल्लेखनीय है कि चुंदरीवाला माताजी को ब्रह्मलीन हुए 6 वर्ष का समय बीत चुका है, लेकिन श्रद्धालुओं की आस्था में कोई कमी नहीं आई है। भक्तों का दृढ़ विश्वास है कि माताजी भले ही भौतिक रूप से उपस्थित न हों, परंतु उनकी दिव्य उपस्थिति और सूक्ष्म चेतना आश्रम परिसर में सदैव विद्यमान रहती है। दिनभर चले इस कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने माताजी की समाधि के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया और महाप्रसाद ग्रहण किया।

अहमदाबाद में बड़े ठग अनिल विभानी का एक और स्कैमः सोने के व्यापारियों के साथ 4.45 करोड़ की ठगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अपनी ठगी और धोखाधड़ी के कारनामों के लिए मशहूर अनिल विभानी ने एक और करोड़ रुपये का स्कैम करके शहर के बिजनेस की दुनिया में बड़ी हलचल मचा दी है। लोगों को अपने जाल में फंसाकर करोड़ों रुपये ठगने की आदत वाले इस शातिर ठग ने इस बार सोने के व्यापारियों को अपना शिकार बनाया और 4.45 करोड़ रुपये की बड़ी ठगी को अंजाम दिया है। अनिल विभानी सोने के व्यापारियों का भरोसा यह कहकर जीतता था कि वह जमीन, मकान और सोने-चांदी के बिजनेस में ब्रोकरेज कम एजेंट का काम करता है। उसने ज्वैलर्स से करोड़ों रुपये की महंगी सोने और हीरे की ज्वेलरी खरीदी थी। हालांकि, ज्वेलरी लेने के बाद उसने न तो ज्वेलरी वापस की और न ही व्यापारियों को पैसे दिए। काफी देर तक धक्के खाने के बाद व्यापारियों को आखिरकार एहसास हुआ कि उनके साथ धोखा हुआ है। EOW में शिकायत के बाद मुख्य आरोपी समेत 4 गिरफ्तार इस पूरे मामले में इकोनॉमिक ऑफेंस प्रिवेंशन विंग में शिकायत दर्ज होते ही पुलिस एक्शन मोड में आ गई। पुलिस ने तुरंत एक्शन लेते हुए मुख्य आरोपी अनिल विभानी, उसकी पत्नी विम्मी विभानी, बेटे वेदांत विभानी और दामाद शिवम गढ़वी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ और जांच में पता चला है कि आरोपी अनिल विभानी के खिलाफ अलग-अलग थानों में पहले से ही कुल 11 गंभीर क्राइम दर्ज हैं, जिससे पता चलता है कि यह पूरा परिवार धोखाधड़ी के क्रिमिनल माइंड से एक्टिव था। अनिल विभानी की बेटी, जो इस बहुचर्चित क्राइम में शामिल थी और पुलिस की पकड़ से बचने में कामयाब रही, अभी भी फरार है। खाखी वर्दी ने अब फरार आरोपी राजवी को पकड़ने के लिए चारों तरफ जाल बिछा दिया है।

गुजरात में शराबबंदी कानून कागजों पर, होम मिनिस्टर इस्तीफा दें: कांग्रेस

भावनगर लट्ठा केस में हाई कोर्ट के मौजूदा जज की लीडरशिप में SIT जांच होनी चाहिए: अमित चावड़ा

गुजरात में शराबबंदी सिर्फ कागजों पर है, BJP सरकार की वसूली की वजह से गुजरात में शराब और ड्रग्स का बोलबाला है: अमित चावड़ा

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रेसिडेंट अमितभाई चावड़ा ने आज कहा कि गुजरात सालों से पूरे देश में एक शांत गुजरात के तौर पर जाना जाता है और गुजरात में गांधी के शराबबंदी कानून ने भी इस शांति को बनाए रखने में अहम रोल निभाया है। लेकिन भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन सरकार की वसूली की पॉलिसी की वजह से आज गुजरात में शराबबंदी कानून सिर्फ कागजों पर रह गया है। हर दिन शराबबंदी कानून को सरेआम तोड़ने की घटनाएं सामने आ रही हैं और गुजरात के लोग इसका शिकार हो रहे हैं। BJP सरकार की उगाही की वजह से गुजरात के बॉर्डर से शराब के ट्रक और कंटेनर भरकर गुजरात में शराब डंप की जा रही है और राज्य की हर गली में शराब दिख रही है। कम उम्र में ही युवा शराब और ड्रग्स की लत में पड़कर अपनी ज़िंदगी बर्बाद कर रहे हैं, कई परिवार बर्बाद हो रहे हैं और हमारी बहनें-बेटियां कम उम्र में विधवा हो रही हैं। शराब और ड्रग्स की बुराई की वजह से ऐसी हालत हो गई है जैसे गुजरात 'उड़ता गुजरात' बन गया हो। आज आम लोगों के मन में भी यह सवाल है कि गुजरात में इतनी ज़्यादा मात्रा में शराब क्यों आती और बिकती है? क्योंकि बूटलेगर पुलिस स्टेशन से शराब और ड्रग्स की किस्त शुरू करके मुख्यमंत्री और गृह मंत्री के ऑफिस तक ले जाते हैं और इसीलिए वे सबके सामने डींगें हांकते हैं कि वे किसी का बाल भी बांका नहीं कर सकते। इस हड़पने वाली सरकार के राज में शराब बिकती है, शराब पी जाती है और अक्सर लिंचिंग भी होती है। सरकार की क्रिमिनल लापरवाही की वजह से कई बेगुनाह लोग लिंचिंग में मारे जाते हैं। इस हत्याकांड के लिए राज्य सरकार भी ज़िम्मेदार है। भावनगर में हुई अभी की दुखद घटना पहली नहीं है। BJP राज में सालों से लिंचिंग की घटनाएं होती आ रही हैं। साल 2009 में अहमदाबाद में हुई लिंचिंग की घटना में 140 से ज़्यादा लोगों की मौत हुई थी और करीब 200 लोगों की आंखों की रोशनी चली गई थी। साल 2016 में सूरत में हुई लिंचिंग की घटना में 16 से ज़्यादा लोगों की मौत हुई थी। साल 2022 में अहमदाबाद ज़िले के ग्रामीण इलाकों और बोटाद में हुई लिंचिंग की घटना में 50 लोगों की मौत हुई थी। साल 2024 में गांधीनगर के देहगाम में हुई लिंचिंग की घटना में दो लोगों की मौत हुई थी और कई लोग प्रभावित हुए थे। साल 2025 में खेड़ा के नाडियाड में हुई लता की घटना में तीन लोगों की मौत हुई थी और कई लोग प्रभावित हुए थे। सालों से ऐसी घटनाएं होने के बावजूद सरकार इसका कोई पक्का हल निकालने में नाकाम रही है। इस परंपरा के पीछे मुख्य कारण BJP सरकार में फैला भ्रष्टाचार और ज़बरदस्ती वसूली है। अगर सरकार शराब और ड्रग्स से किश्तें लेना बंद कर दे और शराबबंदी कानून को ईमानदारी से लागू करे, तो ऐसी हालत हो सकती है कि गुजरात में शराब की एक बूंद भी न मिले। लेकिन पैसे कमाने और उगाही के लालच में सरकार गैर-कानूनी शराब के नेटवर्क के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं कर रही है। भावनगर जिले के करकड़ी गांव में हाल ही में हुई लट्ठा घटना के बारे में पुलिस FIR में ज़हरीले केमिकल वाली लट्ठा से मरने वाले लोगों की डिटेल्स दर्ज हैं। इस घटना में करीब छह लोगों की मौत हो गई है और कई लोग अभी भी अस्पताल में इलाज करा रहे हैं। FIR में दर्ज डिटेल्स के मुताबिक, डुप्लीकेट शराब बनाने के लिए अहमदाबाद के सरखेज से ट्रांसपोर्ट के ज़रिए मेथनॉल भावनगर लाया गया था। इससे भी ज़्यादा गंभीर बात यह है कि इस डुप्लीकेट शराब को बनाने वाले आरोपी पहले भी दो बार डुप्लीकेट शराब बनाकर बेच चुके हैं। अगर FIR में लिखा है कि इतनी पेटी शराब लाई गई, कितनी शराब बनाई गई, सामान कहां से आया, कहां रखा

गया और कहां सप्लाई किया गया, तो पुलिस को घटना के बाद और लोगों की मौत के बाद ही डिटेल्स क्यों मिलती हैं? पुलिस को इन सब बातों का पहले से पता क्यों नहीं था? किश्तों में पैसे लेने के लालच में यह पूरा गैर-कानूनी काम पहले क्यों नहीं रोका गया? यह बहुत गंभीर बात है कि पुलिस कार्रवाई के नाम पर सारी बातें लोगों की मौत के बाद ही सामने आती हैं। गुजरात के लोगों का सवाल है कि शराबबंदी कानून किसलिए है? अगर बॉर्डर से कंटेनर में शराब गुजरात लाई जाती है, तो इसके लिए कौन ज़िम्मेदार है? जब किसी इलाके में शराब बिकती है और लाठी-डंडे की घटना होती है, तो सरकार सिर्फ़ उस थाने के अफ़सरों को ज़िम्मेदार ठहराकर अपनी ज़िम्मेदारी से बच नहीं सकती। SP की ज़िम्मेदारी क्यों नहीं तय होती? रेंज ढूत्त की ज़िम्मेदारी क्यों नहीं तय होती? DGP की ज़िम्मेदारी क्यों नहीं तय होती? राज्य के गृह मंत्री गुजरात के लोगों के सामने आकर ज़िम्मेदारी क्यों नहीं लेते? मुख्यमंत्री अफ़सोस क्यों नहीं जताते और यह क्यों नहीं मानते कि उनकी सरकार शराबबंदी कानून लागू करने में नाकाम रही है और इसकी वजह से बेगुनाह लोगों की जान गई है?राज्य के गृह मंत्री की बुनियादी ज़िम्मेदारी गुजरात के लोगों की सुरक्षा बनाए रखना, कानून-व्यवस्था बनाए रखना और शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करवाना है। लेकिन होम मिनिस्टर कहीं गरबा खेलते, रील बनाते या दूसरे प्रोग्राम बनाते दिख रहे हैं, जबकि गुजरात में लाठी-डंडों में लोग मर रहे हैं। होम मिनिस्टर को अपनी बेसिक ज़िम्मेदारी पूरी करने की ज़रूरत है। इसलिए, कांग्रेस पार्टी साफ़ तौर पर मांग करती है कि होम मिनिस्टर गुजरात की जनता के सामने आएं, अपनी ज़िम्मेदारी मानें और अगर उनमें थोड़ी भी नैतिकता है, तो तुरंत इस्तीफ़ा दें। कांग्रेस पार्टी की दूसरी मुख्य मांग के बारे में भावनगर लाठ

श्याम उपवन साइट की 10वीं मंज़िल से लड़की को नीचे फेंका, किस्मत से बचा लिया गया

अहमदाबाद के नरोड़ा में सनसनी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। नरोदा मुठिया टोल प्लाजा के पास 'श्याम उपवन' नाम की कंस्ट्रक्शन साइट से एक बहुत ही चौंकाने वाली घटना सामने आई है। दो दिन पहले, तीन युवकों ने इस साइट की दसवीं मंज़िल से एक लड़की को नीचे फेंक दिया। किस्मत से, कुदरत की मेहरबानी से इस लड़की को सुरक्षित बचा लिया गया। हालांकि, गंभीर चोटों के कारण लड़की अभी अस्पताल में ज़िंदगी और मौत के बीच लड़ रही है और उसका इलाज चल रहा है। कंस्ट्रक्शन साइट पर हुई इस घटना ने महिला सुरक्षा के दावों की पोल खोल दी है। इस बात को लेकर कई शक और शंकाएं हैं कि लड़की को दसवीं मंज़िल जैसी ऊंची जगह से नीचे फेंकने के पीछे इन तीन युवकों का क्या मकसद था, क्या उनके बीच कोई झगड़ा था या कोई बड़ी अमानवीय हरकत करने की कोशिश थी। एक बेबस लड़की पर तीन लोगों द्वारा मिलकर की गई यह हरकत कानून-व्यवस्था के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई है। पुलिस सिस्टम पर सवालः अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कब होगी? जैसे ही इस घटना की खबर अहमदाबाद शहर और नरोदा इलाके में जंगल की आग की तरह फैली, भारी हंगामा मच गया है। अस्पताल में इलाज करा रही बेटी की हालत देखकर स्थानीय लोगों में काफी गुस्सा है। लोग मांग कर रहे हैं कि महिला सुरक्षा के बड़े-बड़े दावे करने वाली अहमदाबाद पुलिस तुरंत एक्शन मोड में आए और इस कृत्य में शामिल तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे डाले। क्या बेटी को न्याय मिलेगा या मामला उलझा रहेगा? 'श्याम उपवन' साइट पर हुई यह घटना सिर्फ एक अपराध नहीं है, बल्कि इस बात का साफ सबूत है कि कानून का कोई डर नहीं है। क्या खाकी वर्दी इस मामले में बिना किसी दबाव के निष्पक्ष जांच करेगी और आरोपियों को सख्त से सख्त सजा देगी?

सिद्धेश्वर ग्रुप के बिल्डर पनसुरिया भाई वडोदरा में गिरफ्तारः फ्लैट के नाम पर कस्टमर्स से करोड़ों की ठगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। रियल एस्टेट सेक्टर में बड़े नाम और सिद्धेश्वर ग्रुप से जुड़े बिल्डर पनसुरिया भाइयों - सुरेश पनसुरिया और मनीष पनसुरिया - की धोखाधड़ी के एक गंभीर मामले में वडोदरा पुलिस की गिरफ्तारी से लैंड माफिया और फ्रॉड बिल्डर्स में भारी हंगामा मच गया है। अपने सपनों के घर की उम्मीद में अपनी मेहनत की कमाई इन्वेस्ट करने वाले भोले-भाले कस्टमर्स को ठगने का खेल खेलने वाले ये बिल्डर भाई आखिरकार कानून की गिरफ्त में आ ही गए हैं।

बुकिंग के नाम पर करोड़ों रुपये वसूले, प्रोजेक्ट का काम बीच में ही छोड़ दिया

मिली जानकारी के मुताबिक, आरोपी सुरेश पनसुरिया और मनीष पनसुरिया ने सिद्धेश्वर ग्रुप के अपने नए प्रोजेक्ट्स में फ्लैट बुकिंग के नाम पर कई कस्टमर्स से लाखों-करोड़ों रुपये की मोटी रकम वसूल की थी। पजेशन देने के बड़े-बड़े गुलाबी वादे करने के बाद, आरोपियों ने प्रोजेक्ट को अधूरा छोड़ दिया। डेडलाइन

खत्म होने के बावजूद, न तो कस्टमर्स को फ्लैट्स का पज़ेशन दिया गया और न ही उनके पैसे वापस किए गए।

धक्का-मुक्की से तंग आकर कस्टमर्स ने आखिरकार पुलिस का दरवाज़ा खटखटाया।

लंबे समय से बिल्डर भाइयों के झूठे भरोसे और वादों से तंग आकर, परेशान कस्टमर्स ने आखिरकार पुलिस से इंसाफ मांगा। कस्टमर्स के गंभीर आरोपों और सबूतों के आधार पर, पुलिस ने तुरंत केस दर्ज किया और दोनों आरोपी मनीष पंसुरिया और सुरेश पंसुरिया को हिरासत में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई की। वडोदरा के रियल एस्टेट सेक्टर में उथल-पुथलः सख्त कार्रवाई की मांग अपनी मेहनत की कमाई गंवा चुके कस्टमर्स अब बस एक ही मांग कर रहे हैंः कि पुलिस इन स्कैम बिल्डर्स के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करे और उनके पैसे ब्याज समेत वापस करे। वडोदरा में बिल्डर्स द्वारा अक्सर किए जाने वाले ऐसे फ्रॉड के खिलाफ एडमिनिस्ट्रेशन के लिए सख्त कदम उठाना बहुत ज़रूरी हो गया है।

छोटा उदयपुर में एक्सपेरिमेंट के नाम पर करोड़ों का सरकारी पैसा बर्बादः कंटेनर स्कूल से लेकर रोड स्वीपर मशीन तक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटा उदयपुर। गांधीनगर में बैठे सरकारी अधिकारियों और स्थानीय प्रशासन के लिए नए-नए एक्सपेरिमेंट करने की खुली लैब बन गया हो। राज्य के आखिरी छोर पर बसे इस आदिवासी इलाके के विकास के लिए दिए गए बजट और स्थानीय नागरिकों के खून-पसीने की कमाई का प्रशासन और नगर पालिका के अधिकारी खुलेआम गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। शिक्षा का लेवल सुधारने के बड़े-बड़े दावों के बीच, लाखों-करोड़ों रुपये की लागत से कंटेनर स्कूल बनाकर कौन सी प्राइवेट एजेंसियां अपनी जेबें भर रही हैं, यह सवाल अब और ऊंचे लेवल पर पहुंचना बेहद जरूरी हो गया है। बिना ड्राइवर के धूल फांक रही स्वीपर मशीन सरकारी पैसे की बर्बादी का एक बड़ा उदाहरण छोटा उदयपुर नगर पालिका की लापरवाही और बिना प्लान के प्रशासन का एक बड़ा उदाहरण जनता के पैसे से खरीदी गई रोड स्वीपर मशीन है। लाखों रुपये खर्च करके मशीन खरीदी गई, लेकिन इसे चलाने के लिए सही ड्राइवर या ऑपरेटर रखने की कोई कोशिश नहीं की गई। नतीजा यह हुआ कि यह महंगी मशीन आज एक कोने में धूल फांक रही है। अगर सफाई के नाम पर खरीदी गई मशीनें धूल फांक रही हैं, तो लोगों की सुविधा के नाम पर दी गई ग्रांट का इस्तेमाल कहां हो रहा है, यह जांच का बड़ा विषय है। नगरपालिका और अधिकारियों की मिलीभगतः सूत्रों का सनसनीखेज खुलासा कई अंदरूनी सूत्रों से मिली चौंकाने वाली जानकारी के मुताबिक, नगर पालिका के अधिकारियों और सरकारी अधिकारियों के बीच एक खास सांठगांठ (मिलीभगत) काम कर रही है। फर्जी और कागजों पर प्रोजेक्ट मंजूर करवाकर बिल पास करवाने और बड़े-बड़े एडमिनिस्ट्रेशन करवाने की पॉलिसी बेलगाम हो गई है। स्थानीय लोग सड़क, पानी और सफाई जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए जूझ रहे हैं और भ्रष्टाचारियों की तिजोरियां लगातार भर रही हैं।

गुजरात में कागज़ पर सख़्त कानून, लेकिन ज़मीन पर कागज़ का शेरः लट्ठा की घटना के लिए आख़िरि ज़िम्मेदार कौन है?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। जब भी गुजरात में लोग नकली या ज़हरीली शराब पीकर बर्बाद होते हैं, तो एक ही सवाल उठता है - इस मौत के आंकड़े के लिए आख़िरि ज़िम्मेदार कौन है? राज्य में कागज़ पर शराबबंदी का कानून कितना भी सख़्त क्यों न बना लिया जाए, अगर उसे ज़मीनी स्तर पर लागू नहीं किया जाता, तो वह कानून सिर्फ़ एक सजावटी चीज़ बनकर रह जाता है। आज, असलियत यह है कि कानून लागू करने वाले सिस्टम और असामाजिक तत्वों के बीच डर पूरी तरह से खत्म हो गया है। ाज्य में इतनी भयानक स्थिति पैदा हो गई है कि शराब तस्करों और असामाजिक तत्वों को कानून का कोई डर नहीं है। शराब मंगवाने, प्रोसेस करने या बेचने वाले लोगों के मन से यह डर पूरी तरह से खत्म हो गया है कि अगर उन्होंने यह काला धंधा किया, तो सख़्त कानून उन्हें सलाखों के पीछे डाल देगा। गांधी के गुजरात में कागज़ पर शराबबंदी के बावजूद, हर कोने पर ज़हरीली और नकली शराब खुलेआम बिक रही है। नतीजा यह है कि गरीब और मेहनतकश परिवार अपने रिश्तेदारों को खो रहे हैं और कई औरतें समय से पहले विधवा हो रही हैं। जब भी कोई बड़ी घटना होती है और कई घर तबाह हो जाते हैं, तो हुक्मरान और प्रशासन जांच कमेटियां बनाने, स्पेशल कैंपेन चलाने और रेड करने की बड़ी-बड़ी बातें करते हैं। लेकिन ये सारी हरकतें सिर्फ कुछ देर का ड्रामा और लोगों का गुस्सा ठंडा करने का दिखावा साबित होती हैं। कुछ दिनों की जांच और मीडिया के सामने बड़ी-बड़ी बातें करने के बाद हालात वहीं लौट आते हैं और रुक जाते हैं, और शराब तस्कर फिर से अपना काला धंधा शुरू कर देते हैं। लोकल लेवल पर पुलिस और प्रशासन की सीक्रेट मदद या आंखें मूंदे बिना इतने बड़े पैमाने पर जहरीली शराब बेचना मुमकिन नहीं है। जबरन वसूली के भ्रष्टाचार ने पूरे सिस्टम को खराब कर दिया है। जब पुलिस और शराब तस्करों के बीच सांठगांठ मजबूत हो जाती है, तो कानून बनाना ज़रूरी हो जाता है। बेगुनाह लोगों की जान की कीमत पर किए जाने वाले इस काले धंधे में शामिल ताकतवर लोग कभी कानून की पकड़ में नहीं आते, वे सिर्फ छोटे-बड़े मोहरों को पकड़कर खुश हो जाते हैं। अगर कानून सच में सख्ती से लागू होता, तो बार-बार लिंचिंग की ऐसी दिल दहला देने वाली घटनाएं नहीं होतीं। सिर्फ असेंबली में बिल पास करने या बटन दबाकर कानून सख्त करने से क्राइम नहीं रुकता, इसके लिए मजबूत पॉलिटिकल विल और बिना किसी शर्म के सख्ती से लागू करने की जरूरत होती है। सिस्टम की यह नाकामी, लापरवाही और करप्शन आखिरकार बेगुनाह लोगों की अकाल मौत का मुख्य कारण बन रहे हैं।

वडोदरा नवरात्र हत्याकांड में 5 नराधम दोषी पाए गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। 2024 में वडोदरा में नवरात्रि के दूसरे दिन हुई अमानवीय और दिल दहला देने वाली घटना में न्याय का पहला और सबसे मजबूत चरण आखिरकार मिल गया है। अदालत ने इस चाचरी मामले में सभी पांच आरोपियों को दोषी और दोषी घोषित कर दिया है, जिससे पूरा राज्य सदमे में है। पाप का घड़ा भरने के बाद अब इन नराधमों की किस्मत का फैसला अगले 25 तारीख को कोर्ट करेगा, जहां इनकी सजा का ऐलान किया जाएगा.अदालत कक्ष में कानूनी लड़ाई के दौरान सरकारी अभियोजकों ने मजबूत और अकाट्य दलीलें पेश कीं और अपराधियों के लिए बचाव के सभी रास्ते बंद कर दिये. केस बनाने के लिए सिस्टम द्वारा प्रस्तुत सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी फोरेंसिक साक्ष्य अदालत में बहुत मजबूत साबित हुए। इसके अलावा, मामले के दौरान कुल 45 प्रमुख गवाहों की गवाही हुई, जिनके बयानों ने आरोपियों को बेनकाब करने में अहम भूमिका निभाई। नवरात्र जैसे पवित्र पर्व पर अमानवीय कृत्य कर मानवता को शर्मसार करने वाले इन नराधमों के खिलाफ कोर्ट का यह फैसला न्याय व्यवस्था पर लोगों के विश्वास को मजबूत करता है।

सूरत के शीतल रेस्टोरेंट में फूड पॉइज़निंग का शिकार हुई मासूम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। 'शीतल रेस्टोरेंट' में एक ही परिवार के लोगों को पेट भर खाना खाने के बाद भयानक फूड पॉइज़निंग का शिकार होना पड़ा, जिसमें एक मासूम बच्ची की तड़प-तड़पकर जान चली गई। लेकिन यह कोई हादसा नहीं है, यह सिस्टम और होटल मालिक की मिलीभगत से किया गया सीधा 'मर्डर' है। असलियत यह है कि यह सिर्फ सूरत के एक रेस्टोरेंट की बात नहीं है, पूरे गुजरात के ज़्यादातर शहरों में होटल और रेस्टोरेंट इसी तरह ज़हर परोस रहे हैं। रेस्टोरेंट मालिक मुफ़्त में खाना नहीं परोसते, जनता उनकी मेहनत का पैसा देती है। फिर ग्राहकों की थाली में बासी, सड़ा और जानलेवा खाना परोसने की यह नाकाबिलियत क्यों? लोगों की सेहत से खुलेआम खिलवाड़ करने वाले इन हरामखोरों के खिलाफ आखिर कब जनआंदोलन शुरू होगा क्या त्योहारों के दौरान होने वाली रेड सिर्फ 'दिवाली पैकेट' का दिखावा और किश्तें बढ़ाने की सेटिंग है? सबसे बड़ा और ज़रूरी सवाल फ़ूड एंड ड्रग्स डिपार्टमेंट के उन अफ़सरों के लिए है जो॰ष्ट ऑफ़िस में बैठकर सरकारी सैलरी हजम करते हैं। ये अफ़सर पूरे महीने किस गहरी नींद में सोते हैं? ये सरकारी बाबू कैमरे के सामने सैंपल लेने का ड्रामा तभी क्यों करते हैं जब कोई मासूम बच्चा या नागरिक अपनी जान गँवा देता है? क्या दिवाली या हर त्योहार पर होने वाले छापे सिर्फ़ होटल मालिकों से बड़े 'दिवाली पैकेट' और महीने की किश्तें वसूलने का धंधा हैं? अगर हेल्थ डिपार्टमेंट के अफ़सर हर महीने हर होटल के किचन की ईमानदारी से जाँच करते, तो आज किसी परिवार को अपनी बेटी नहीं खोनी पड़ती। अफ़सरों की यह सुस्ती, लापरवाही और भ्रष्टाचार मासूम लोगों की जान ले रहा है। अगर आप राज्य के ज़्यादातर होटलों के किचन में कदम रखेंगे, तो आपको बहुत ज़्यादा बदबू, कीड़े, बासी पनीर, घटिया केमिकल वाला तेल और सड़ी हुई सब्ज़ियाँ दिखेंगी। हेल्थ ऑफिसर्स को यह सब पता है, लेकिन होटल मालिकों से मिलने वाली मोटी किश्तों ने उनके मुंह बंद कर दिए हैं।

चंद्राला गांव के पास एक बहुत ही दिल दहला देने वाली और दिल दहला देने वाली हिट एंड रन की घटना सामने आई है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। एक्टिवा पर जा रहे एक मासूम परिवार को तेज रफ्तार फोर-व्हीलर ने इतनी जोर से टक्कर मारी कि पूरा परिवार सड़क पर गिर गया। इस भयानक हादसे में 7 साल की मासूम बच्ची की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि परिवार के 3 अन्य सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सड़क पर खून से लथपथ हालत में पड़े परिवार को देखकर आस-पास के लोग इकट्ठा हो गए और घायलों को तुरंत अस्पताल ले जाने का इंतज़ाम किया। घटना की सूचना मिलते ही लोकल पुलिस का काफ़िला मौके पर पहुंचा। एक्सीडेंट करके फरार हुए कातिल ड्राइवर की पहचान सामने लाने के लिए पुलिस ने फरार ड्राइवर के खिलाफ़ केस दर्ज कर लिया है और उसकी तलाश कर रही है, साथ ही एक्सीडेंट वाली जगह और आस-पास के इलाके के CCTV फुटेज भी चेक कर रही है। हाईवे पर पूरी स्पीड और लापरवाही से गाड़ी चलाने वाले ड्राइवर लोगों की जान के लिए खतरा बन गए हैं। एक पल की लापरवाही ने एक हंसते-खेलते परिवार की खुशियां छीन लीं और एक 7 साल की बेटी का घोंसला उजड़ गया। अब लोकल जनता और पीड़ित परिवार की एक ही मांग है कि पुलिस तुरंत एक्शन ले और इस फरार ड्राइवर को जल्दी से जल्दी गिरफ्तार करके सलाखों के पीछे डाले और उसे कड़ी से कड़ी सज़ा दे।

अहमदाबाद में कलर डाई और केमिकल व्यापारियों के साथ 15 करोड़ से ज़्यादा का स्कैम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के बिज़नेस कम्युनिटी में करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी का एक और डरावना मामला सामने आया है। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच की इकोनॉमिक ऑफेंस विंग ने एक ऐसे शातिर गैंग का पर्दाफाश किया है जिसने शहर के कलर डाई और केमिकल व्यापारियों का भरोसा जीता, करोड़ों रुपये का माल क्रेडिट पर खरीदा और फिर पैसे न चुकाने पर दिवालिया हो गया। पुलिस ने तुरंत एक्शन लेते हुए इस बड़े स्कैम के मास्टरमाइंड समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। केमिकल व्यापारियों से करोड़ों रुपये की ठगी करके फरार हुए आरोपियों को पकड़ने के लिए श्वह्रङ्ख टीम ने चारों तरफ जाल बिछा रखा था। जिसमें पुलिस ने मुख्य आरोपी मोहित सतपाल साहनी को जयपुर से गिरफ्तार किया है, जबकि उसके साथी कल्पेश त्रिकंभाई पटेल को अहमदाबाद के शेला इलाके से गिरफ्तार किया गया है। उधार पर माल मंगवाने और मार्केट में ठगी का खेलपुलिस जांच में हुए चौंकाने वाले खुलासे के मुताबिक, आरोपियों ने समय पर पेमेंट करने का बड़ा-बड़ा झांसा देकर व्यापारियों को अपने भरोसे में लिया था। फिर उनसे करोड़ों रुपये का कलर डाई और केमिकल का माल उधार पर लिया था। माल जब्त करने के बाद आरोपियों ने उसे मार्केट में बेच दिया था और व्यापारियों को पेमेंट किए बिना हाथ खड़े कर दिए थे। सिर्फ़ शुरुआती जांच में ही पता चला है कि अब तक 19 बड़े व्यापारी इस ठग गैंग का शिकार हो चुके हैं। EOW अधिकारियों के मुताबिक, जैसे-जैसे और शिकायतें और अकाउंटिंग बुक्स की जांच आगे बढ़ेगी, इस ठगी का कुल आंकड़ा 15 करोड़ रुपये से ज़्यादा पहुंचने की संभावना है।

सरकार ने हाथ खड़े किए, हेल्थ मिनिस्टर ने कहा, लोग अपनी सेहत का खुद ख्याल रखें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। आने वाले दिनों में रक्षा बंधन, सत-आठम और जन्माष्टमी जैसे त्योहार आ रहे हैं और खाने की चीजों में मिलावट करने वाले पनीर, चीज़ वगैरह में ऐसे मिलावट कर रहे हैं जैसे उन्हें प्रशासन का कोई डर ही न हो और कई जगहों पर तो बासी और अनहेल्दी खाने की चीजें भी बेची जा रही हैं। गुजरात सरकार के हेल्थ डिपार्टमेंट ने भगवान भरोसे ही जनता से कहा है कि लोग बाहर की चीजें खाने के बजाय जितना हो सके घर पर ही पनीर वगैरह बनाकर खाएं। कहिए, अब जनता सरकारी सिस्टम पर भरोसा नहीं कर पा रही है और आम परिवार जो महीने में एक बार अपने परिवार के साथ बाहर खाने का प्लान बनाते हैं, उन्हें बीमार पड़ने के डर से मानेक चौक या दूसरे होटलों या रेस्टोरेंट में खाना पड़ता है। हाल ही में सरकार ने एक बयान दिया और कहा कि श्रावण महीने के पवित्र दिनों में मिलावटी खाना बेचने वाले व्यापारियों के खिलाफ राज्य सरकार सख्त कार्रवाई कर रही है। हेल्थ मिनिस्टर प्रफुलभाई पनशेरिया ने नागरिकों को श्रावण महीने की शुभकामनाएं दी हैं और कहा है कि मिलावटी लोगों के खिलाफ सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' पॉलिसी है। उन्होंने नागरिकों की आस्था और सेहत से छेड़छाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की भी चेतावनी दी है। हेल्थ डिपार्टमेंट और फूड एंड ड्रग रेगुलेटरी अथॉरिटी पूरे गुजरात में खाने की चीजों की जांच कर रही है। मौके पर छापेमारी की जा रही है और आटा, मावा, पनीर, घी और दूध समेत कई चीजों के सैंपल लिए जा रहे हैं। जांच के दौरान अगर कोई नकली या मिलावटी मात्रा पाई जाती है, तो उसे जब्त कर लिया जा रहा है और जिम्मेदार पार्टी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। हेल्थ मिनिस्टर प्रफुलभाई पनशेरिया ने नागरिकों से अपील की है कि वे 'पूजा का घी' खरीदते समय खास तौर पर सावधान रहें। उन्होंने कहा कि आस्था के कारण लोग सिर्फ 'पूजा का घी' का लेबल देखकर प्रोडक्ट खरीद लेते हैं, लेकिन कुछ मामलों में ऐसे घी में मिलावट की संभावना होती है। इसलिए ऐसे नकली घी से दूर रहना चाहिए। मंत्री जी ने नागरिकों से अपील की है कि जहां तक हो सके, नागरिक खाने की चीजें घर पर ही बनाएं या किसी ईमानदार व्यक्ति, किसी जानी-मानी कंपनी या होम इंडस्ट्री से खरीदें। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कोई व्यापारी ज्यादा प्रॉफिट कमाने के लालच में खाने की चीजों में मिलावट करता है, तो राज्य सरकार उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करेगी। हेल्थ मिनिस्टर ने लोगों से 'मिलावट-मुक्त गुजरात' कैंपेन के बारे में जागरूक होने की भी अपील की है।

सैटेलाइट इलाके में गाड़ी चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक नकली अधिकारी को पकड़ा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। सैटेलाइट इलाके में गाड़ी चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक नकली अधिकारी को पकड़ा है। 40 साल का हितेंद्र पांचाल अपनी स्पोर्ट्स कार पर ANTI CORRUPTION FOI DIST. DIRECTOR की नकली प्लेट लगाकर खुद को सरकारी अधिकारी बता रहा था। देर रात पुलिस ने उसे इस्कॉन से शिवरंजनी रोड पर पकड़ा, कार और नकली प्लेट जब्त कर ली और कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। सैटेलाइट इलाके का एक व्यक्ति अपनी कार में एंटी-करप्शन डिस्ट्रिक्ट डायरेक्टर की नकली प्लेट लगाकर खुद को सरकारी अधिकारी बता रहा था। सैटेलाइट पुलिस ने रात में गाड़ी चेकिंग के दौरान इस नकली अधिकारी को पकड़ा और झूठी पहचान का पर्दाफाश किया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर

लिया है और उसकी कार और नकली प्लेट जब्त कर ली है और कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। सैटेलाइट पुलिस स्टेशन के स्टाफ 19 अगस्त की देर रात इस्कॉन से शिवरंजनी चार रास्ता जाने वाली सड़क पर गाड़ियों की चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान एक स्पोर्ट्स कार वहां से गुजरी और पुलिस ने उसे साइड में रोक लिया। कार के अंदर चेकिंग करने पर एक पुलिस ऑफिसर की थीम वाली प्लेट मिली, जिस पर ANTI CORRUPTION FOI DIST. DIRECTOR लिखा था। लोगों में हंगामा मचाने और झूठी पहचान बनाने के लिए बनाया गया गेम पुलिस ने कार ड्राइवर को पकड़ा और उससे उसकी पहचान पूछी, तो उसने अपना नाम 40 साल का हितेंद्र पांचाल बताया। जब पुलिस ने उससे एंटी-करप्शन में उसकी ड्यूटी और इस प्लेट के परमिट के बारे में पूछा, तो हंगामा मच गया। पूछताछ में उस आदमी ने कबूल किया कि वह सरकारी कर्मचारी नहीं है, बल्कि अपने घर से CCTV से जुड़ा काम कर रहा था। वह लोगों के बीच झूठी पहचान बनाने और पहचान बनाने के लिए ही अपनी कार में यह एंटी-करप्शन प्लेट लगाकर घूम रहा था। पुलिस ने कार और नकली नंबर प्लेट जब्त कर ली है, आरोपी हितेंद्र पांचाल के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तपस्वीरत्न पंकजभाई ललवाणी का 24वां उपवास

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/श्रीरामपूर। श्रीरामपूर शहर में इन दिनों जैन धर्म की आराधना और तपस्या की अनूठी धूम देखने को मिल रही है। श्री स्थानकवासी जैन संघ, श्रीरामपूर में परम पूज्य श्री चंदन बालाजी महाराज साहब आदि ठाणा 7 का ऐतिहासिक चातुर्मास चल रहा है। पूज्य गुरुणी जी की पावन निश्रा में तपस्वीरत्न पंकजभाई धनराजजी ललवाणी की उग्र और ऐतिहासिक तपस्या गतिमान है। आज तपस्वीरत्न पंकजभाई ललवाणी के 24वें उपवास के पावन अवसर पर समूचा संघ और समाज उनकी सुख-साता की सुखेन प्रार्थना कर रहा है। इस कठिन तपस्या की अनुमोदना करते हुए भंडारी परिवार, पुणे तथा

महानगर अहमदाबाद के सकल जैन समाज ने उनके प्रति अगाध श्रद्धा और भाव व्यक्त किए हैं। समाज के प्रबुद्धजनों ने कहा कि पंकजभाई ने इतनी बड़ी तपस्या कर अपनी आत्मा को निखारने का जो मार्ग चुना है, वह अत्यंत वंदनीय और अनुमोदनीय है। जैन दर्शन में तप को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। तप आत्मा पर जमा मलीनता और कर्मों के आवरण को हटाकर उसे परम पवित्र बनाता है तथा अनंत पापों का क्षय करता है।

शेत्रुंजय पर्वत पर तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए वन विभाग का एक्शन प्लान ड्रोन से 24 घंटे निगरानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पालिताना। पवित्र तीर्थस्थल शेत्रुंजय पर्वत पर पिछले कुछ समय से एशियाई शेरों की लगातार आवाजाही देखी जा रही है। इस स्थिति के बीच, लाखों जैन तीर्थयात्रियों की सुरक्षा और वन्यजीवों के संरक्षण को पक्का करने के लिए वन विभाग एक्शन मोड में आ गया है। गांधीनगर में वन और पर्यावरण मंत्री अर्जुन मोढवाडिया की अध्यक्षता में आनंदजी कल्याणजी पीढ़ी के जैन नेताओं और वन विभाग के बड़े अधिकारियों के बीच एक ज़रूरी रिव्यू मीटिंग हुई, जिसमें पर्वत पर हाई-टेक सिक्योरिटी सिस्टम लगाने का फ़ैसला किया गया है।

ड्रोन से दिन-रात ट्रैकिंग और 4 प्री-फैब्रिकेटेड वॉच टावर

मीटिंग में लिए गए फ़ैसलों के मुताबिक, शेत्रुंजय पर्वत पर तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए मॉडर्न टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जाएगा। शेरों की हरकतों पर लगातार नज़र रखने के लिए ड्रोन कैमरों से 24 घंटे स्कैनिंग और रियल-टाइम ट्रैकिंग की जाएगी। पहाड़ी इलाके में 4 प्री-फैब्रिकेटेड वॉच टावर और 4 सेंटर कम केबिन बनाए जाएंगे। ट्रैकिंग और सिक्योरिटी सिस्टम को और मज़बूत करने के लिए लोकल युवाओं को टेम्पररी तौर पर भर्ती किया जाएगा।

सूर्योदय के बाद तीर्थयात्रा शुरू करने और सूर्यास्त से पहले पूरी करने की अपील

वन विभाग पिछले एक साल से शेत्रुंजय इलाके में शेरों की मौजूदगी का डिटेल्ड एनालिसिस कर रहा है। शेर आमतौर पर इंसानों पर सीधे हमला नहीं करते, लेकिन जब उन्हें छेड़ा या परेशान किया जाता है तो वे खतरा पैदा करते हैं। वन्यजीवों और तीर्थयात्रियों, दोनों की सुरक्षा के लिए यह ज़रूरी होगा कि भक्त सूर्योदय के बाद तीर्थयात्रा शुरू करें और सूर्यास्त से पहले पहाड़ से लौट आएं।

जैन समुदाय और वन विभाग के बीच मज़बूत तालमेल

जैन समुदाय ने पिछले फाल्गुन सुद तेरस (छ गऊ फेरी) के दौरान वन विभाग के कर्मचारियों द्वारा किए गए काम की तारीफ़ की। आनंदजी कल्याणजी फर्म के प्रतिनिधियों ने कहा कि संगठन लगातार जागरूकता फैला रहा है ताकि तीर्थयात्री अनुशासित और शांतिपूर्ण तरीके से यात्रा करें और वन्यजीवों को कोई परेशानी न हो। मीटिंग में फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के प्रिंसिपल सेक्रेटरी विनोद राव, फॉरेस्ट हेड जयपाल सिंह, इंडस्ट्रियलिस्ट डॉ. सुधीर मेहता, ट्रस्टी श्रीपालभाई, जूनागढ़ सर्कल के CF मोहन राम और भावनगर DFO योगेश देसाई समेत सीनियर अधिकारी शामिल हुए।

नवकार महामंत्र की 68 अक्षरों में अनंत शक्ति, विनय से आत्मविजय का संदेश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। 20 अगस्त। नवकार महामंत्र के प्रथम दिवस पर गच्छाधिपति श्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म.सा. ने कहा कि 'नवकार महामंत्र के 68 अक्षरों में अनंत आध्यात्मिक शक्ति समाहित है।' प्रवचन में प्रथम अक्षर 'णमो' के गूढ़ अर्थ को समझाते हुए उन्होंने विनय, सरलता और अहंकार त्याग को आत्मकल्याण का आधार बताया। परम पूज्य विद्वद्रत्न विजयजी म.सा. ने कहा कि नवकार केवल मंत्र नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि, विनय और कर्मनिर्जरा की दिव्य साधना है। उन्होंने अष्टापद तीर्थ की भावयात्रा कराते हुए भगवान आदिनाथ, भरत चक्रवर्ती और गौतम स्वामी से जुड़े प्रसंगों के माध्यम से तीर्थ निर्माण, आराधना और गुरु-कृपा की महिमा बताई। उन्होंने कहा कि मनुष्य के वास्तविक शत्रु बाहर नहीं, बल्कि भीतर छिपे क्रोध, मान, माया, लोभ, राग-द्वेष और अहंकार हैं। नवकार की आराधना इन विकारों पर विजय पाने की शक्ति प्रदान करती है। प्रवचन में मालवा, रिंगणोद, नवकार पार्श्वनाथ, मोहनखेड़ा, हत्थुंडी,

तालनपुर और नांदियाजी तीर्थों की आध्यात्मिक महिमा का स्मरण किया गया। रिंगणोद में पुण्यसम्राट के ऐतिहासिक चातुर्मास तथा वर्तमान में साध्वी श्री विज्ञानलताश्रीजी म.सा. की निश्रा में चल रही नवकार आराधना का भी उल्लेख हुआ। धर्मसभा में सिद्धि तप के 54 तपस्वियों की आराधना जारी रही, जबकि गुरुराज द्विशताब्दी तप आराधना के अंतर्गत 36 भाई-बहनों ने पारणा किया। विशेष तपस्वियों में चंदनबालाजी बडेरा 32 उपवास, जयंतीलालजी वेद 23 उपवास, साध्वी बालसाध्वी राजर्षिलताश्रीजी 22 उपवास तथा पूर्वी मुथा 19 उपवास की तपस्या कर रहे हैं। आज दादा गुरुदेव एवं पुण्यसम्राट की आरती का लाभ सुनीलजी राजमलजी कापड़िया परिवार ने लिया। नवकार आराधना का लाभ रांका परिवार, इंदौर ने लिया। धर्मसभा में सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे। संचालन महेंद्र बागवाला, आभार धनराज संघवी तथा सूचनाएं नीरज सुराणा ने दीं। कल कुमारपाल महाराज का परिवार प्रातः 9:09:09 बजे केशरी वाटिका से प्रवचन मंडप की ओर गाजे-बाजे के साथ प्रवेश करेगा। इसके लाभार्थी सुरेशजी मदनलालजी अक्षयजी मेहता, देसाईवाले रहेंगे।

फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र के सहारे नौकरी करने वाले लोगों का एक बार फिर हो सकता है मेडिकल बोर्ड से सत्यापन सर्टिफिकेट संदिग्ध होने पर एफआईआर दर्ज कराई जा सकती है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। फर्जी दिव्यांग सर्टिफिकेट के सहारे नौकरी कर रहे लोगों को पिछले वर्ष हाईकोर्ट की चेतावनी के बाद 20 अगस्त तक हर हाल में मेडिकल बोर्ड से जांच एवं सर्टिफिकेट लेने के आदेश राज्य शासन को दिए गए थे इसके बावजूद भी राज्य शासन ने इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया अपवाद स्वरूप बिलासपुर जिला में दर्जनों दिव्यांग सर्टिफिकेट के सहारे कार्यरत सरकारी कर्मचारियों पर बर्खास्तगी की कार्रवाई की गई इसी तरीके से हाल ही में धमतरी जिले में फर्जी शिक्षा कर्मी जो कि फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र के सहारे नौकरी कर रहे थे कई लोग प्रधान पाठक भी बन चुके थे उन्हें बर्खास्त किया गया है लेकिन इस मामले में राजनांदगांव जिला सर्वाधिक चर्चित रहा है उसमें से डोंगरगांव विकासखंड में फर्जी प्रमाण पत्र के सहारे नौकरी करने वाले सैकड़ो लोग अभी भी मजे से नौकरी कर रहे हैं मामला 2008 9 का है तत्कालीन बीईओ के द्वारा फर्जी तरीके से दर्जनों लोगों को फर्जी तरीके से अंधे लंगड़े लूले के नाम से नौकरी लगाई गई थी जो अभी भी मजे से सरकार की आंखों में धुल झोंक रहे हैं प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल और महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी रजवाड़े ने बुधवार को महानदी भवन मंत्रालय में एक संयुक्त बैठक ली इस बैठक में फर्जी दिव्यांग सर्टिफिकेट प्रकरणों के त्वरित जांच को लेकर चर्चा हुई बैठक में दिव्यांग सर्टिफिकेट चर्चा का केंद्र बिंदु रहा सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा दिव्यांग सर्टिफिकेट प्रमाण पत्र के आधार पर शासकीय सेवा में कार्यरत 186 व्यक्तियों से संबंधित प्रकरणों की जांच राज्य मेडिकल बोर्ड एवं संभागिय मेडिकल बोर्ड से जांच करने की बात की गई सवाल बेहद गंभीर है क्या पूरे प्रदेश भर में सिर्फ 186 शासकीय सेवक ही इसके दायरे में है विश्वसनीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ में हजारों लोग अभी भी मजे से फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र के सहारे नौकरी कर रहे हैं और असल लोगों का हक मार रहे हैं लेकिन शासन प्रशासन क्यों इस पर एक्शन नहीं ले पा रही है यह सोचने वाली बात है दरअसल यहां पर पेंच न्यायपालिका के बीच फंस जाता है दरअसल किसी भी शासकीय कर्मचारी की फर्जी प्रमाण पत्र के सहारे नौकरी करने की शिकायत के बाद जांच होती है कार्रवाई होती है सस्पेंड भी की जाती है लेकिन सस्पेंड होने वाला व्यक्ति सीधे हाई कोर्ट चले जाता है और वहां से स्टे ले आता है फिर वही लंबी चलने वाली प्रक्रिया पुनः बहाली फिर वही ढाक के तीन पांत यानी कि यह क्रम चलते रहता है फिलहाल इसका कोई तोड़ नजर नहीं आ रहा है लेकिन एक बार छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री और महिला बाल विकास मंत्री के संयुक्त बैठक ने दिव्यांग प्रमाण पत्र के सारे नौकरी कर रहे लोगों की धड़कन को पुनः बढ़ा दिया है हेमंत वर्मा की कलम से

लिंचिंग की घटना की जांच के लिए कांग्रेस नेता ग्राउंड ज़ीरो भावनगर जाएंगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। भावनगर में हुई लिंचिंग की घटना के बाद राज्य सरकार और खासकर होम डिपार्टमेंट के काम के खिलाफ लोगों का गुस्सा बढ़ रहा है। इस बीच, विपक्षी कांग्रेस ने भी राज्य में हाल ही में हुई लिंचिंग की घटना को लेकर सरकार को चारों तरफ से घेरा है, जहां शराब बैन है। गुजरात कांग्रेस के नेताओं ने गुजरात की भूपेंद्र पटेल सरकार पर कड़ा हमला बोला है और इस दावे पर सवाल उठाया है कि जिस राज्य में शराब बैन है, वहां शराब बैन को सख्ती से लागू किया जा रहा है। आज गुजरात कांग्रेस के नेताओं, खासकर शक्तिसिंह गोहिल ने भावनगर लिंचिंग मामले में राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए और कहा कि BJP का कोई भी बड़ा अधिकारी नैतिक जिम्मेदारी क्यों नहीं लेता और इस्तीफा क्यों नहीं देता? इस बीच, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अमित चावड़ा और प्रवक्ता डॉ. मनीष दोशी ने कहा कि भावनगर में ज़हरीली शराब से कई लोगों की मौत हुई है। उन्होंने यह भी आशंका जताई कि इस मामले में मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। उन्होंने दावा किया कि पता चला है कि ज़हरीली शराब की 250 बोतलें बेची गई हैं। कांग्रेस नेताओं ने दावा किया कि राज्य सरकार, खासकर गृह विभाग ने लिंचिंग मामले में पहली मौत के समय लापरवाही दिखाई और PM को बताए बिना शव को उज्जैन जाने दिया। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि जब गुजरात कांग्रेस के नेता दावा कर रहे हैं कि ज़हरीली शराब से कुछ लोगों की आंखों की रोशनी चली गई है और BJP नेता रिश्वत लेकर गुंडों को खुली छूट दे रहे हैं, तो BJP का कोई भी बड़ा नेता नैतिक ज़िम्मेदारी क्यों नहीं ले रहा है और इस्तीफ़ा क्यों नहीं दे रहा है। इस बीच, उन्होंने यह भी कहा कि गुजरात कांग्रेस पार्टी का पांच सदस्यों का एक पैनल मौके का मुआयना करने और रिपोर्ट देने भावनगर जाएगा।

राजनांदगांव में ट्रैक्टर बिक्री राशि में लाखों का गबनः शो-रूम का मैनेजर गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव स्थित सिटी कोतवाली थाना पुलिस ने ट्रैक्टर और कृषि उपकरणों की बिक्री राशि में लाखों रुपये के गबन के एक बड़े मामले का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने एक एग्रो फर्म में मैनेजर के पद पर कार्यरत आरोपी को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

मामले की जानकारी देते हुए सिटी कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक उपेन्द्र कुमार शाह ने बताया कि 17 अगस्त 2026 को प्रार्थी की ओर से एक लिखित शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत के अनुसार, आरोपी कुमुद उपाध्याय (उम्र 52 वर्ष, निवासी वृंदावन कॉलोनी, बसंतपुर) बीजेपी कार्यालय के सामने स्थित 'अरुण एग्रीकल्चर' में मैनेजर के पद पर कार्यरत था। आरोप है कि 1 अप्रैल 2025 से 7 अप्रैल 2026 के बीच आरोपी ने फर्म के ट्रैक्टर और कृषि उपकरण किसानों को कुल ?14,61,393 में बेचे थे। लेकिन उसने बिक्री से प्राप्त पूरी रकम फर्म के खाते में जमा नहीं की। जांच और पूछताछ के दौरान आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने गबन की राशि में से ?3,03,500 वापस कर दिए थे, जबकि शेष ?11,07,893 का गबन कर लिया था। प्रार्थी की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 443/26, भारतीय न्याय संहिता की धारा 316(4), 336(3) और 344(1) के तहत मामला दर्ज किया। राजनांदगांव पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कीर्तन राठौर एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्री के.पी. मरकाम के मार्गदर्शन में सिटी कोतवाली पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई की।

गांधीनगर तालुका डेवलपमेंट ऑफिसर्स को हायर पे स्केल के मुद्दे पर बड़ा झटका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। पंचायत, रूरल हाउसिंग और रूरल डेवलपमेंट डिपार्टमेंट के तहत आने वाले कर्मचारियों के लिए हायर पे स्केल को मंजूरी देने के मुद्दे पर डेवलपमेंट कमिश्नर ऑफिस ने एक अहम फैसला लिया है। डेवलपमेंट कमिश्नर ऑफिस ने राज्य के सभी डिस्ट्रिक्ट पंचायत ऑफिस के डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट ऑफिसर्स को एक लेटर भेजकर साफ किया है कि कुछ खास तरह के कर्मचारियों के लिए हायर पे स्केल और उसके

फायदे मंजूर नहीं किए जा सकते। जैसा कि 17 अगस्त, 2026 के लेटर में कहा गया है, जिन कर्मचारियों ने पिछले रेफरेंस लेटर के आधार पर लोक अदालत गुजरात हाई कोर्ट में पिटीशन फाइल की है और तय समय में डिपार्टमेंटल एग्जाम पास कर लिया है, उनके तालुका डेवलपमेंट ऑफिसर कैडर में डीम्ड डेट को मंजूरी देने के प्रपोजल को जनरल एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट से सलाह करके खारिज कर दिया गया है। लेटर में आगे कहा गया है कि डिपार्टमेंट के 02/03/2016, 15/03/2017, 30/06/2020 और 09/03/2023 के ऑर्डर से नियुक्त ऑफिसर और एम्प्लॉई, गुजरात डेवलपमेंट सर्विस, क्लास-2 कैडर में अप्रूव्ड संभावित तारीख के आधार पर पहले मिले हायर पे स्केल को कैंसल करके गुजरात एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस, क्लास-1 (जूनियर स्केल) कैडर में हायर पे स्केल अप्रूव्ड करने के कॉन्सीक्वेंशियल बेनिफिट्स के लिए एलिजिबल नहीं हैं।

बदलती सामाजिक संवेदनाओं में वृद्धों को चाहिए उजाले

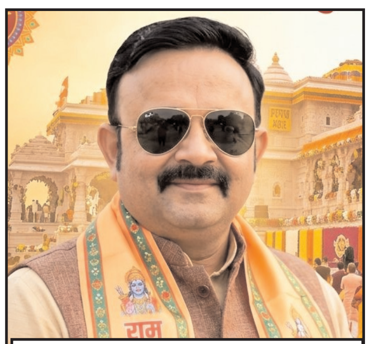

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

भारत की पारंपरिक संस्कृति में वृद्ध व्यक्ति परिवार के मुखिया, मार्गदर्शक और अनुभव के भंडार माने जाते थे। संयुक्त परिवार में उनकी भूमिका केवल निर्णय लेने तक सीमित नहीं थी, बल्कि वे परिवार की स्मृति, परंपरा और संस्कारों के जीवंत केंद्र होते थे। लेकिन तेजी से बदलती जीवनशैली, महानगरीय संस्कृति, रोजगार के लिए पलायन, छोटे परिवारों की प्रवृत्ति, उपभोक्तावाद और बढ़ती व्यक्तिवादी सोच ने इस व्यवस्था को बदल दिया है। आज कई वृद्ध अपने ही घर में रहते हुए भी भावनात्मक रूप से अकेले हैं।

विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस समाज के अंतर्मन को झकझोरने एवं वृद्धों की त्रासद स्थितियों पर सोचने को विवश करता है कि जिन हाथों ने परिवार की नींव रखी, जिन कंधों ने बच्चों के भविष्य का भार उठाया और जिन अनुभवों ने जीवन की अनेक कठिन राहों को पार करने में अगली पीढ़ियों का मार्गदर्शन किया, उन्हीं वृद्ध माता-पिता को जीवन के अंतिम पड़ाव में अकेलापन, उपेक्षा, असुरक्षा और अपमान क्यों झेलना पड़ रहा है? निश्चित ही कहीं-न-कहीं हमारी सामाजिक संवेदना कमजोर हुई है। जिस समाज में बुजुर्गों का सम्मान सहज संस्कार होना चाहिए था, वहां उनके अधिकारों और सुरक्षा के लिए अलग से दिवस मनाना हमारी सामूहिक आत्मचिंता का विषय है। भारत तेजी से वृद्ध होती आबादी की ओर बढ़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की इंडिया एजिंग रिपोर्ट 2023 के अनुसार 2050 तक भारत की आबादी में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की हिस्सेदारी लगभग 20 प्रतिशत हो सकती है; यानी हर पांच भारतीयों में लगभग एक वरिष्ठ नागरिक होगा। यह केवल जनसांख्यिकीय परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक व्यवस्था के सामने आने वाली एक बड़ी चुनौती है। अधिक उम्र तक जीना मानव सभ्यता की उपलब्धि है, लेकिन यदि लंबी आयु के साथ अकेलापन, बीमारी, आर्थिक असुरक्षा और भावनात्मक उपेक्षा जुड़ जाए तो दीर्घ जीवन वरदान के बजाय बोझ जैसा अनुभव होने लगता है।

भारत की पारंपरिक संस्कृति में वृद्ध व्यक्ति परिवार के मुखिया, मार्गदर्शक और अनुभव के भंडार माने जाते थे। संयुक्त परिवार में उनकी भूमिका केवल निर्णय लेने तक सीमित नहीं थी, बल्कि वे परिवार की स्मृति, परंपरा और संस्कारों के जीवंत केंद्र होते थे। लेकिन तेजी से बदलती जीवनशैली, महानगरीय संस्कृति, रोजगार के लिए पलायन, छोटे परिवारों की प्रवृत्ति, उपभोक्तावाद और बढ़ती व्यक्तिवादी सोच ने इस व्यवस्था को बदल दिया है। आज कई वृद्ध अपने ही घर में रहते हुए भी भावनात्मक रूप से अकेले हैं। उनके पास रहने को छत है, लेकिन संवाद के लिए कोई अपना नहीं; परिवार है, लेकिन समय नहीं; संतान है, लेकिन अपनापन कम होता जा रहा है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जिस वृद्ध ने जीवनभर परिवार को अपने केंद्र में रखा, सेवानिवृत्ति के बाद वही परिवार उसे अपने केंद्र से बाहर करने लगता है। नौकरी में रहते हुए जिस व्यक्ति की सलाह महत्वपूर्ण थी, नौकरी से मुक्त होते ही उसकी उपयोगिता जैसे समाप्त मान ली जाती है।

वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या इसी बदलती सामाजिक संरचना का संकेत है। हर वृद्धाश्रम दुख की कहानी नहीं है; कुछ स्थानों पर वे अकेले और असहाय वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुरक्षा और देखभाल का महत्वपूर्ण माध्यम भी हैं। लेकिन

जब वृद्धाश्रम उन माता-पिता का अंतिम ठिकाना बन जाए जिन्हें सक्षम संतान केवल इसलिए घर से दूर कर देती है कि वे आधुनिक जीवन की सुविधाओं के बीच ह्यअसुविधाह्न बन गए हैं, तब प्रश्न केवल परिवार का नहीं, पूरे समाज के संस्कारों का बन जाता है। संपत्ति अपने नाम कराने के बाद माता-पिता से दूरी बना लेना, उनकी बीमारी को बोझ समझना या उन्हें केवल घरेलू जिम्मेदारियों के लिए उपयोग करना ऐसी प्रवृत्तियां हैं, जिन पर समाज को गंभीर आत्ममंथन करना चाहिए। यह भी सच है कि वृद्धावस्था की समस्या केवल युवाओं की संवेदनहीनता से पैदा नहीं होती। वरिष्ठ नागरिकों को भी बदलते समय के साथ स्वयं को बदलना होगा। नई पीढ़ी की स्वतंत्रता, निजी निर्णय और जीवनशैली को समझना होगा। अनावश्यक हस्तक्षेप से बचते हुए अपने अनुभव को आदेश नहीं, मार्गदर्शन के रूप में प्रस्तुत करना होगा। उम्र बढ़ना स्वाभाविक है, लेकिन मन का बूढ़ा हो जाना अनिवार्य नहीं। वरिष्ठ नागरिक यदि सामाजिक गतिविधियों, अध्ययन, सेवा, आध्यात्मिकता, सामुदायिक कार्यक्रमों और रचनात्मक कार्यों से जुड़े रहें तो उनका जीवन अधिक सक्रिय, सार्थक और आनंदपूर्ण बन सकता है। सुप्रीम कोर्ट का कल आया फैसला बुजुर्गों के लिए कानूनी संजीवनी की तरह है जिसमें न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि यदि संतान माता-पिता की देखभाल और भरण-पोषण की जिम्मेदारी निभाने में विफल रहती है, तो वरिष्ठ नागरिकों की संपत्ति और सम्मान की रक्षा के लिए कानून के तहत बच्चों को उस संपत्ति से बेदखल करने का रास्ता खुला है।

सरकार की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है और इस दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा को लेकर कई महत्वपूर्ण पहल की हैं। विशेष रूप से 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को आय की परवाह किए बिना आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत पांच लाख रुपये तक का स्वास्थ्य कवरेज देना एक महत्वपूर्ण कदम है। सरकार के अनुसार अक्टूबर 2024 में शुरू हुए इस विस्तार से लगभग छह करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य है; जून 2026 तक योजना के अंतर्गत 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए कवरेज का दायरा इसी दिशा में आगे बढ़ाया गया है। इसी प्रकार अटल वयो अभ्युदय योजना का उद्देश्य केवल वृद्धों को आश्रय देना नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, पोषण, सुरक्षा, आवास, सक्रिय एवं उत्पादक वृद्धावस्था, कौशल, परिवहन तथा पीढ़ियों के बीच संबंधों को मजबूत करना भी है। योजना में वरिष्ठ नागरिकों के लिए सहायता, वृद्धाश्रम, सहायक उपकरण, सक्रिय वृद्धावस्था और अनुभव आधारित रोजगार जैसे पहलुओं को भी शामिल किया गया है। ये प्रयास महत्वपूर्ण हैं, लेकिन सरकारी योजनाओं की सफलता अंततः उनके अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी पहुंचने पर निर्भर करती है। पेंशन, स्वास्थ्य सुविधा, डिजिटल सेवाओं और कानूनी संरक्षण को अधिक सरल, सुलभ और स्थानीय स्तर पर प्रभावी बनाना अभी भी आवश्यक है।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए आर्थिक सुरक्षा जितनी जरूरी है, उससे कहीं अधिक जरूरी भावनात्मक सुरक्षा है। पैसा दवा खरीद सकता है, लेकिन अकेलेपन का उपचार नहीं कर सकता। अस्पताल शरीर का इलाज कर सकता है, लेकिन उपेक्षा से घायल मन का उपचार परिवार का प्रेम ही कर सकता है। इसलिए वृद्ध कल्याण को केवल सरकारी योजना या पेंशन के दायरे में नहीं देखा जा सकता। परिवार को यह समझना होगा कि वृद्ध माता-पिता को केवल भोजन और दवा नहीं चाहिए; उन्हें बातचीत चाहिए, सम्मान चाहिए, निर्णयों में सहभागिता चाहिए और यह भरोसा चाहिए कि वे परिवार के लिए अब भी महत्वपूर्ण हैं। आज की युवा पीढ़ी को यह बात विशेष रूप से समझनी होगी कि माता-पिता का वर्तमान हमारे भविष्य का संकेत है। जो व्यवहार हम आज अपने वृद्ध माता-पिता के साथ करेंगे, आने वाला समय उसी व्यवहार को हमारे सामने खड़ा करेगा। आज हम युवा हैं, कल हम वृद्ध होंगे। आज जिन आंखों को हम अनदेखा कर रहे हैं, कल उन्हीं जैसी आंखों में हमारी अपनी संतानों के व्यवहार का प्रतिबिंब दिखाई दे सकता है। इसलिए वृद्धों की सेवा दया नहीं, कर्तव्य है; उनका सम्मान उपकार नहीं, संस्कार है।

विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस की वास्तविक सार्थकता तभी होगी जब यह एक दिन का आयोजन न रहकर जीवन की स्थायी दृष्टि बने। परिवार में सप्ताह में एक दिन नहीं, प्रतिदिन संवाद हो; समाज में वरिष्ठ नागरिकों के लिए सक्रिय सामुदायिक मंच हों; स्थानीय संस्थाएं उन्हें ज्ञान, अनुभव और सेवा के अवसर दें; सरकार स्वास्थ्य, पेंशन और सुरक्षा की व्यवस्थाओं को मजबूत करे और युवा पीढ़ी अपनी सोच में परिवर्तन लाए। वृद्धावस्था जीवन की संध्या है, लेकिन संध्या का अर्थ अंधेरा नहीं होता। वह दिनभर की यात्रा के बाद सुनहरी रोशनी का समय भी हो सकती है। आवश्यकता केवल इतनी है कि परिवार उस रोशनी को बुझने न दे। हमारे वृद्ध जीवन के बीते हुए पन्ने नहीं, आने वाली पीढ़ियों के लिए अनुभव की खुली किताब हैं। यदि हम उनके अंतिम वर्षों को भय, अकेलेपन और उपेक्षा से भर देंगे तो हम केवल उनके साथ अन्याय नहीं करेंगे, बल्कि अपनी सभ्यता और संस्कारों को भी कमजोर करेंगे। इसलिए आज संकल्प होना चाहिए-वृद्धों के जीवन में अंधेरा नहीं, सम्मान का उजाला हो; अकेलापन नहीं, अपनापन हो; उपेक्षा नहीं, सहभागिता हो और शेष जीवन बोझ नहीं, आनंद एवं गरिमा का उत्सव बने। यही विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस का वास्तविक संदेश और हमारी सबसे बड़ी सामाजिक जिम्मेदारी है।

संपादकीय

अस्पताल में खौफ

कोई भी अस्पताल बीमार व अशक्त लोगों के जीवन की अंतिम किरण होती है। एक विश्वास का प्रतीक कि वहां से स्वस्थ होकर लौटेंगे। तरह-तरह के रोगों से पीड़ितों का अस्पताल पर भरोसा होता है कि वहां पहुंचकर उनका जीवन सुरक्षित हो जाएगा। लेकिन यदि किसी अस्पताल में उपचार के लिये गई महिला के साथ जांच के नाम पर दुराचार हो और वीभत्स कृत्य उसे मौत के मुंह में धकेल दे तो इससे ज्यादा व भयावह कुछ नहीं हो सकता। यह घटना लाखों मजबूर-बीमार लोगों तथा महिलाओं के भरोसे को तोड़ती है, जब यह पता चलता है कि वीभत्स घटना एक सरकारी अस्पताल में हुई है। हरियाणा के पानीपत स्थित अस्पताल के सीटी स्कैन रूम में एक 58 साल की महिला के साथ हुए दुराचार और उसके बाद रोहतक के पीजीआईएमएस में उपचार के दौरान उसकी मौत ने लाखों लोगों के भरोसे को भी तोड़ा है। निस्संदेह, कानून अपना काम करेगा, पुलिस की जांच अपराधी को सख्त दंड दिलाने में मददगार होगी, लेकिन इस घटना ने संस्थागत सुरक्षा इंतजामों की चिंताजनक नाकामी को एक बार फिर से उजागर कर दिया है। सबसे अधिक विचलित करने वाली बात यह है कि आरोपी पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के तरह अस्पताल की सीटी स्कैन और एमआरआई यूनिट चलाने वाली एक प्राइवेट कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड के तौर पर काम करता था। लेकिन सवाल यह उठता है कि वह कथित तौर पर सीटी स्कैन टेक्नीशियन का काम कैसे कर रहा था? निस्संदेह, सरकारी अस्पताल के अंदर इस तरह से दायित्वों की भूमिका में बदलाव होना व्यवस्था की ऐसी नाकामियों की तरफ इशारा करता है, जो किसी व्यक्ति के कुकृत्य से कहीं अधिक आगे की बात है। निस्संदेह, यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना अस्पताल व अन्य सार्वजनिक संस्थानों में देख-रेख, कॉन्ट्रैक्ट की शर्तों के पालन और जवाबदेही को लेकर विचलित करने वाले सवाल खड़े करती है। ऐसा प्रतीत होता है कि अस्पतालों में मरीजों की सुरक्षा के बुनियादी नियम-कानून एक साथ निरर्थक हो गए हैं। सवाल यह है कि पहले ही रोगों, शारीरिक जीर्णता, मानसिक तनावों से गुजर रहे लोगों की सुरक्षा हेतु क्या कोई कायदे-कानून नहीं हैं? उनकी सुरक्षा महज राम भरोसे है? सरकारी अस्पतालों में मरीजों को कितने धक्के खाने पड़ते हैं और पक्की नौकरी वालों का आमतौर पर मरीजों से व्यवहार कैसा होता है, वह सर्वविदित है। पीड़िता के परिजनों ने आरोप लगाया कि उन्हें मरीज के साथ स्कैन-रूम में नहीं जाने दिया गया। वहां कोई महिला स्टॉफ मौजूद नहीं थी। दुर्भाग्य से महिला मरीज को ऐसे व्यक्ति के भरोसे छोड़ दिया गया, जिसे वास्तव में वहां खड़े रहने का भी हक नहीं था। ये चिकित्सा प्रक्रिया की कोई मामूली चूक नहीं है। ऐसी खामी में शोषण का खतरा लगातार बना रहेगा। विगत में भी कई ऐसी घटनाओं ने पूरे देश का ध्यान खींचा, जहां महिलाओं के साथ यौन हिंसा हुई। वर्ष 1973 में मुंबई के केईएम अस्पताल में नर्स अरुणा शानबाग के साथ जानलेवा यौन-हिंसा हुई थी। इसी तरह की कोलकाता के आरजीकर मेडिकल कालेज की दुखद घटना, जिसमें यौन हिंसा से मेडिकल की छात्रा की मौत हुई थी। विडंबना यह कि घटना का जमकर राजनीतिक दोहन तो होता है, लेकिन लोगों का गुस्सा कम होते ही सुधार के वायदे भी हवा हो जाते हैं। एक बार फिर पानीपत की दुखद घटना ने बताया है कि हमारे नीति-नियंताओं की याददाश्त बहुत कमजोर होती है। निश्चित रूप से पानीपत में हुई वीभत्स घटना को महज एक अपराध की दृष्टि से नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इस घटना के मद्देनजर मरीजों की सुरक्षा से जुड़े नीतिगत फैसलों में बदलाव लाया जाना चाहिए। ऐसे अस्पताल व सार्वजनिक सेवा केंद्रों से जुड़े, प्रत्येक आउटसोर्स किए गए विकल्पों की समीक्षा की जानी चाहिए। तैनात कर्मचारियों की कारगुजारियों-भूमिकाओं का सत्यापन किया जाना चाहिए। अस्पतालों में सीसीटीवी कवरेज का दायरा विस्तृत व मजबूत किया जाना चाहिए। साथ ही अनिवार्य रूप से सुरक्षाकर्मियों की तैनाती का प्रोटोकॉल लागू किया जाना जरूरी है। महत्वपूर्ण यह कि सार्वजनिक-निजी भागीदारी में जवाबदेही से बचने का मौका नहीं दिया जाना चाहिए। ध्यान रहे कि स्वास्थ्य सेवा में उपचार के साथ लोगों के भरोसे को बनाये रखना भी अनिवार्य शर्त है।

सूक्ति

जो आप खुद पसंद नहीं करते उसे दूसरों पर भी थोपिए।
कन्फ्यूशियस
स्वत: कुछ नहीं होता सब कुछ करना पड़ता है।
जै. एफ. कैनेडी

सुधारगृह नहीं अपराधियों के अभयारण्य में तब्दील होते कारागार

मनोज कुमार अग्रवाल

भारतीय जेल अब सुधारगृह से अधिक अपराधियों के स्वच्छंद अभ्यारण्य में तब्दील हो रहीं हैं देश की विभिन्न जेलों में भ्रष्टाचार, अवैध वसूली और नियमों के उल्लंघन के कई गंभीर मामले लगातार सामने आते रहे हैं, जो जेल प्रशासन की सुरक्षा और ईमानदारी पर बड़े सवाल खड़े करते हैं। इन मामलों में रसूखदार कैदियों को वीआईपी सुविधाएं देने से लेकर मोबाइल फोन और प्रतिबंधित सामग्री पहुंचाने तक के रैकेट शामिल हैं। जेलों में फैले भ्रष्टाचार के मामले देश भर में फैली अव्यवस्था को उजागर करता है वही अपराध नियंत्रण में भी अड़चन पैदा करता है यदि अपराधी को जेल में भी घर जैसा आरामदायक माहौल मिलेगा तो उसके लिए जेल ही सुरक्षित आवास बन जाएगा।

आपको याद दिला दें जेल में भ्रष्टाचार का सुकेश चंद्रशेखर मामला तिहाड़ जेल, दिल्ली से जुड़ा हुआ है जेल इतिहास का सबसे बड़ा रिश्वत कांड, जहां महाठग सुकेश ने जेल के भीतर से करोड़ों रुपये की ठगी की और बदले में करीब 80 से अधिक जेलकर्मियों को करोड़ों रुपये की रिश्वत दी।

तिहाड़ जेल जबरन वसूली रैकेटः हाल ही में सीबीआई ने तिहाड़ जेल के निलंबित अधिकारियों औरि कैदियों पर मामला दर्ज किया, जो कैदियों के परिवारों से ऑनलाइन यूपीआई और पेटीएम के जरिए लाखों की अवैध वसूली कर रहे थे। वहीं बेउर जेल कांड पटना, बिहार ने भी जेलों में व्याप्त भ्रष्टाचार का खुलासा कर दिया। पटना की बेउर जेल में संगठित भ्रष्टाचार और नियमों की धज्जियां उड़ाने की खबर सामने आने के बाद सरकार ने जेल अधीक्षक समेत 7 अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया।

मेरठ जेल और महाराष्ट्र की जेलों से जुड़े मामले भी बेहद शर्मनाक स्थिति को बयान करते हैं। उत्तर प्रदेश की मेरठ जेल और महाराष्ट्र की ठाणे व तलोजा जेलों में कैदियों द्वारा अवैध रूप से मोबाइल फोन इस्तेमाल करने और परिजनों से मुलाकात के बदले पैसे ऐंठने के कई स्टिंग ऑपरेशन और वीडियो साक्ष्य सामने आ चुके हैं। हमारी जेलों में एक ऐसा दुष्चक्र चल रहा है जैसे कि ये जेलें न होकर गैस्ट हाऊस बन गई हों। जहां इनके स्टाफ को मुंह मांगी रकम देकर कोई भी सुविधा हासिल की जा सकती है। इसमें टी.वी., मोबाइल फोन या नशा और डाक्टरी जांच के बहाने सैर-सपाटा आदि सब कुछ शामिल है, जिसकी पिछले कुछ समय में आइ सुर्खियों पर नजर डालिए

26 मई,2025जयपुर (राजस्थान) की सेंट्रल जेल में सजा काट रहे 5 कैदियों ने एस. एम.एस. अस्पताल में मैडीकल चैकअप के लिए मंजूरी ली थी, परंतु जेल कर्मचारियों की मिली भगत से इनमें से 4 कैदी डाक्टर के पास जाने की बजाय एक होटल में अपनी-अपनी पत्नियों या प्रेमिकाओं के साथ कुछ खाते-पीते और घूमते-फिरते मिले।यह सैर-सपाटा 25,000 रुपयों में तय किया गया था तथा कैदियों के साथ गए कांस्टेबलों को 5000-5000 रुपए देने का वादा किया गया था।9 नवम्बर, 2025 को बेंगलुरु (कर्नाटक) की जेल से वायरल हुए एक वीडियो में 20 महिलाओं से रेप व 18 हत्याओं के मामलों में दोषी ठहराए गए उमेश रैड्डी को जेल के अंदर 2 एंड्रॉयड व 1 की-पैड मोबाइल फोन इस्तेमाल करते हुए देखा गया। उसकी बैरक में टी.वी. भी लगा हुआ था। 29 नवम्बर, 2025 को लखनऊ (उत्तर प्रदेश) की गोसाईं गंज जेल से एक कैदी ऋषभ राय का मैडीकल करवाने निकले 4 पुलिस कर्मचारी उसे डाक्टर के पास लेकर जाने की बजाय शॉपिंग मॉल में घुमाने ले गए। इसकी सूचना उसके मित्रों और परिजनों को भी दी गई थी जो उससे मिलने उक्त शॉपिंग मॉल में पहुंच गए। ऋषभ उनके साथ घूमा-फिरा और खरीदारी भी की। इस सिलसिले में डिप्टी सुपरिंटैंडैंट राम सेवक के अलावा अनुज धामा, नितिन राणा तथा रामचंद्र प्रजापति को निलम्बित कर दिया गया।

16 मार्च, 2026 को करोड़ों रुपयों के सतारा ड्रग्स स्कैंडल के मामले में सोलापुर (महाराष्ट्र) जेल में बंद आरोपी फैजान शेख को मोबाइल फोन देने के आरोप में जेल के कांस्टेबल बालू चव्हाण को गिरफ्तार किया गया जिसने इसके बदले में 40,000 रुपयों से अधिक रकम ली थी।

28 मार्च, 2026 को अम्बिकापुर (छत्तीसगढ़) में मैडीकल कॉलेज अस्पताल के जेल वार्ड में हत्या के प्रयास के आरोप में बंद कैदी गुरबख्श सिंह को हर सुविधा उपलब्ध करवाने का मामला सामने आया।उसके परिजन मोबाइल लेकर अस्पताल के जेल वार्ड में आ-जा रहे थे तथा उसे घर का खाना और मिनरल वाटर तक उपलब्ध करवा रहे थे। इस सिलसिले में 2 जेल वार्डरों जयप्रकाश और लोकनाथ निषाद को निलम्बित किया गया।

17 जुलाई, 2026 को दिल्ली सरकार की एंटी करप्शन ब्रांच ने तिहाड़और रोहिणी जेलों के अंदर चल रहे एक संगठित उगराही और रिश्वत के रैकेट का पता चलने पर असिस्टैंट सुपरिंटैंडैंट, 6 जेल वार्डरों, 2 वकीलों तथा 2 अन्य प्राइवेट व्यक्तियों सहित कुल 11 आरोपियों को गिरफ्तार करके उनसे 1 लाख रुपए की रिश्वत की रकम बरामद की। 24 जुलाई, 2026 को चित्तौड़गढ़ (राजस्थान) जिला जेल से वायरल हुए 3 वीडियो में अनेक कैदी जेल के अंदर आराम से भोजन करते, नशा करते, नाचते और एंड्रॉयड मोबाइल से सैल्फी वीडियो बनाते दिखाई दिए।

3 अगस्त, 2026 को बुड़ैल जेल चंडीगढ़ में बंद 661 करोड़ रुपयों के बैंक घोटाले के सरगना विक्रम वधवा को अस्पताल में चैकअप के बाद 2 पुलिस कर्मियों द्वारा एक होटल में लेकर जाने का पता चला जहां जमकर पार्टी चली। वहां विक्रम वधवा की पत्नी, रिश्तेदार व बेटे भी मौजूद थे।

इसका पता चलते ही डी.एस.पी. लाइन पूनम दिलावरी ने होटल में छापा मार कर पुलिस कर्मियों और विक्रम वधवा को काबू कर सैक्टर 17 थाना पुलिस के हवाले कर दिया, जहां विक्रम वधवा, उसके बेटों कर्ण व कुणाल वधवा के विरुद्ध मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया।

और अब 4 अगस्त, 2026 को गोवा की कोलवाले जेल में बंद कुछ कैदियों को जेल कर्मचारियों की शह पर मोबाइल चार्जिंग, इंटरनैट एक्सैस, टी.वी. कनैक्शन, शराब व मांसाहारी भोजन की होटलों जैसी सुविधाएं देने पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने जेल प्रशासन को कड़ी फटकार लगाई।

इस प्रकार के मामलों का सामने आना निश्चय ही भारतीय जेलों में व्याप्त भ्रष्टाचार कुव्यवस्था का ज्वलंत उदाहरण है जिसे रोकने के लिए कठोर प्रशासकीय कदम उठाने की सख्त जरूरत है।

सूरत में मेडिकल स्टूडेंट हर्ष के सुसाइड के बाद बहन की सिसकियां और सिस्टम पर तीखे हमले

रैगिंग के राक्षसी रूप को जड़ से उखाड़ने का समय आ गया हैः

एक होनहार और होनहार स्टूडेंट हर्ष, जो आगे चलकर डॉक्टर बनने का सपना लेकर सूरत के एक हॉस्टल में रहने गया था, उसने अपने सीनियर्स की डरावनी राक्षसी सोच और रैगिंग के टॉर्चर की वजह से अपनी जान दे दी। एक हंसता-खेलता परिवार, उसके बूढ़े मां-बाप का सहारा और घर का इकलौता चिराग एक पल में गायब हो गया। इस दिल दहला देने वाली घटना के बाद, हर्ष की बहन ने नम आंखों और टूटे दिल से पूरे समाज और सरकार के सामने अपना गुस्सा जाहिर किया है और साफ शब्दों में कहा है, 'रैगिंग हमेशा के लिए बंद होनी चाहिए। मेरा भाई तो चला गया, लेकिन अब से किसी बहन का भाई या किसी भी मां-बाप का बेटा ऐसी बिगड़ी हुई सोच का शिकार न हो। ' दूसरों को दुख पहुंचाकर खुशी मिलना एक मानसिक बीमारी हैः ऐसे बिगड़े लोगों के खिलाफ सख्त एक्शन कब लिया जाएगा? सबसे बड़ा और ज़रूरी सवाल यह है कि सीनियर होने के नाम पर, सिर्फ़ अपने ईगो और नकली पैसे के लिए जूनियर स्टूडेंट्स का फिजिकल और मेंटली शोषण करके इन लोगों को क्या खुशी मिलती है? किसी दूसरे मासूम बच्चे को घंटों तक मेंटली परेशान करना, बेइज्जत करना या फिजिकली टॉर्चर करना कोई आम बात नहीं, बल्कि एक भयानक मेंटल डिसऑर्डर है। जिन एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन्स में देश का भविष्य और डॉक्टर्स बनने चाहिए, वहाँ राक्षसी राक्षस पनप रहे हैं। ऐसे गुंडों को कॉलेज से दो-चार महीने के लिए सस्पेंड करने या हॉस्टल खाली कराने का सिर्फ़ कागजी खेल खेलने के बजाय, उन पर सीधे 'मर्डर और गैर इरादतन हत्या' का केस दर्ज करके जेल भेज देना चाहिए, ताकि भविष्य में कोई भी स्टूडेंट ऐसा घटिया काम करने से पहले हज़ार बार सोचे। सिर्फ़ स्टूडेंट्स ही क्यों? कॉलेज एडमिनिस्ट्रेशन, प्रिंसिपल और हॉस्टल वार्डन के खिलाफ़ भी गंभीर जुर्म दर्ज होना चाहिए जो शक वाली चुप्पी साधे हुए हैं। जब भी रैगिंग की ऐसी दुखद घटनाएँ होती हैं, तो एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन्स का एडमिनिस्ट्रेशन, एंटी-रैगिंग कमेटियाँ और हॉस्टल वार्डन मिनटों में अपनी ज़िम्मेदारी से हाथ खड़े कर लेते हैं और अपना बचाव करने लगते हैं। क्या प्रोफेसर या हॉस्टल एडमिनिस्ट्रेशन को हॉस्टल और कॉलेज के कमरों में घंटों चलने वाले इस मेंटल और फिजिकल शोषण का पता नहीं है? क्या एडमिनिस्ट्रेशन की क्रिमिनल लापरवाही और शक भरी चुप्पी इन बिगड़े हुए और राक्षसी सोच वाले स्टूडेंट्स को बढ़ावा नहीं देती? गांधीनगर में बैठी सरकार को अब न सिर्फ रैगिंग करने वाले स्टूडेंट्स के खिलाफ, बल्कि उन स्कूल-कॉलेज एडमिनिस्ट्रेटर्स, प्रिंसिपल्स और कमेटी के अधिकारियों के खिलाफ भी गंभीर कानूनी FIR दर्ज करनी चाहिए जो ऐसी घटनाओं पर आंखें मूंद लेते हैं, स्टूडेंट्स की शिकायतों को दबा देते हैं और समय पर एक्शन नहीं लेते। जब एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन्स के लीडर्स के खिलाफ जेल के दरवाजे खुलेंगे, तभी कॉलेज हॉस्टल्स में बेगुनाह स्टूडेंट्स सुरक्षित रहेंगे। सरकार को कागजों पर एंटी-रैगिंग कमेटियों को बंद कर देना चाहिए, सेंट्रल लेवल पर सख्त कानून बनाना चाहिए और तुरंत सज़ा देने वाली कार्रवाई करनी चाहिए। सिर्फ शोक जताने, कागजों पर शोक सभाएं करने या जांच कमेटियों का रोल निभाने से किसी के घर का बुझा हुआ चिराग वापस नहीं आएगा। होम डिपार्टमेंट और एजुकेशन डिपार्टमेंट को इस घटना को बहुत गंभीर मानकर तुरंत पॉलिसी के फ़ैसले लेने होंगे

1. नॉन-बेलेबल जुर्म और फ़ास्ट ट्रैक कोर्टः रैगिंग को गंभीर नॉन-बेलेबल जुर्म घोषित किया जाना चाहिए और ऐसे मामलों की कानूनी सुनवाई स्पेशल फ़ास्ट ट्रैक कोर्ट में होनी चाहिए।

2. संस्था की मान्यता रद्द करने का प्रावधानः जिस एजुकेशनल संस्था में कोई स्टूडेंट रैगिंग की वजह से सुसाइड करता है या उसे गंभीर मानसिक चोट लगती है, उस संस्था की सरकारी मान्यता और ग्रांट रद्द करने तक की सख़्त कार्रवाई होनी चाहिए।

3. मिसाल देने वाली और कड़ी सज़ाः दोषी सीनियर स्टूडेंट्स को तुरंत ऐसी सख़्त सज़ा मिलनी चाहिए जो देश के पूरे एजुकेशन सिस्टम के लिए मिसाल बन जाए। अगर आज भी जनता, एजुकेशन जगत और सरकार इस मुद्दे पर चुप रहे, तो कल किसी और बेगुनाह गरीब या मिडिल क्लास मां-बाप का बेटा या बेटी शिक्षा की देह पर कुर्बान हो जाएगा।

भोपाल में कश्मीरी छात्रों से मारपीट, धमकी और मकान खाली करने का दबाव, शिकायत पर पुलिस ने लिया एक्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में प्रधानमंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना के तहत फार्मेसी की पढ़ाई कर रहे दो कश्मीरी छात्रों को कथित तौर पर प्रताड़ित करने, डराने-धमकाने और घर खाली करने का दबाव बनाने का गंभीर मामला सामने आया है। इस घटना के सामने आने के बाद प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मच गया है और पुलिस ने तुरंत मामले में हस्तक्षेप किया है।

हॉस्टल सुविधा न होने पर रह रहे थे किराए के मकान में

जम्मू-कश्मीर स्टूडेंट्स एसोसिएशन ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र लिखकर इस पूरे मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की थी। एसोसिएशन के राष्ट्रीय संयोजक नासिर खुएहमी द्वारा 18 अगस्त को भेजे गए पत्र के मुताबिक, ये दोनों छात्र कॉलेज में हॉस्टल की सुविधा उपलब्ध न होने के कारण भोपाल में एक किराए के मकान में रह रहे थे और ट्रूबा इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी में अपनी पढ़ाई जारी रखे हुए थे।

स्थानीय लोगों द्वारा जबरन खाली कराने की धमकी

एसोसिएशन ने आरोप लगाया था कि स्थानीय कॉलोनी या सोसाइटी के कुछ सदस्यों और अन्य असामाजिक तत्वों द्वारा छात्रों पर लगातार यह दबाव बनाया जा रहा था कि वे केवल इसलिए कमरा खाली कर दें क्योंकि वे जम्मू-कश्मीर से ताल्लुक रखते हैं। इतना ही नहीं, मकान मालिक को भी यह चेतावनी दी गई थी कि यदि छात्रों को परिसर से नहीं हटाया गया, तो संबंधित लोग जबरन संपत्ति में घुसकर उन्हें बाहर निकाल देंगे। इस स्थिति ने छात्रों की सुरक्षा, गरिमा और शैक्षणिक निरंतरता को गंभीर खतरे में डाल दिया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए भोपाल पुलिस तुरंत हरकत में आई। भोपाल जोन-IV के पुलिस उपायुक्त आदर्शकांत शुक्ल ने बताया कि पुलिस और सोसाइटी के निवासियों के बीच एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें उन्हें किसी भी तरह की भेदभावपूर्ण प्रथाओं में शामिल न होने की सख्त सलाह दी गई। डीसीपी शुक्ल ने स्पष्ट किया कि उन्होंने खुद दोनों छात्रों से मुलाकात कर बातचीत की है। छात्रों ने पुलिस को बताया कि निवासियों की ओर से उन्हें कोई सीधा व्यक्तिगत खतरा नहीं दिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने मकान मालिक और स्थानीय निवासियों से स्पष्ट रूप से कहा है कि छात्रों को परिसर से हटाने के लिए मजबूर न किया जाए। उन्हें इस संवेदनशील मुद्दे पर पूरी तरह से जागरूक किया गया है। जेकेएसए ने मुख्यमंत्री कार्यालय से यह भी आग्रह किया था कि जिला प्रशासन और पुलिस को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि देश के किसी भी हिस्से से राज्य में आने वाले छात्र बिना किसी डर के सुरक्षित और शांतिपूर्ण माहौल में अपनी शिक्षा पूरी कर सकें। दोनों कश्मीरी छात्र पीएमएसएसएस के तहत भोपाल में फार्मेसी की पढ़ाई कर रहे हैं। कॉलेज में हॉस्टल न होने के कारण वे स्थानीय कॉलोनी में किराए के मकान पर रह रहे थे। स्थानीय लोगों और सोसाइटी के सदस्यों द्वारा लगातार कमरा खाली करने का दबाव बनाया जा रहा था। छात्रों के डर और असुरक्षा के माहौल के चलते उनकी पढ़ाई पर भी असर पड़ रहा था।

पति का मोहल्ले की भाभी से था अफेयर, पत्नी ने स्पीकर पर चला दी कॉल रिकॉर्डिंग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्वालियर। जिले के पुरानी छावनी थाना इलाके से एक बेहद दर्दनाक और झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। यहां कृष्णा नगर पहाड़ी पर रहने वाली 32 वर्षीय ममता यादव ने कथित तौर पर बदनामी से आहत होकर जहरीला पदार्थ खाकर अपनी जान दे दी। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में सनसनी फैली हुई है। मृतका के परिजनों ने पड़ोसियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं, जिसके बाद पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है। घटना से जुड़े तथ्यों के मुताबिक, ममता यादव की शादी करीब 15 साल पहले रामहेत यादव से हुई थी। उनके दो बच्चे हैं और पति मजदूरी का काम करता है। परिवार अपनी सामान्य जिंदगी जी रहा था, तभी पड़ोस में रहने वाले एक युवक के साथ पुरानी बातचीत की कुछ रिकॉर्डिंग सामने आ गईं। आरोप है कि पड़ोसी और उसके परिवार के सदस्यों ने इस निजी रिकॉर्डिंग को मोबाइल के जरिए तेज आवाज में म्यूजिक सिस्टम पर बजाकर पूरे मोहल्ले को सुना दिया। स तरह सरेआम इज्जत उछाले जाने और बदनामी होने से ममता अंदर से पूरी तरह टूट चुकी थीं। जब 17 अगस्त को पति और बच्चे घर से बाहर थे, तब उन्होंने यह खौफनाक कदम उठा लिया। पति जब काम से घर लौटे तो ममता की तबीयत बिगड़ी हुई थी और पास ही जहर की शीशी पड़ी थी। उन्हें तुरंत जयारोग्य अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान बुधवार को उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना से गुस्साए परिजनों और रिश्तेदारों ने मृतका का शव पुरानी छावनी थाने के सामने रखकर चक्काजाम कर दिया। परिजनों का साफ कहना था कि सुरेंद्र यादव, उसकी पत्नी रेखा यादव, राजपाल यादव, विनोद यादव और जूली यादव मिलकर ममता को लगातार परेशान कर रहे थे और उन्हें ब्लैकमेल किया जा रहा था। पुलिस ने इस मामले में संवेदनशीलता दिखाते हुए तुरंत कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

मामले में पुलिस ने दी जानकारी

थाना प्रभारी डॉ. संतोष यादव ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस को शुरुआती जांच में ऑडियो रिकॉर्डिंग और वायरल करने के आरोप से जुड़े तथ्य मिले हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि परिजनों के औपचारिक बयानों और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है, ताकि दोषियों को जल्द से जल्द पकड़ा जा सके।

पड़ोसियों पर मोबाइल रिकॉर्डिंग म्यूजिक सिस्टम पर बजाकर बदनाम करने का गंभीर आरोप जयारोग्य अस्पताल के आईसीयू में इलाज के दौरान मृतका ने तोड़ा दम परिजनों ने थाने के बाहर शव रखकर किया प्रदर्शन, सख्त कार्रवाई की मांग

'अल्फा वाले बच्चों ने हमें घेर रखा हैं', बस्ती में घिरा सपा विधायक का काफिला, तुरंत अफसरों को मिलाया फोन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बस्ती। यूपी के बस्ती जिले के रुधौली क्षेत्र में भी जनरेशन अल्फा के बच्चों का गुस्सा देखने को मिला है। सड़क मार्ग के खस्ताहाल को लेकर स्कूली बच्चों ने वहां से गुजर रहे स्थानीय सपा विधायक राजेंद्र चौधरी के काफिले को रोक लिया। विधायक ने मौके से ही अधिकारियों को फोन कर सड़क को सुधारने को कहा। उन्होंने अधिकारियों को वीडियो भी भेजकर तुरंत सड़क ठीक करने को कहा। बस्ती जिले में सपा विधायक राजेंद्र चौधरी रुधौली क्षेत्र से गुजर रहे थे, तो बच्चों ने उनके काफिले को रोक दिया। बच्चों ने विधायक को गाड़ी से उतरवाकर दिखाया कि जिस रास्ते से वे स्कूल आते जाते हैं, वहां पर कीचड़ ही कीचड़ हो रखा है। बारिश की वजह से सड़क का बुरा हाल है। जिस वजह से आए दिन बच्चे इसमें गिरते रहते हैं या फिर कीचड़ उन पर गिरता है। विधायक ने भी मौके से ही संबंधित अधिकारियों को फोन कर मामले की जानकारी दी। विधायक ने वहीं से अधिकारियों से बात की और आश्वस्त किया कि जल्द ही समस्या का समाधान हो जाएगा। इसके बाद ही छात्र-छात्राओं ने विधायक को जाने दिया। बाद में रुधौली विधायक राजेंद्र चौधरी ने बताया क उन्होंने बच्चों की समस्याएं सुनी। सम्बंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि उनकी दिक्कतों का निराकरण किया जाए। बस्ती के मुड़ाडिहा उर्फ भोपालपुर हनुमानगंज की तरफ जाने वाले सरयू नहर खंड चार नहर मार्ग पर खड़ंचा लगाया गया है। बारिश के मौसम में इस रास्ते पर जलभराव हो गया है। इस वजह से यहां से गुजरना मुश्किल हो रहा है। हनुमानगंज नहर मार्ग से इंटर कॉलेज, पूर्व माध्यमिक विद्यालय, प्राथमिक विद्यालय सहित अन्य विद्यालयों के सैकड़ों छात्र और छात्राएं हर दिन गुजरते हैं। जलभराव के कारण बच्चे कीचड़ में गिर जाते हैं। उनकी ड्रेस और जूता गंदे पानी में भीग जाता है। बुधवार को स्कूल की छुट्टी के बाद छात्र-छात्राएं अपने घरों को लौट रहे थे। इसी दौरान विधायक का काफिला गुजर रहा था। छात्र-छात्राओं का धैर्य जवाब दे गया।

जिला अस्पताल में NHM की 17 भर्तियों पर प्रशासन सख्त, 50 लाख रुपये की रिकवरी होगी

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के नियमों को दरकिनार कर जिला अस्पताल में स्टाफ नर्स और लैब टेक्नीशियन की स्थानीय स्तर पर भर्तियों को लेकर शासन ने कड़ी कार्रवाई की है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नोएडा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के नियमों को दरकिनार कर जिला अस्पताल में 15 स्टाफ नर्स और 2 लैब टेक्नीशियन की स्थानीय स्तर पर भर्तियों को लेकर शासन ने कड़ी कार्रवाई की है। दो तत्कालीन सीएमएस से कुल 50 लाख रुपये से अधिक की रिकवरी की जाएगी। प्रशासन ने भर्ती से जुड़े दस्तावेज और वेतन भुगतान की जांच के आदेश दिए हैं और संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। जिला अस्पताल ने अगस्त 2023 और 2025 के अलग-अलग महीनों में 15 स्टाफ नर्स और 2 लैब टेक्नीशियन की नियुक्तियां कीं, जबकि एनएचएम मुख्यालय पहले ही स्पष्ट कर चुका था कि मानव संसाधन से जुड़ी भर्तियां स्थानीय स्तर पर नहीं की जा सकतीं। इसके बावजूद ये नियुक्तियां स्थानीय स्तर पर ही की गई और इन कर्मचारियों को वर्ष 2023 से जून 2026 तक एनएचएम के माध्यम से वेतन भी मिलता रहा। इसको लेकर शासन ने सख्त कदम उठाया है। शासन ने जिला प्रशासन को न सिर्फ रकम वसूलने बल्कि पूरे मामले की तफ्तीश करने का भी आदेश दिया है। प्रशासन अब भर्ती में हुई गड़बड़ियों और जिम्मेदारी तय करने में लगा हुआ है। कर्मचारियों को दिए गए वेतन और भर्ती से जुड़े दस्तावेजों की भी पड़ताल की जा रही है। जांच के निष्कर्ष के आधार पर भर्ती के समय पदस्थ दोनों तत्कालीन सीएमएस से वसूली की कार्रवाई की जाएगी। दोनों अधिकारियों को नोटिस भेजकर लिखित जवाब देने को कहा गया है। प्रशासन ने भर्ती से जुड़े कागजात एकत्र करना शुरू कर दिए हैं और उस समय तैनात अन्य अधिकारियों से भी जानकारी मंगवाई जा रही है। प्रशासन ने 17 कर्मचारियों की भर्ती से संबंधित पूरी जानकारी मांगी है। भर्ती प्रक्रिया में शामिल अधिकारियों तथा संबंधित दस्तावेजों की जाँच चल रही है। शासन के निर्देश के बाद तय किया जाएगा कि नियमों की अवहेलना की ज़िम्मेदारी किस पर आती है और कर्मचारियों को दिए गए वेतन में से कितनी राशि वसूल की जानी है। डॉ. अशोक कुमार झा, सीएमएस

Gen-Alpha को सड़कों पर करना पड़ रहा संघर्ष' मायावती ने सरकार पर साधा निशाना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने सोशल मीडिया पर कहा कि यह बेहद दुख की बात है कि जिन मासूम बच्चों के हंसने-खेलने और पढ़ने-लिखने के दिन हैं, उन्हें प्रारंभिक स्कूली शिक्षा के लिए बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर भी सड़कों पर संघर्ष करने को मजबूर होना पड़ रहा है. बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) सुप्रीमो मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि जेन-अल्फा यानी साल 2013 के बाद जन्मे बच्चे-बच्चियों में और उनके माता-पिता में बेहतर भविष्य और अच्छी शिक्षा को लेकर चिंता है, लेकिन यूपी और उत्तर भारत के राज्यों में स्कूलों की बदतर हालत की जमीनी हकीकत के कारण वे लोग अब मुखर हो गए हैं. मायावती ने कहा कि वे लोग जेन-जी यानी कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के देशव्यापी 'स्कूल ठीक करो' अभियान में बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं. उन्होंने कहा कि यह बेहद दुख और चिंता की बात है कि जिन मासूम बच्चे-बच्चियों के हंसने-खेलने और पढ़ने-लिखने के दिन हैं, उन्हें प्रारंभिक स्कूली शिक्षा के लिए बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर भी सड़कों पर संघर्ष करने को मजबूर होना पड़ रहा है. मायावती ने एक्स पर कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के 'शिक्षित बनो' के आह्वान के कारण शिक्षा, खासकर स्कूली शिक्षा, 'बहुजन समाज' के लोगों के लिए हमेशा विशेष चिंता का विषय रही है. इसी के तहत यूपी में बीएसपी ने दबे-कुचले और शोषित-पीड़ित समाज के लोगों के हित, कल्याण और शिक्षा पर पूरा ध्यान दिया. उन्होंने आगे कहा कि यह बड़े दुख और चिंता की बात है कि सरकारी स्कूलों की व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में ध्यान देने के बजाय सभी सरकारों ने इसकी काफी हद तक अनदेखी की है. उन्होंने कहा कि इस पूरी शिक्षा व्यवस्था को इन वर्गों के आरक्षण की तरह ही निष्क्रिय बनाने का कुचक्र चलाया जा रहा है. इस प्रक्रिया में हजारों सरकारी स्कूल बंद भी किए जा रहे हैं, जिसका बीएसपी लगातार विरोध करती रही है. अब स्कूलों में भवन, शिक्षक, पेयजल, शौचालय और साफ-सफाई जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी को लेकर जेन-अल्फा भी मुखर होने के साथ-साथ आंदोलन कर रहे हैं.

यूपी में टॉपर रजनीश यादव से वसूली! डिग्रियां निरस्त, 1 लाख का इनाम और टैबलेट होगा जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। उत्तर प्रदेश संस्कृत बोर्ड की 12वीं की परीक्षा के टॉपर रजनीश यादव की डिग्रियां निरस्त कर दी गई हैं. अब टॉपर बनने पर दी गई सम्मान राशि भी वापस ली जाएगी. दरअसल, प्रतापगढ़ के आसपुर देवसरा के बैजलपुर निवासी रजनीश ने संस्कृत बोर्ड की 12 वीं की परीक्षा में टॉप किया तो उसे एक लाख रुपये की सम्मान राशि, टैबलेट, मेडल और प्रशस्तिपत्र दिए गए थे. बाद में उसके पड़ोसी जगत प्रसाद ने शिकायत की तो जांच में उसके पूर्व के शैक्षिक अभिलेख फर्जी पाए गए और जन्मतिथि के साथ नाम में भी फेरबदल किया. ऐसे में अब प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद के निदेशक प्रताप सिंह बघेल ने उसके पूर्व मध्यमा (हाई स्कूल) और उत्तर मध्यमा (इण्टरमीडिएट) के शैक्षिक डॉक्यूमेंट्स निरस्त कर दिया है. साथ ही पुरस्कार वापस लिए जाने के साथ सम्मान निधि राजस्व की भांति वसूल किए जाने का आदेश दिया है फिलहाल, यूपी संस्कृत बोर्ड 2026 के प्रदेश टॉपर रजनीश यादव पर मुकदमा दर्ज हो गया है. टॉपर पर धोखाधड़ी, कूटरचना और जालसाजी की संगीन धाराओं में केस दर्ज हुआ है. वहीं, सरकार अब उससे लैपटॉप और एक लाख रुपए की धनराशि वापस के लिए आलाधिकारी को पत्र लिखा है. आरोप है कि नाम और जन्मतिथि में हेरफेर करके प्रवेश लेकर परीक्षा दी गई. टॉपर के पड़ोसी जगत प्रसाद की शिकायत पर आसपुर देवसरा थाने में एक्शन हुआ है. राम टहल संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय यदुनाथपुर के छात्र ने 24 अप्रैल को घोषित रिजल्ट में 89.36 प्रतिशत अंकों के साथ प्रदेश टॉप किया था, जिसके बाद सीएम योगी ने भी उसे सम्मानित किया था. अब वही टॉपर कानूनी विवाद में घिर गया है.

प्रयागराज में उफान पर गंगा-यमुना, संगम की सड़कों पर चली नाव, लेटे हनुमान मंदिर तक पहुंचा पानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

प्रयागराज। गंगा और यमुना नदियों का जलस्तर में बढ़ोतरी और लगातार बारिश से पूरा संगम क्षेत्र जलमग्न हो गया है. संगम की सड़कों पर सामान्य दिनों में गाड़ियां चलती थीं, आज वहां नाव चल रही हैं. लोग सड़कों पर ही स्नान कर रहे हैं और पानी लेटे हनुमान मंदिर की बाउंड्री तक पहुंच चुका है. पंडित और तीर्थ पुरोहित अपना सामान सुरक्षित निकालकर ऊंचे स्थानों पर ले जा रहे हैं. साथ ही रेल पटरियों और यार्ड में पानी भरने के कारण पूर्वोत्तर रेलवे के रामबाग स्टेशन से चलने वाली चार पैसेंजर ट्रेनों का संचालन अस्थायी रूप से झूंसी स्टेशन पर ट्रांसफर कर दिया गया है. अभी दोनों नदियां खतरे के निशान के आसपास बह रही हैं, लेकिन जलस्तर ऐसे ही बढ़ता रहा तो निचले इलाकों में रहने वाले लोगों की समस्या और बढ़ सकती है. बाढ़ के पानी से आम लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. इसी तरह भारी बारिश के बाद शहर में जलभराव की स्थिति बनी हुई

इंदौर घूमने आई जर्मन महिला से छेड़छाड़, गांधी हॉल के चौकीदार पर केस, कोर्ट ने जेल भेजा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर में गांधी हॉल परिसर घूमने पहुंची जर्मनी की निवासी महिला के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है. महिला दिल्ली में रहती है और अपने साथी के साथ शहर घूमने आई थी. आरोप है कि परिसर में तैनात चौकीदार ने उस पर अशोभनीय टिप्पणियां कीं और आपत्तिजनक इशारे किए. शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. इंदौर के एमजी रोड थाना क्षेत्र में स्थित गांधी हॉल परिसर में यह घटना सामने आई. जर्मनी की मूल निवासी और फिलहाल दिल्ली में रहने वाली महिला अपने साथी के साथ एक दिन पहले शहर घूमने आई थी. दोनों गांधी हॉल परिसर में घूम रहे थे, इसी दौरान वहां ड्यूटी पर मौजूद चौकीदार दीपक ने महिला के साथ कथित तौर पर अभद्र व्यवहार किया. पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने महिला पर अशोभनीय टिप्पणियां कीं और छेड़छाड़ की नीयत से अश्लील इशारे भी किए. महिला ने जब इस व्यवहार का विरोध किया तो वहां मौजूद लोगों की भीड़ जमा हो गई. मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने महिला से घटना के संबंध में जानकारी ली. प्रारंभिक तौर पर महिला आरोपी के खिलाफ पुलिस शिकायत दर्ज कराने के पक्ष में नहीं थी. हालांकि, पुलिस ने उसे कानूनी कार्रवाई के बारे में समझाया और शिकायत दर्ज कराने के लिए राजी किया. इसके बाद महिला ने चौकीदार के खिलाफ लिखित शिकायत पुलिस को दी.

सागर में ऑनलाइन सट्टे का महा-खुलासा 2.96 करोड़ कैश और सोना बरामद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सागर। मध्य प्रदेश के सागर जिले में ऑनलाइन सट्टेबाजी के एक विशाल और संगठित नेटवर्क का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने सागर और भोपाल से जुड़े आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए लगभग 2 करोड़ 96 लाख रुपये की भारी-भरकम नकदी और करीब 30 लाख रुपये कीमत के सोने के आभूषण बरामद किए हैं। इस पूरे मामले में एक पंचर बनाने वाले व्यक्ति के बैंक खाते से जुड़े लेनदेन की शिकायत के बाद कड़ियां जुड़नी शुरू हुईं, जिसके बाद पुलिस ने इस बड़े सिंडिकेट का भंडाफोड़ कर दिया। मामले की शुरुआत तब हुई जब एक साधारण पंचर बनाने वाले व्यक्ति ने पुलिस से शिकायत की कि उसके बैंक खाते में अचानक करोड़ों रुपये का लेनदेन हो रहा है। इतनी बड़ी रकम के ट्रांजेक्शन से परेशान होकर उसने पुलिस की शरण ली। इसके बाद पुलिस ने बैंक खातों की तकनीकी जांच शुरू की और लेनदेन की कड़ियों को जोड़ते हुए मुख्य सट्टेबाजों तक पहुंचने में सफलता हासिल की। जांच में सामने आया कि आरोपी ऑनलाइन वेबसाइटों के जरिए लोगों को सट्टा खिलाते थे और सोशल मीडिया या अन्य ऑनलाइन माध्यमों से टिप्स भी देते थे। इसके अलावा, पैसों की जरूरत वाले बेरोजगार और कम पढ़े-लिखे लोगों को 500 से 1000 रुपये का लालच देकर उनके दस्तावेज लिए जाते थे, जिनका उपयोग बैंक खाते खुलवाने में किया जाता था। छोटे दुकानदारों के खातों का इस्तेमाल भी इस काले धन को ठिकाने लगाने के लिए किया जा रहा था। इस पूरे मामले का सबसे दिलचस्प और हैरान करने वाला पहलू आरोपियों की पृष्ठभूमि है। पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार किए गए अमित विश्वकर्मा और ऋषभ पटेल ने खुलासा किया कि वे नीट की तैयारी कर रहे थे।

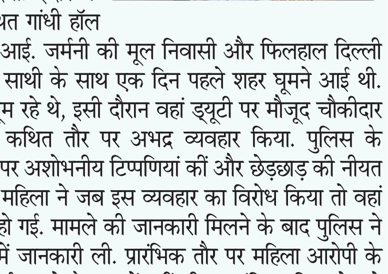

पहले कागज दिखाओ दिल्ली में CBI बनकर पहुंचे 10 लोग, महिला ने नहीं खोला गेट, VIDEO

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। रोहिणी इलाके में एक कारोबारी के घर उस वक्त हड़कंप मच गया, जब खुद को सीबीआई अफसर बताने वाले 8 से 10 लोग अचानक रेड मारने पहुंचे. इन लोगों ने घर में जबरन घुसने की कोशिश की, लेकिन अंदर मौजूद महिला की सूझबूझ से पूरा खेल बिगड़ गया. महिला ने गेट खोलने से साफ मना करते हुए सीधे कह दिया कि 'पहले अपनी आईडी और रेड करने का आधिकारिक कागज दिखाइए'. परिवार का कहना है कि यह पूरा ग्रुप करीब डेढ़ घंटे तक दरवाजे पर खड़ा रहा. वे लगातार अंदर आने का दबाव बना रहे थे. महिला अपने फैसले पर अड़ी रहीं और अंदर की कुंडी नहीं खोली. इसी बीच आसपास के पड़ोसी भी मौके पर जमा हो गए. जब पड़ोसियों ने भी उन लोगों से सर्च वारंट और ऑथराइजेशन लेटर दिखाने को कहा, तो मामला पूरी तरह संदिग्ध लगने लगा. शिकायत के अनुसार, घर पहुंचे लोगों ने CBI के लोगो (निशान) वाले कपड़े पहन रखे थे. वे गले में फर्जी पहचान पत्र भी लटकाए हुए थे. दबाव बनाने के लिए उन्होंने कारोबारी के पिता के मोबाइल पर व्हाट्सएप के जरिए एक नोटिस भेजा. इस नोटिस पर बाकायदा सीबीआई डायरेक्टर के नाम और कथित हस्ताक्षर भी थे. हालांकि कुछ ही देर बाद उन्होंने उस मैसेज को डिलीट कर दिया, लेकिन परिवार ने फौरन उसका स्क्रीनशॉट ले लिया था. जब घर वालों और पड़ोसियों ने उस नोटिस की हार्ड कॉपी सामने दिखाने की मांग की, तो संदिग्ध बहाना बनाने लगे. वे बोले कि कागज गाड़ी में रखा है और लेकर आते हैं. इसके बाद सभी लोग वहां से अपनी गाड़ी में बैठकर चुपचाप निकल भागे. उनके जाने के तुरंत बाद परिवार ने 112 नंबर डायल करके पुलिस को सूचना दी. पूरी घटना घर के आसपास लगे CCTV कैमरों में रिकॉर्ड हुई है. परिवार ने पुलिस से मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की है. पुलिस अब छ्व्छ्वञ्जङ्क फुटेज, WhatsApp पर भेजे गए नोटिस और दूसरे सबूतों की जांच कर रही है.

रिश्तों का दर्दनाक अंतः जिस बेटे के लिए अपनी जिंदगी लगाई, वही अंतिम विदाई में भी नहीं आया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। जिंदगी भर दूसरों की धड़कनें बचाने वाले एक डॉक्टर की अपनी ज़िंदगी की आखिरी धड़कन इतनी खामोशी में थमी कि खबर देने के लिए भी कोई अपना पास नहीं था। 70 वर्षीय अरविंद नाथ पाठक नौसेना में डॉक्टर रह चुके थे। वह कालकाजी के एन ब्लॉक में अकेले रहते थे। मौत के बाद पुलिस ने अमेरिका में रह रही उनकी पत्नी और उनके बेटे को सूचना दी, लेकिन दोनों अंतिम विदाई के लिए दिल्ली नहीं आए। जिस बेटे के लिए उन्होंने पूरी ज़िंदगी सपने बुने, वह पिता के आखिरी सफर में साथ नहीं था। आखिरकार भाई महेंद्र नाथ पाठक ने ही उन्हें कंधा दिया और अंतिम संस्कार किया। ज़िंदगी के आखिरी पड़ाव पर अकेले रह गए अरविंद, मौत के बाद भी अकेले ही रह जाते... अगर भाई आखिरी वक्त में उनके साथ खड़ा न होता। अरविंद नौसेना में डॉक्टर थे। बाद में कालकाजी में अपना क्लिनिक खोला। पर जिंदगी के किसी मोड़ पर वह नशे की गिरफ्त में चले गए। पुलिस के मुताबिक, उनकी इसी लत ने धीरे-धीरे उन्हें अपनों से दूर कर दिया। पत्नी और बेटा अमेरिका चले गए। पीछे रह गए अरविंद और उनका अकेलापन। डायबिटीज और अन्य बीमारियों से घिरे अरविंद की देखभाल के लिए भाई महेंद्र कभी-कभार आते थे।

घर से निकले, फिर लौट नहीं सके

12 अगस्त को महेंद्र ने कालकाजी थाने में भाई के लापता होने की शिकायत दी। पुलिस ने तलाश शुरू की। अगले दिन शाम अरविंद अपने ही इलाके में कूड़े के ढेर के पास अचेत मिले। पुलिस उन्हें अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने अमेरिका में रह रही पत्नी और बेटे से संपर्क किया। बेटे ने ई-मेल पर कहा कि शव उनके चाचा और चचेरे भाई को सौंप दिया जाए। पुलिस ने परिवार को अंतिम संस्कार के लिए भारत आने के लिए काफी मनाया, पर उन्होंने असमर्थता जताई। बाद में पोस्टमार्टम रिपोर्ट की जानकारी लेने के अलावा कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

टीकरी कलाCNG पंप ब्लास्टः लीकेज की अनदेखी बनी काल, परिजनों ने पंप मैनेजर पर उठे सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। टीकरी कलां के सीएनजी पंप पर हादसे में जिन 3 लोगों की मौत हुई और जो घायल हुए हैं, उनके परिवार के लोग पंप के मालिक और मैनेजर पर भी सवाल खड़ा कर रहे हैं। उनका कहना है कि हादसे के बाद उन लोगों ने मदद नहीं की। परिवार वाले को जैसे ही सूचना मिली, वे भागकर मौके पर पहुंचे और अपने-अपने घायल परिजनों को नजदीक के अस्पताल मुंडका, बहादुरगढ़ बॉर्डर और मंगोलपुरी इलाके में लेकर गए। उस समय तक न तो पुलिस पहुंची थी और न फायर ब्रिगेड की टीम ही आ पाई थी। हादसे में जान गंवाने वाले ब्रह्माजीत के रिश्तेदार परमवीर ने बताया कि किसी तरह उन्हें जानकारी मिली थी कि हादसा हो गया है। जब वह मौके पर पहुंचे तो देखा कि उनके परिवार का एक सदस्य मर चुका था, जबकि दूसरा बेहोशी की हालत में था। एक का तो सिर ही फट गया था। ब्रह्माजीत वहां 2 साल से पंप पर काम कर रहा था। भतीजे अक्षय को भी चोट लगी है, यहां पता चला कि पाइप लगते ही ब्लास्ट हो गया था। ब्रह्माजीत के भतीजे आदित्य ने बताया कि जब मौके पर पहुंचे तो घायल चाचा और चचेरे भाई को बहादुरगढ़ बॉर्डर पर जीवन ज्योति अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टर ने ब्रह्माजीत को मृत घोषित कर दिया, जबकि अक्षय की हालत गंभीर है। इसी हादसे में जान गंवाने वाले मनीष श्रीवास्तव के दोस्त आशीष श्रीवास्तव का कहना है कि उन्हें 15 दिन पहले मनीष ने बताया था कि यहां कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। क्योंकि पाइप में लीकेज है, लेकिन उस पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। ब्लास्ट के बाद मनीष का दायां हाथ पूरी तरह खत्म हो गया था। यदि समय पर अस्पताल ले जाते तो शायद जान बच जाती। मनीष के चाचा विजय प्रसाद ने बताया कि वह 3 साल से यहां काम कर रहा था। जब हादसा हुआ तो परिवार के लोग ही मौके पर पहुंचे और संजय गांधी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। ष्टहृत्र पंप ब्लास्ट में तीन की मौत CNG पंप पर ब्लास्ट में तीन की मौत का मामला परिजन बोले, पुलिस-फायर टीम के पहुंचने से पहले घायलों को खुद अस्पताल पहुंचाया। सीएनजी पंप पर सिलेंडर में जोरदार धमाके के मामले में आईजीएल की टीम ने भी जांच शुरू कर दी है। आईजीएल से मिली जानकारी के अनुसार, यह डीलर ऑपरेटेड सीएनजी पंप है। इसे आध्या एनर्जी ऑपरेट कर रही थी।

क्या BJP ने लिया यू-टर्न, 2027 की जनगणना में जातियों की गिनती पर कांग्रेस ने जताई चिंता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। भारत में दशकों बाद एक बार फिर पूरे देश में जनगणना के दौरान जातियों की गिनती करने की तैयारी चल रही है, लेकिन इस प्रक्रिया को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच राजनीतिक विवाद शुरू हो गया है. कांग्रेस का कहना है कि जनगणना 2027 में जातियों का नाम दर्ज करने के लिए पूर्व-निर्धारित सूची या 'ड्रॉप-डाउन मेनू' का इस्तेमाल किया जाना चाहिए, और सरकार द्वारा लोगों से सीधे खुला सवाल पूछकर जाति लिखने के फैसले का विरोध किया जा रहा है. कांग्रेस का आरोप है कि इस खुले तरीके से अन्य पिछड़ा वर्ग की सही संख्या सामने नहीं आ पाएगी और यह ओबीसी आबादी को कम दिखाने की एक 'गहरी साजिश' है. अपने दावों को सही साबित करने के लिए कांग्रेस ने केंद्र सरकार के ही 2011 के सामाजिक-आर्थिक और जाति जनगणना (2011) से जुड़े पुराने बयानों का सहारा लिया है, इसके अलावा, पार्टी का यह भी आरोप है कि जनगणना 2027 के फॉर्म से ओबीसी श्रेणी का विकल्प जानबूझकर हटाया गया है ताकि समुदाय की असली आबादी का पता न चल सके. 2021 में सुप्रीम कोर्ट में दिए गए एक हलफनामे में केंद्र ने कहा था कि एक कास्ट रजिस्ट्री और ड्रॉप-डाउन मेनू से आंकड़े अधिक सुसंगत हो सकते थे. राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने अब सवाल पूछा है कि जनगणना 2027 में उस प्रणाली का उपयोग क्यों नहीं किया जा रहा है जिसे सरकार ने खुद 'आदर्श' बताया था. उन्होंने बिहार और तेलंगाना का भी हवाला दिया, जहां पूर्व-निर्धारित जाति सूचियों और कोड्स का उपयोग किया गया था, और चेतावनी दी कि एक खुला प्रश्न फिर से अविश्वसनीय जातिगत आंकड़े पैदा कर सकता है. बिहार और तेलंगाना ने गिनती को अधिक सटीक बनाने के लिए अपने जाति सर्वेक्षणों में पूर्व-निर्धारित जाति सूचियों और कोड्स का उपयोग किया था. इसके अलावा, जातिगत आंकड़ों की सटीकता को लेकर चिंता सिर्फ कांग्रेस तक ही सीमित नहीं है. ऑल इंडिया OBC स्टूडेंट्स एसोसिएशन ने भी ओपन-एंडेड जाति कॉलम रखने की आलोचना की है. इस बीच, मंडल आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिरुद्ध सिंह विद्रोही ने एक राष्ट्रीय जाति मास्टर रजिस्ट्री, स्टैंडर्ड कोड और एक ही जाति की अलग-अलग स्पेलिंग और स्थानीय नामों को मैप करने के लिए एक सिस्टम बनाने की मांग की है. एक्टिविस्ट योगेंद्र यादव ने भी SECC 2011 में इस्तेमाल किए गए ओपन-एंडेड तरीके को दोहराने के खिलाफ चेतावनी दी थी. यह बहस ऐसे महत्वपूर्ण वक्त में सामने आई है, जब जनगणना 2027 स्वतंत्र भारत में पहली बार राष्ट्रीय स्तर पर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से इतर अन्य जातियों की गिनती करने के लिए तैयार है. जाति का यह सवाल ऐसे समय में भी सामने आया है, जब जाति और आरक्षण को लेकर प्रतिस्पर्धी नैरेटिव सड़कों और सोशल मीडिया पर वापस लौट आए हैं. इसलिए, चुनौती यह पक्का करने की है कि एक ही सामाजिक समूह के अलग-अलग नामों की पहचान करके उन्हें आखिर में एक साथ कोड किया जाए, ठीक इसी बात पर कांग्रेस ने आपत्ति जताई है. कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने केंद्र सरकार के 2021 वाले हलफनामे के पैराग्राफ 12(स्र) का हवाला दिया है. इस पैराग्राफ में लिखा थाः '2011 की जनगणना से पहले जातियों की कोई आधिकारिक सूची तैयार नहीं की गई थी. जातियों की सूची के लिए सबसे सही तरीका यह होता कि जातियों को चुनने के लिए 'ड्रॉप-डाउन मेनू' दिया जाता, इससे ऐसा डेटा मिल पाता जिस पर भरोसा किया जा सके. अब कांग्रेस ने सरकार के इसी पुराने जवाब को जनगणना 2027 के खिलाफ अपना सबसे बड़ा हथियार बना लिया है. जयराम रमेश ने सवाल उठाया- 'अब सवाल यह है कि जब मोदी सरकार ने सितंबर 2021 में सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हलफनामे में खुद 'ड्रॉप-डाउन मेनू' की सिफारिश की थी, तो जनगणना 2027 में यह विकल्प क्यों नहीं दिया जा रहा है? ' वहीं, कांग्रेस के राज्यसभा सांसद सैयद नासिर हुसैन ने सोशल मीडिया (ङ्ग) पर लिखा कि मोदी सरकार पहले जातिगत जनगणना के खिलाफ थी, फिर देश की जनता के दबाव में आकर उसने यू-टर्न लिया, लेकिन अब सही और विश्वसनीय तरीके से गिनती न करवाकर सरकार अपनी प्रतिबद्धता से पीछे हटती दिख रही है.

पुणे में 9 साल की बच्ची की रेप के बाद हत्या, 25 साल का पड़ोसी युवक गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। पाकिस्तान हाई कमीशन के बाहर लगी बाहरी सुरक्षा व्यवस्था भारत ने हटा दी है. यह कार्रवाई इस्लामाबाद में भारतीय हाई कमीशन के बाहर पार्किंग पोल हटाए जाने के तीन दिन बाद हुई. दोनों देशों के बीच पहले से जारी तनाव के बीच भारत के इस कदम को पाकिस्तान की कार्रवाई का सीधा जवाब माना जा रहा है. भारत ने दिल्ली में पाकिस्तान हाई कमीशन को मिलने वाली बाहरी सुरक्षा हटा दी है. हाई कमीशन के बाहर लगे ट्रैफिक बोलार्ड और बैरिकेड्स को बुलडोजर से हटा दिया गया है. यह कार्रवाई पाकिस्तान की तरफ से इस्लामाबाद में भारतीय हाई कमीशन के बाहर लगाए गए पार्किंग पोल हटाने के ठीक तीन दिन बाद हुई. ऐसे में भारत के इस कदम को पाकिस्तान की कार्रवाई का सीधा जवाब माना जा रहा है. दोनों देशों के रिश्ते पहले से ही तनावपूर्ण हैं. पिछले साल पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद दोनों देशों के बीच तनाव काफी बढ़ गया था. इस हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी. भारत ने इसके जवाब में ऑपरेशन सिंदूर चलाया था. इसके तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले इलाके में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया था. दोनों देशों के बीच सैन्य तनाव 10 मई को सीजफायर के बाद थमा था. भारत में अमेरिका के राजदूत और दक्षिण-मध्य एशिया के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत सर्जियो गोर के श्रीनगर दौरे ने भी पाकिस्तान की चिंता बढ़ा दी है. श्रीनगर में सर्जियो गोर ने जम्मू-कश्मीर को भारत का 'महत्वपूर्ण हिस्सा' बताया. उन्होंने कहा, 'यह भारत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसलिए मैं यहां पहली बार आया हूं. यह बेहद खूबसूरत जगह है. यहां आकर मैं बहुत खुश हूं अमेरिकी दूत ने गोर ने जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था में हुए सुधार की भी तारीफ की. उन्होंने कहा कि अमेरिका इस क्षेत्र के लिए जारी अपनी ट्रैवल एडवाइजरी की समीक्षा कर सकता है. उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार और जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने इलाके को सुरक्षित बनाने के लिए 'बेहतरीन कदम' उठाए हैं. सर्जियो गोर के बयान के बाद पाकिस्तान ने अमेरिकी अधिकारियों के सामने अपनी नाराजगी जताई. इस्लामाबाद में अमेरिकी चार्ज डी अफेयर्स नताली बेकर को पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने तलब किया और गोर के बयान पर आपत्ति दर्ज कराई.

भूत से डरीं 600 बच्चियां! अब नए हॉस्टल में होंगी शिफ्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अमरावती। महाराष्ट्र के अमरावती में एक सरकारी आवासीय स्कूल की करीब 600 छात्राएं हॉस्टल में भूत-प्रेत होने की बात से डरकर घर चली गईं. मामला 22 जुलाई को चार छात्राओं के अजीब व्यवहार से शुरू हुआ था. अब प्रशासन ने छात्राओं के लिए स्कूल परिसर में नया हॉस्टल तैयार किया है. उन्हें 1 सितंबर से यहां शिफ्ट किया जाएगा. दरअसल, अमरावती के डोमा स्थित स्कूल में 22 जुलाई को चार छात्राएं अचानक रोने लगीं, फिर जोर-जोर से हंसने लगीं. उनके इस तरह के व्यवहार से हॉस्टल में डर का माहौल बन गया. अधिकारियों को आशंका है कि इसके पीछे मानसिक तनाव हो सकता है., घटना के बाद छात्राओं और स्थानीय लोगों के बीच कई तरह की बातें फैलने लगीं. एक मान्यता थी कि स्कूल परिसर में मौजूद महुआ के पेड़ पर आत्माओं का वास था. पेड़ काटे जाने के बाद कुछ लोगों ने छात्राओं के व्यवहार को इससे जोड़ दिया. एक दूसरी धारणा स्कूल के पीछे बने स्थानीय देवता के मंदिर से जुड़ी थी. कहा गया कि स्कूल की नाली से मंदिर प्रभावित हुआ, जिससे देवता नाराज हो गए. तीसरी चर्चा पास के खेत में मारे गए एक आदिवासी युवक की आत्मा को लेकर थी. इन बातों के फैलने के बाद करीब 600 आदिवासी छात्र स्कूल छोड़कर अपने घर चले गए. इस आवासीय स्कूल में करीब 810 छात्र-छात्राएं पढ़ते हैं. अधिकारियों के मुताबिक, इस पूरे मामले में डर, तनाव, अंधविश्वास और स्थानीय मान्यताओं की भूमिका सामने आई है.

मनोवैज्ञानिक रिपोर्ट में क्या कहा गया?

मामले को लेकर तैयार मनोवैज्ञानिक रिपोर्ट में भी भूत-प्रेत से जुड़ी स्थानीय धारणाओं का जिक्र किया गया. रिपोर्ट ने इस असामान्य स्थिति को अंधविश्वास, डर, मानसिक तनाव और स्थानीय मान्यताओं से जोड़ा. गांव की कुछ महिलाओं में भी बाद में इसी तरह के मानसिक लक्षण दिखाई देने की बात कही गई. स्कूल परिसर में छात्राओं के लिए अलग नया हॉस्टल बनाया गया है. इसमें सभी छात्राओं को रखने के लिए बंक बेड की व्यवस्था की गई है. रिपोर्ट के मुताबिक, छात्राओं को 1 सितंबर से नए भवन में शिफ्ट किया जाएगा. इस बीच महाराष्ट्र अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने छात्राओं से मुलाकात कर उन्हें समझाया. उन्होंने बातचीत के जरिए बच्चों का डर कम करने की कोशिश की.

10,600 लीटर चोरी का पेट्रोल जब्त मुंबई-ठाणे राशनिंग विभाग का बड़ा एक्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे के मुंब्रा में राशनिंग विभाग ने करीब 10,600 लीटर संदिग्ध चोरी का पेट्रोल जब्त किया है. पेट्रोल से भरे टैंकर को भी कब्जे में लिया गया है. जब्त माल की कुल कीमत करीब 19.76 लाख रुपये बताई जा रही है. अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि पेट्रोल कहां से आया और इसके पीछे कौन है. मामला ठाणे के मुंब्रा इलाके का है. यहां मुंबई-ठाणे राशनिंग विभाग की टीम ने कलवा पुलिस के साथ मिलकर एक संदिग्ध टैंकर को पकड़ा. जब टैंकर की जांच शुरू हुई तो उसके अंदर पेट्रोल भरा मिला. टैंकर में करीब 10,600 लीटर पेट्रोल मौजूद था. सवाल था कि इतना पेट्रोल आखिर कहां से आया? और इसे कहां ले जाया जा रहा था? जांच के दौरान पेट्रोल की ढुलाई संदिग्ध पाए जाने पर विभाग ने पेट्रोल के साथ टैंकर को भी जब्त कर लिया. राशनिंग विभाग के मुताबिक, जब्त किए गए पेट्रोल और टैंकर की कुल कीमत करीब 19 लाख 76 हजार 600 रुपये है. यानी एक टैंकर में हजारों लीटर पेट्रोल और कीमत करीब 20 लाख रुपये. मामला इसलिए भी गंभीर है, क्योंकि इतनी बड़ी मात्रा में पेट्रोल की आवाजाही कोई छोटी बात नहीं है. अधिकारियों को शक है कि इसके पीछे पेट्रोल की चोरी या अवैध सप्लाई से जुड़ा कोई नेटवर्क हो सकता है. हालांकि अभी मामले की जांच चल रही है. यह कार्रवाई मुंबई-ठाणे राशनिंग विभाग के नियंत्रक चंद्रकांत डांगे के नेतृत्व में की गई. ठाणे रीजनल ऑफिस के डिप्टी कंट्रोलर भास्कर तायडे और उनकी टीम ने कलवा पुलिस के सहयोग से टैंकर की जांच की. जांच के बाद जब पेट्रोल की मात्रा सामने आई तो विभाग ने टैंकर को कब्जे में ले लिया. अब पेट्रोल के सोर्स और उसके ठिकाने की जानकारी जुटाई जा रही है. मामले में टैंकर के चालक और मालिक की भूमिका भी जांच के घेरे में है. राशनिंग विभाग की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, दोनों के खिलाफ कलवा पुलिस थाने में केस दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. पुलिस अब यह पता लगाएगी कि चालक को टैंकर लेकर कहां जाना था और पेट्रोल किस जगह से लोड किया गया था. टैंकर के दस्तावेजों और पेट्रोल से जुड़े कागजात की भी जांच की जा रही है. अब इस पूरे मामले का सबसे बड़ा सवाल यही है कि 10,600 लीटर पेट्रोल आखिर आया कहां से? अगर यह पेट्रोल चोरी का है तो चोरी कहां हुई? किस जगह से इसे टैंकर में भरा गया? और इसे किसे सप्लाई किया जाना था? इन सवालों के जवाब तलाशने के लिए पुलिस और राशनिंग विभाग के अधिकारी जांच कर रहे हैं. टैंकर की आवाजाही से जुड़े रिकॉर्ड भी जांचे जा सकते हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि वह पहले किन-किन जगहों पर गया था. एक टैंकर में इतनी बड़ी मात्रा में पेट्रोल मिलने के बाद जांच एजेंसियों को शक है .

लाडली योजना eKyc के नाम पर 92 लाख गरीब महिलाओं के नाम काटे, महाराष्ट्र पर कांग्रेस के विजय वडेट्टीवार का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इस धोखेबाज महायुति सरकार के लिए बोझ बन गई है। विजय वडेट्टीवार, कांग्रेस

मुंबई। कांग्रेस के सीनियर नेता विजय वडेट्टीवार ने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र में बीजेपी के नेतृत्व वाली महायुति सरकार ने चुनावी फायदे के लिए महिलाओं का इस्तेमाल किया और सत्ता में आने के बाद उन्हें छोड़ दिया। उन्होंने दावा किया कि राज्य सरकार की प्रमुख 'मुख्यमंत्री माझी लड़की बहिन योजना' से 92.10 लाख लाभार्थियों को हटा दिया गया है। ङ्ग पर एक पोस्ट में, कांग्रेस विधायक दल के नेता ने कहा कि ई-केवाईसी (द्ग-ञ्चङ्घष्ट) और वेरिफिकेशन के बाद लाभार्थियों की संख्या 2.48 करोड़ से घटकर 1.65 करोड़ हो गई है। राज्य सरकार ने पहले कहा था कि यह कमी मुख्य रूप से अधूरे ई-केवाईसी और आय से जुड़े नियमों की वजह से आई है। विजय वडेट्टीवार ने कहा कि एक व्हिसलब्लोअर एक्टिविस्ट ने इस बात की ओर ध्यान दिलाया था कि स्कीम से 92.10 लाख लाभार्थियों को हटा दिया गया है। उन्होंने सरकार के वेरिफिकेशन प्रोसेस को संभालने के तरीके पर सवाल उठाए। महायुति सरकार का असली और क्रूर चेहरा अब सबके सामने आ गया है! इस सरकार ने चुनावों के दौरान माताओं और बहनों का इस्तेमाल सिर्फ़ वोट पाने के लिए किया और सत्ता में आने के बाद उन्हें धोखा दिया! 'लाडकी बहिन योजना' अब

विजय वडेट्टीवार ने किए सवाल

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि गरीब महिलाओं को मदद नहीं दी गई, जबकि जो लोग कथित तौर पर इसके लिए योग्य नहीं थे, उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने पूछा कि स्कीम शुरू होने से पहले, इकोनॉमिक्स एंड स्टैटिस्टिक्स डायरेक्टरेट ने कहा था कि लगभग 2.47 करोड़ महिलाएं इसके लिए योग्य हैं। अगर सरकार ने अयोग्य लाभार्थियों की पहचान कर ली थी, तो उसने उन सरकारी कर्मचारियों के परिवारों से पैसे वसूलने की हिम्मत क्यों नहीं दिखाई, जिन्होंने कथित तौर पर इसका फायदा उठाया था? लाडकी बहिन योजना से हटाए गए नामों के कारण विजय वडेट्टिवार ने दावा किया कि e-KYC पूरा न करने की वजह से 62 लाख लाभार्थियों को हटाया गया, 16 लाख को आय की शर्तों को पूरा न करने के कारण, 4.42 लाख को इसलिए क्योंकि द्ग-ञ्चङ्घष्ट में उनके सरकारी कर्मचारी होने की जानकारी मिली थी, 2.5 लाख को इसलिए क्योंकि एक ही घर की दो से ज़्यादा महिलाओं को फायदा मिल रहा था, 1.8 लाख को इसलिए क्योंकि उनकी उम्र 65 साल से ज़्यादा थी, 1.7 लाख को शर्तों को पूरा न करने के कारण जिला स्तर पर हटाया गया, और 8,000 लोग सरकारी कर्मचारी पाए गए। महायुति सरकार ने विधानसभा चुनावों से पहले अगस्त 2024 में 'मुख्यमंत्री माझी लड़की बहिन योजना' शुरू की थी। इस योजना के तहत, आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्गों की 21 से 65 साल की पात्र महिलाओं को डायरेक्ट बेनिफ़िट ट्रांसफ़र के ज़रिए हर महीने 1,500 रुपये मिलते हैं, और यही योजना अब राजनीतिक विवाद का केंद्र बनी हुई है।

कर्फ्यू लगाया, फिर राहुल गांधी के छात्रों की गूंज इवेंट को पुणे पुलिस ने दी परमिशन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। पुलिस ने पुणे में 22 अगस्त के लिए प्रस्तावित राहुल गांधी के कार्यक्रम 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के लिए अनुमति दे दी है। इसके लिए 30 शर्तें तय की गई हैं। इन शर्तों में आपत्तिजनक चित्रों या बैनरों के प्रदर्शन पर रोक लगाई गई है। आयोजकों से यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि धार्मिक भावनाओं को ठेस न पहुंचे। पुलिस द्वारा जारी अनुमति के अनुसार, यह कार्यक्रम शहर में आरटीओ चौक के पास एसएसपीएमएस कॉलेज मैदान में शाम साढ़े चार बजे से रात साढ़े नौ बजे तक आयोजित होना तय हुआ है, जहां 8,000 से 10,000 लोगों के जुटने का अनुमान है। पुलिस द्वारा तय की गई 30 शर्तों में, आयोजकों को कोई भी आपत्तिजनक तस्वीर या बैनर न लगाने का निर्देश दिया गया है। अनुमति आदेश में कहा गया है कि यदि कोई अप्रिय घटना होती है और उससे कानून-व्यवस्था की स्थिति पैदा होती है, तो आयोजक इसके जिम्मेदार होंगे। परमिशन में कहा गया है कि कार्यक्रम के दौरान किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचनी चाहिए और यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी आयोजकों की होगी। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष मोहन जोशी ने कहा कि पुलिस ने कार्यक्रम की अनुमति दे दी है और आयोजक उनके द्वारा रखी गई सभी शर्तों का पालन करेंगे। उन्होंने कहा कि अनुमति देते समय पुलिस द्वारा कुल 30 शर्तें तय की गई हैं। अनुमति के तहत आयोजकों को पर्याप्त सुरक्षा, पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग व्यवस्था, पर्याप्त प्रवेश और निकास द्वार, पीने का पानी, शौचालय, अग्नि-सुरक्षा उपकरण और पार्किंग सुविधाएं सुनिश्चित करने की भी आवश्यकता है। पुलिस ने आयोजन स्थल पर फोटोग्राफी के लिए ड्रोन के इस्तेमाल पर भी रोक लगा दी है और आयोजकों को निर्देश दिया है कि पुलिस, चिकित्सा और अग्निशमन सेवाओं के लिए आपातकालीन पहुंच उपलब्ध रहे। यह अनुमति यातायात विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र मिलने पर निर्भर करेगी। पुलिस ने कहा कि कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने वाली किसी भी अवैध गतिविधि का पता चलने पर इसे किसी भी समय रद्द किया जा सकता है। अनुमति में यह भी कहा गया है कि यदि स्थान को लेकर कोई विवाद उत्पन्न होता है, तो अनुमति तुरंत रद्द कर दी जाएगी। इससे पहले जिला प्रशासन के अगले दो हफ्तों के लिए पुणे में कर्फ्यू लगा दिया था।

शुद्धिकरण मामले पर नेताओं के समर्थन नहीं देने से दुखी हुए खड़गे

खरगे ने सीडब्ल्यूसी बैठक में जताई नाराजगी

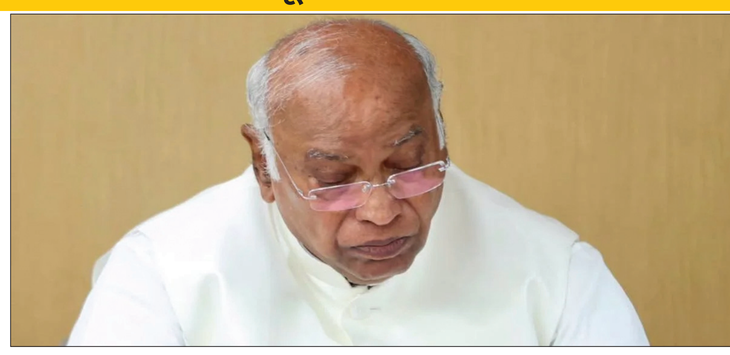

नई दिल्ली, एजेंसी।
कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की बुधवार को हुई बैठक में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने हल्द्वानी में कथित शुद्धिकरण मामले को लेकर पार्टी के कुछ नेताओं के रवैये पर नाराजगी जताई। बैठक में मौजूद लोगों के मुताबिक, खड़गे ने दुख जाहिर करते हुए कहा कि कार्य समिति के कई सदस्य खुलकर उनके समर्थन में नहीं आए और घटना की निंदा भी नहीं की। हालांकि, खड़गे की प्रतिक्रिया को लेकर पार्टी की ओर से आधिकारिक तौर पर कोई विस्तृत बयान नहीं दिया गया है।
बैठक में खरगे ने कथित तौर पर कहा कि उन्हें इस बात का दुख है कि सीडब्ल्यूसी के सदस्य, खासकर वे नेता जो लगातार मीडिया में सक्रिय रहते हैं, उन्होंने इस मामले पर खुलकर कुछ नहीं कहा। उन्होंने किसी नेता का नाम नहीं लिया, लेकिन यह संकेत जरूर दिया कि कुछ नेता पार्टी लाइन से हटकर बयान देते और लेख लिखते हैं। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बैठक के बाद कहा कि पार्टी ने हल्द्वानी में खरगे की सभा के बाद कथित तौर पर मंच के शुद्धिकरण की घटना का विरोध किया था और इसकी निंदा भी की थी। उन्होंने घटना को अस्वीकार्य बताया और भाजपा पर निशाना साधा। उनके मुताबिक, सीडब्ल्यूसी ने भी इस मामले की निंदा की है। यह मामला 12 अगस्त को खरगे के हल्द्वानी दौरे के बाद सामने आया था। खरगे ने रामलीला मैदान में सभा को संबोधित किया था। इसके बाद आरोप लगे कि उनके भाषण वाले मंच पर शुद्धिकरण अनुष्ठान कराया गया। उत्तराखंड कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने आरोप लगाया था कि शुद्धिकरण कराने वाला संगठन भाजपा से जुड़ा है और यह कार्रवाई खरगे के दलित समुदाय से आने के कारण की गई। भाजपा ने इन आरोपों से इनकार करते हुए संगठन से किसी भी तरह के संबंध से भी इनकार किया था। खरगे ने 13 अगस्त को राज्यसभा में भी इस मुद्दे को उठाया था। उन्होंने कहा था कि उनकी रैली के बाद मंच का हवन कर शुद्धिकरण किया गया और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। उन्होंने इस घटना को दुखद बताते हुए अपने संवैधानिक पद और विपक्ष के नेता होने का भी उल्लेख किया था। केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने भी घटना की निंदा करते हुए जांच की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि भाजपा इस तरह की गतिविधियों का समर्थन नहीं करती और मामले की तहकीकात कराई जाएगी। वहीं, भाजपा ने कांग्रेस पर राजनीतिक लाभ के लिए पार्टी की छवि खराब करने का आरोप लगाया था।

3 किलोवाट सौर संयंत्र से बिजली बिल हुआ शून्य, हितग्राही को मिली 1 लाख 8 हजार रूपए की सब्सिडी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने छुरिया विकासखंड के ग्राम कल्लूबंजारी निवासी खिलेश पटेल के घर पर प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत स्थापित 3 किलोवाट क्षमता के सौर ऊर्जा संयंत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सौर संयंत्र की स्थापना, बिजली उत्पादन, प्राप्त सब्सिडी तथा बिजली बिल में हुई बचत के संबंध में हितग्राही से जानकारी ली। खिलेश पटेल ने बताया कि उनके घर में लगभग तीन माह पूर्व 3 किलोवाट का सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया गया है। सौर संयंत्र स्थापना के लिए उन्हें केंद्र एवं राज्य शासन की ओर से कुल 1 लाख 8 हजार रूपए की सब्सिडी प्राप्त हो चुकी है। उन्होंने बताया कि सौर संयंत्र लगने से पहले उनके घर का मासिक बिजली बिल लगभग 1500 रूपए से 2 हजार रूपए तक आता था, जो अब शून्य हो गया है। उन्होंने योजना से बिजली खर्च में हुई बचत पर प्रसन्नता व्यक्त की। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से प्राप्त लाभ की सराहना करते हुए श्री पटेल को ऊर्जा दूत के रूप में अपनी सहभागिता निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि वे अपने अनुभव एवं योजना से हुए लाभ की जानकारी गांव के अन्य लोगों के साथ साझा करें तथा अधिक से अधिक ग्रामीणों को अपने घरों में सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कराने के लिए प्रेरित करें। कलेक्टर ने कहा कि पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से परिवारों को बिजली बिल में आर्थिक राहत मिलने के साथ ही स्वच्छ एवं नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा मिल रहा है।

दिग्विजय क्लब को शासन द्वारा खेल-कूद एवं मनोरंजन हेतु आंबटित जगह में व्यवसायिक निर्माण कैसे हो गया है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। शहर कांग्रेस कमेटी के पूर्व महामंत्री एवं पूर्व पार्षद हेमंत ओस्तवाल ने एक पत्र के माध्यम् से राजनांदगाँव जिले के कलेक्टर से यह मांग की है कि संस्कारधानी नगरी राजनांदगाँव में दिग्विजय क्लब को शासन द्वारा नजूल विभाग की जगह खेल-कूद एवं मनोरंजन हेतु जिन उद्देश्यों को ध्यान में रखकर शासन द्वारा आबंटित की गई थी और शासन द्वारा जो जगह दिग्विजय क्लब के नाम से आबंटित की गई उस जगह पर समिति के सदस्यों एवं पदेन अध्यक्ष शासन द्वारा निर्धारित अधिकारी नियुक्त होता है, शासन द्वारा जो जगह दिग्विजय क्लब के नाम से आबंटित की गई उस जगह पर समिति के सदस्यों एवं पदेन अध्यक्ष शासन द्वारा निर्धारित अधिकारी नियुक्त होता है,लेकिन दिग्विजय क्लब के जिन सदस्यों के द्वारा शासन के नियम विरूद्ध कार्य करवाकर व्यवसायिक कॉम्प्लेक्स का जो निर्माण नगर पालिक निगम कार्यालय के बाजू खैरागढ़ रोड़ पर जो निर्माण किया गया, उस पूरे व्यवसायिक कॉम्प्लेक्स के निर्माण से संबंधित क्लब के सदस्यों एवं अधिकारियों के द्वारा जो व्यवसायिक कॉम्प्लेक्स बनाने से संबंधित प्रस्ताव जिन सदस्यों ने हस्ताक्षर किया है और जिन सदस्यों ने उक्त निर्माण सें संबंधित अपना विरूद्ध दर्ज करवाया है उससे संबंधित सम्पूर्ण क्लब की कार्यालयीन मिनट बुक (रजिस्टर) में जो निर्णय पास हुआ है,

राजीव गांधी की भूमिका भारत को आधुनिक, समृद्ध और सशक्त बनाने में अहम रही : रक्षामंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व पीएम राजीव गांधी की जयंती पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उनको श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि भारत की विकास यात्रा में राजीव गांधी का भी अहम योगदान रहा है। रक्षा मंत्री ने एक्स पर लिखा कि भारत के पूर्व पीएम राजीव गांधी की जयंती पर मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। पूर्व पीएम राजीव गांधी की भूमिका भारत को आधुनिक, समृद्ध और सशक्त राष्ट्र बनाने में अहम रही। उन्होंने सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत को विश्व में वर्तमान स्थान दिलाया और इसीलिए उन्हें भारत में सूचना प्रौद्योगिकी का जनक कहा जाता है। पूर्व पीएम राजीव गांधी की जयंती को हर साल सद्भावना दिवस के रूप में मनाया जाता है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी समेत कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने राजीव गांधी की समाधि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने सोशल मीडिया पर लिखा- पूर्व पीएम राजीव गांधी ने भारत के निर्माण और तरक्की के लिए आधुनिक तकनीक और नए विचारों को अपनाने में विश्वास जताया। इसके लिए यह बेहद जरूरी था कि युवाओं की भागीदारी और उनकी प्रतिभा को विकसित करने के लिए समुचित व्यवस्था और अवसर प्रदान किए जाएं। पायलट ने लिखा- अपनी दूरदर्शिता से उन्होंने देश में आधुनिकरण की नई परिभाषा गढ़ी। कंप्यूटर और दूरसंचार क्रांति के विस्तार जैसे अहम फैसलों ने देश को नई ऊंचाई तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। आज उनकी जयंती पर उन्हें हृदय की गहराइयों से नमन करता हूं। वहीं कांग्रेस सांसद पवन खेड़ा ने एक्स पर लिखा- राजीव गांधी न केवल भारत के प्रधानमंत्री थे बल्कि युवाओं के सबसे बड़े समर्थकों में से एक थे, एक ऐसे नेता जिनका मानना ??था कि युवा भारतीय न केवल भविष्य हैं बल्कि वे शक्ति हैं जो एक आधुनिक राष्ट्र का निर्माण करेंगे। आधुनिक, तकनीकी रूप से उन्नत और आर्थिक रूप से सशक्त भारत का उनका विजन कांग्रेस पार्टी के लिए प्रेरणा और जिम्मेदारी है।

वंदे मातरम: 1937 में हुई कांग्रेस की बैठक में लिए गए फैसले को ही मानेगी पार्टी

-बीजेपी बोली- कांग्रेस आज की नई मुस्लिम लीग बन गई

नई दिल्ली, एजेंसी।
वंदे मातरम पर जारी सियासी बवाल के बीच कांग्रेस वर्किंग कमेटी ने इसके दो छंद ही गाने का प्रस्ताव पास किया है। कांग्रेस का कहना है कि उनके लिए वंदे मातरम भावनात्मक मुद्दा है जबकि बीजेपी के लिए ये राजनीतिक मुद्दा है। वहीं बीजेपी ने इस फैसले पर कड़ी आपत्ति जताई है। पार्टी अध्यक्ष नितिन नबीन ने कहा कि कांग्रेस आज की नई मुस्लिम लीग बन गई है। वंदे मातरम में कुल 6 छंद हैं, लेकिन कांग्रेस का कहना है कि पार्टी 1937 में हुई कांग्रेस की बैठक में लिए गए फैसले को ही मानेगी। उसने हालिया कानून पर कड़ी आपत्ति जताई है।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि दो छंद को लेकर 28 अक्टूबर 1937 को रवींद्रनाथ टैगोर के सुझाव पर महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और मौलाना आज़ाद की मौजूदगी में सीडब्ल्यूसी की बैठक में वंदे मातरम पर एक प्रस्ताव पारित किया गया था। सीडब्ल्यूसी की आज की बैठक में उस प्रस्ताव पर चर्चा हुई...कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने पुराने प्रस्ताव का एक हिस्सा भी पढ़कर सुनाया। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर कोई विवाद नहीं है। इसे जानबूझकर मुद्दा बनाया जा रहा है, जबकि आज असली मुद्दे युवा, परीक्षाएं, चंदा चोरी और विदेश नीति की विफलता हैं। रमेश ने कहा कि हमारा रुख पहले दिन से ही साफ रहा है कि 28 अक्टूबर 1937 को हमारे पहले राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद ने कहा था कि राष्ट्रगान जन गण मन... होगा और वंदे मातरम हमारा राष्ट्रगीत होगा।

छात्र प्रदर्शनों पर सीएम योगी सख्त, निगरानी के लिए नोडल अफसर तैनात

लापरवाही पर तय होगी अफसरों की जवाबदेही

लखनऊ, एजेंसी।
उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कई जिलों में शिक्षण संस्थानों की अव्यवस्थाओं, शिक्षकों की कमी और कुप्रबंधन को लेकर छात्रों के प्रदर्शन को गंभीरता से लिया है। लखनऊ, आजमगढ़, महोबा, हमीरपुर और उन्नाव समेत कई जिलों में सामने आई समस्याओं पर नाराजगी जताते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तत्काल समाधान के निर्देश दिए हैं। साथ ही शिक्षण संस्थानों की निगरानी के लिए मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।
मुख्यमंत्री के निर्देश पर बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा, उच्च शिक्षा, तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा, समाज कल्याण और श्रम विभाग के तहत आने वाले शिक्षण संस्थानों की अलग-अलग नामित अधिकारियों के जरिए निगरानी की जाएगी। जहां भी व्यवस्थाओं में कमी या शिकायत सामने आएगी, उसका प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराया जाएगा। लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को चिह्नित कर उनकी जवाबदेही तय की जाएगी। सर्वोदय विद्यालयों में 1 अप्रैल से नया शैक्षणिक सत्र शुरू होने के बावजूद शिक्षकों की तैनाती में देरी को भी सरकार ने गंभीरता से लिया है। शिक्षकों की नियुक्ति के लिए जून में विज्ञापन जारी करने की प्रक्रिया में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को चिह्नित करने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि पठन-पाठन में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।
मुख्य सचिव एसपी गोयल ने सभी मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को स्कूलों से संबंधित सोशल मीडिया पोस्ट पर नजर रखने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारियों को ऐसे मामलों की तत्काल जांच कर अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स के माध्यम से तथ्यात्मक जवाब देने को कहा गया है। इसका उद्देश्य भ्रामक सूचनाओं पर रोक लगाने के साथ वास्तविक समस्याओं का समय पर समाधान सुनिश्चित करना है। इसके अलावा बेसिक और माध्यमिक विद्यालयों में अवस्थापना सुविधाओं को बेहतर करने, साफ-सफाई बनाए रखने और छात्रों व अभिभावकों से नियमित संवाद स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं। बारिश के मौसम को देखते हुए स्कूलों में जलभराव और स्वच्छता से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए ब्लॉक स्तर पर भी आवश्यक कदम उठाने को कहा गया है।

राधा की रसोई में मिले जिंदा चूहे, कॉकरोच व गंदगी, टीम ने किया फूड लाइसेंस निलंबित

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में बाहर खाना खाने वाले लोगों के लिए खाद्य सुरक्षा पर सवाल महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) की जांच के बाद उठ रहे हैं। एफडीए की जांच में मलाड पश्चिम स्थित होटल राधा की रसोई में ऐसी खामियां सामने आईं, जिनके बाद उसका फूड बिजनेस लाइसेंस निलंबित कर दिया गया है। बताया जाता है कि एफडीए ने राधा की रसोई होटल में 18 अगस्त को छापा मारा था। होटल पर छापेमारी करने पहुंचे अधिकारियों को रसोई में जिंदा चूहे और कॉकरोच मिले थे, रसोई के नाले खुले और खराब हालत में मिले, जिससे कीड़े-मकोड़ों के साथ ही चूहों के लिए भी सीधे प्रवेश का रास्ता था। रिपोर्ट के मुताबिक एफडीए अधिकारियों ने खाना तैयार करने वाले उपकरणों पर भी कॉकरोच पाए गए। किचन में तेल और ग्रीस की मोटी परतें, पानी जमा होने से बदबू, गंदे काउंटर और बर्तनों के साथ-साथ खाद्य सामग्री के स्टोरेज में भी लापरवाही पाई गई। निरीक्षण में खुले डस्टबिन के ऊपर टोस्टर रखा मिला, वहीं कुछ खाद्य सामग्री धूल और गंदगी के बीच रखी थी। कई बर्तनों में जंग के निशान भी पाए गए यानी समस्या केवल सफाई की नहीं, बल्कि उस पूरे सिस्टम की थी जिसमें खाना तैयार करने के साथ ही स्टोर किया जा रहा था। होटल राधा के मामले में एफडीए ने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए निर्माण, भंडारण, बिक्री और वितरण से जुड़ी गतिविधियों को तत्काल रोकने का आदेश दिया। रिपोर्ट के मुताबिक महाराष्ट्र में खाद्य सुरक्षा को लेकर इस समय कार्रवाई तेज हुई है। हाल की जांच में मुंबई और महाराष्ट्र के कई होटल, रेस्टोरेंट और अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों में गंभीर स्वच्छता संबंधी खामियां पाई गई हैं। हालिया कार्रवाई में 31 प्रतिष्ठानों की जांच में करीब 25 लाख रुपए के खाद्य उत्पाद जब्त किए गए और पांच के लाइसेंस निलंबित किए। अब सवाल यह है कि जिन रसोइयों में ग्राहक के लिए खाना तैयार होता है, वहां रोजमर्रा की सफाई और खाद्य सुरक्षा की निगरानी कितनी गंभीरता से की जाती है।

मणिपुर में 20 से 22 अगस्त तक बंद रहेंगे सभी स्कूल-कॉलेज

कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए सरकार का फैसला, परिसीमन और एनआरसी के मुद्दे पर 48 घंटे की हड़ताल जारी

इंफाल, एजेंसी।
मणिपुर सरकार ने राज्य में मौजूदा कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए सभी स्कूल, कॉलेज और उच्च शिक्षण संस्थानों को 20 से 22 अगस्त तक बंद रखने का आदेश जारी किया है। शिक्षा विभाग की ओर से बुधवार को जारी आदेश में सरकारी, सहायता प्राप्त और गैर-सहायता प्राप्त सभी शिक्षण संस्थानों को इस अवधि में बंद रखने की घोषणा की गई है।
आदेश के मुताबिक, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, उच्चतर माध्यमिक शिक्षा परिषद, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) या अन्य बोर्ड से संबद्ध स्कूलों के साथ-साथ कॉलेजों और विश्वविद्यालयों पर भी यह आदेश लागू होगा। सरकार ने यह निर्णय राज्य में बनी मौजूदा परिस्थितियों और कानून-व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए लिया है। इस बीच, राज्य में जनगणना प्रक्रिया शुरू होने से पहले राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) को अपडेट करने और परिसीमन प्रक्रिया को लेकर 'कैम्पेन फॉर जस्ट एंड फेयर डीलिमिटेशन' (जेएफडी) की ओर से बुलाई गई 48 घंटे की आम हड़ताल बुधवार को दूसरे दिन भी जारी रही। घाटी के विभिन्न जिलों में प्रदर्शनकारियों ने रैलियां निकालीं और कई स्थानों पर नेताओं के पुतले जलाए।

सरकारी कार्यालयों के बहिष्कार का ऐलान

जेएफडी ने अपने आंदोलन को आगे बढ़ाते हुए गुरुवार से सरकारी कार्यालयों के बहिष्कार का आह्वान किया है। संगठन की मांग है कि जनगणना से पहले राष्ट्रीय नागरिक पंजी को अपडेट किया जाए और परिसीमन की प्रक्रिया को लेकर उचित एवं न्यायपूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इंफाल पूर्व जिले के खुरई लामलोंग इलाके में प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री वाई. खेमचंद सिंह और गृह मंत्री गोविंददास कोंथौजम के पुतले जलाए। इसके अलावा घाटी के अन्य हिस्सों में भी प्रदर्शन और रैलियां आयोजित की गईं। राज्य में जारी आंदोलन और कानून-व्यवस्था से जुड़ी परिस्थितियों के बीच सरकार के स्कूल-कॉलेज बंद रखने के फैसले से शैक्षणिक गतिविधियां तीन दिन तक प्रभावित रहेंगी। प्रशासन की ओर से स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

चेन्नई में अमित शाह ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय से की मुलाकात

-31वीं क्षेत्रीय परिषद बैठक से पहले हुई मुलाकात, अंतरराज्यीय मुद्दों और क्षेत्रीय सहयोग पर जोर

कानपुर, एजेंसी।
चेन्नई,(ईएमएस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को चेन्नई में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय से मुलाकात की। मई में मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद दोनों नेताओं के बीच यह पहली आधिकारिक मुलाकात बताई गई है। यह बैठक दक्षिणी राज्यों के मुख्यमंत्रियों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों की 31वीं क्षेत्रीय परिषद बैठक से ठीक पहले हुई। बैठक में केंद्र और राज्यों के बीच सहयोग बढ़ाने तथा लंबे समय से लंबित अंतरराज्यीय मुद्दों के समाधान पर चर्चा होने की संभावना है।
अमित शाह ने मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा कीं। क्षेत्रीय परिषद की बैठक की अध्यक्षता गृह मंत्री करेंगे, जबकि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री मेजबान राज्य के मुख्यमंत्री के तौर पर इसमें शामिल होंगे। बैठक में आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और तेलंगाना के मुख्यमंत्री तथा पुडुचेरी, अंडमान-निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप के उपराज्यपाल एवं प्रशासक हिस्सा लेने की उम्मीद है।
बैठक में विभिन्न राज्यों के बीच नदी जल बंटवारे से जुड़े विवाद प्रमुख मुद्दों में शामिल रहेंगे। इनमें कर्नाटक-तमिलनाडु, तेलंगाना-आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु-केरल के बीच पानी के बंटवारे से जुड़े मामले शामिल हैं। इसके अलावा आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम के प्रावधानों, क्षेत्रीय विकास और केंद्र की विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन पर भी विचार-विमर्श होने की संभावना है।

नई जंग- भारत-पाकिस्तान के बीच दूतावास के बाहर बने ढांचे तोड़ने की होड़

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत और पाकिस्तान के बीच नई जंग शुरु हो गई है। नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी दूतावास के बाहर बने अनाधिकृत ढांचों और अतिक्रमण पर बुल्डोजर चलाकर उसकी सफाई की गई। इससे पहले पाकिस्तान ने इस्लामाबाद स्थित भारतीय दूतावास के पास बने कुछ निर्माण कार्यों को हटाया था। इस तरह दोनों देशों के बीच ढांचा हटाओ की होड़ लगी हुई है।
ये ढांचे हाई कमीशन के वीजा सेक्शन के पास और निर्धारित परिसर की सीमा से बाहर बताए जा रहे हैं। संबंधित एजेंसियों ने कार्रवाई करते हुए इन संरचनाओं को साफ कर दिया। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध बेहद तनावपूर्ण हैं। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले इस्लामाबाद स्थित भारतीय हाई कमीशन के बाहर लगे पार्किंग पोल पाकिस्तान ने हटा दिए थे। ऐसे में दिल्ली में हुई कार्रवाई को उसी का जवाब माना जा रहा है। हालांकि भारतीय कार्रवाई का आधिकारिक आधार अनधिकृत निर्माण और अतिक्रमण बताया गया है।भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने पर दोनों देश पहले भी एक-दूसरे के राजनयिक मिशनों से जुड़ी सुविधाओं पर प्रशासनिक कदम उठाते रहे हैं। इनमें राजनयिक कर्मचारियों की संख्या घटाना, आवाजाही सीमित करना और मिशन से जुड़ी सुविधाओं पर प्रतिबंध शामिल रहे हैं। ताजा घटनाक्रम को भी इसी सिलसिले की कड़ी के रूप में देखा जा रहा है।

रिश्तों में तनाव की बड़ी वजह आतंकवाद

दोनों देशों के संबंधों में मौजूदा तनाव की प्रमुख वजह सीमा पार आतंकवाद है। अप्रैल 2025 में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद स्थिति और बिगड़ गई थी। इसके बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। जवाबी कार्रवाई के बाद दोनों देशों के बीच गंभीर सैन्य तनाव पैदा हुआ और बाद में संघर्ष विराम हुआ। ऑपरेशन सिंदूर के बाद दोनों देशों के संबंध सामान्य नहीं हो सके हैं। व्यापार और आवाजाही सीमित हैं, जबकि वीजा व्यवस्था और राजनयिक मिशनों की गतिविधियां भी पहले की तुलना में काफी कम हो गई हैं।
भारत ने 1960 की सिंधु जल संधि को भी स्थगित रखा है। नई दिल्ली का कहना है कि पाकिस्तान जब तक सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ ठोस कदम नहीं उठाता, तब तक संधि पर यही स्थिति रहेगी। हालांकि दोनों देशों के बीच सैन्य स्तर पर संपर्क पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। तनाव को नियंत्रित करने के लिए दोनों देशों के डीजीएमओ के बीच संपर्क बना हुआ है। भारत का स्पष्ट रुख है कि आतंकवाद और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकते। ऐसे में पाकिस्तान हाई कमीशन के बाहर हुई ताजा कार्रवाई को केवल अतिक्रमण हटाने की प्रशासनिक कार्रवाई के बजाय मौजूदा भारत-पाक तनाव के व्यापक संदर्भ में भी देखा जा रहा है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 628, निफ्टी 153 अंक उछला

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार में गुरुवार को तेजी लौटी। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। इससे पिछले एक सप्ताह से जारी गिरावट थम गयी।

आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 628.04 अंक बढ़कर 77,537.72 पर और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 153.55 अंक या बढ़कर 24,231.85 पर बंद हुआ।

आज बीएसई में 2448 शेयर उछले जबकि 1876 शेयर गिरे जबकि 225 शेयरों में अंतर नहीं आया। आज निफ्टी में सबसे अधिक बढ़त वाले शेयरों में कोटक महिंद्रा बैंक, बजाज फाइनेंस, आईटीसी और श्रीराम फाइनेंस शामिल रहे जबकि गिरावट वाले शेयरों में हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, टाटा कंज्यूमर, इंटरग्लोब एविएशन और नेस्ले शामिल रहे। आज सभी सेक्टर के इंडेक्स बढ़त के साथ बंद हुए; मीडिया इंडेक्स और रियल्टी इंडेक्स उछला, जबकि ऑटो, एफएमसीजी, फार्मा, आईटी, प्राइवेट बैंक और इंफ्रा इंडेक्स में बढ़त रही। निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में बढ़त रही।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार में गुरुवार को जोरदार वापसी देखने को मिली। सेंसेक्स और निफ्टी हरे निशान में खुले

और शुरुआती कारोबार में मजबूत बढ़त दर्ज की। सुबह सेंसेक्स 550 अंकों से अधिक उछलकर 77,400 के स्तर को पार कर गया, जबकि निफ्टी भी 24,200 के ऊपर कारोबार कर रहा था। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार अमेरिकी बाजारों में तीन दिन की लगातार गिरावट के बाद आई रिकवरी और एशियाई बाजारों में व्यापक तेजी ने घरेलू बाजार के लिए सकारात्मक माहौल तैयार किया।

हालांकि, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें अभी भी बाजार के लिए चिंता का विषय बनी हुई हैं।

डॉलर में कमजोरी से सोने और चांदी में जोरदार उछाल

सोना 283 की तेजी के साथ 1,58,279 रुपए, चांदी 2,41,167 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली।

सोने और चांदी की कीमतों में गुरुवार को जोरदार तेजी देखने को मिली। कमजोर होते डॉलर, वैश्विक बॉन्ड यील्ड में नरमी और सुरक्षित निवेश की बढ़ती मांग ने बहुमूल्य धातुओं को मजबूत समर्थन दिया। घरेलू एमसीएक्स और अंतरराष्ट्रीय कॉमेक्स बाजारों में सोने-चांदी की शुरुआत तेजी के साथ हुई। घरेलू मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने और चांदी दोनों के वायदा भाव में मजबूती दर्ज की गई। खबर लिखे जाने तक सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रैक्ट 283 रुपये की तेजी के साथ 1,58,279 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। यह 1,58,008 रुपये पर खुला था और दिन के दौरान 1,58,300 रुपये का उच्च स्तर छुआ। इस साल सोने ने 1,80,779 रुपये प्रति 10 ग्राम का सर्वोच्च स्तर छुआ था। वहीं चांदी का सितंबर कॉन्ट्रैक्ट 3,513 रुपये की जोरदार उछाल के साथ 2,40,300 रुपये प्रति किलोग्राम पर था। यह 2,38,500 रुपये पर खुला था और दिन के उच्च स्तर 2,41,167 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंचा। चांदी ने इस साल 4,20,048 रुपये प्रति किलोग्राम का उच्चतम स्तर छुआ था। अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर भी सोने और चांदी के वायदा भाव में तेजी बनी रही। सोना 7.20 डॉलर की बढ़त के साथ 4,552.50 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रहा था, जबकि यह 4,580 डॉलर प्रति औंस पर खुला था। सोने ने इस साल 5,586.20 डॉलर प्रति औंस का सर्वोच्च स्तर बनाया था। चांदी का वायदा भाव भी 1.47 डॉलर की तेजी के साथ 67.30 डॉलर प्रति औंस पर था। यह 67.08 डॉलर पर खुला था और इस साल 121.79 डॉलर प्रति औंस का उच्चतम स्तर छू चुका है।

भारतीय दोपहिया निर्यात को मिली रफ्तार, 27 में 20 फीसदी तक उछाल संभव

अफ्रीकी मांग में सुधार, नए बाजारों में विस्तार से मिलेगा सहारा

नई दिल्ली भारतीय दोपहिया वाहन निर्यात में वित्त वर्ष 27 के दौरान 15 से 20 प्रतिशत की सालाना वृद्धि मिलने की संभावना है। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च (इंड-रा) के मुताबिक, यह लगातार तीसरा साल होगा जब निर्यात में बढ़ोतरी दर्ज होगी। इसका श्रेय अफ्रीकी मांग में सुधार और लैटिन अमेरिका व दक्षिण पूर्व एशिया में भारतीय कंपनियों के बढ़ते विस्तार को जाता है। पिछले वित्त वर्ष 26 में निर्यात 23 प्रतिशत बढ़कर 51.8 लाख वाहनों के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, जिसने वित्त वर्ष 22 का पिछला रिकॉर्ड पीछे छोड़ा। वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में भी 37 प्रतिशत की वृद्धि के साथ यह रफ्तार जारी रही। इंड-रा का मानना है कि यह वृद्धि चक्र लंबे समय तक चलेगा। भारतीय निर्माताओं ने भौगोलिक मौजूदगी और वितरण नेटवर्क मजबूत किए हैं, साथ ही बाजार के अनुरूप वाहन भी पेश किए हैं। कोलंबिया, मेक्सिको और ब्राजील जैसे नए बाजार अब शीर्ष 10 निर्यात गंतव्यों में शामिल हैं, जिससे उद्योग की अफ्रीका पर निर्भरता घटी है। अफ्रीका के मुख्य बाजारों में भी महंगाई घटने और विदेशी मुद्रा उपलब्धता बढ़ने से मांग बढ़ रही है। नाइजीरिया जैसे प्रमुख बाजारों में सुधार दिखने लगा है। श्रीलंका द्वारा आयात पाबंदियों में ढील देने से भी निर्यात को अतिरिक्त बढ़ावा मिल रहा है।

एशियाई बाजारों में तेजी के साथ कारोबार

मुंबई।

एशिया-प्रशांत बाजारों में गुरुवार को अच्छी तेजी देखने को मिली। दक्षिण कोरिया का कॉस्पी करीब 6 फीसदी उछल गया, जबकि जापान का निक्केई 225 करीब 1.3 फीसदी चढ़ा। अमेरिकी बाजारों में भी बुधवार को तेजी रही। डाओ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज 0.22 फीसदी और एसएंडपी 500 0.21 फीसदी ऊपर बंद हुए। वहीं नैस्डैक कम्पोजिट में 0.16 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई।

रुपया गिरावट के साथ 92.78 पर बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 2 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.75 पर बंद हुआ। वहीं इससे पहली आज सुबह

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.57 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद 95.56 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 17 पैसे की बढ़त है। रुपया बुधवार को लगभग स्थिर कारोबार करता हुआ एक पैसे की मामूली बढ़त के साथ 95.73 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 फीसदी की गिरावट के साथ 98.82 पर आ गया। अमेरिकी डॉलर में कमजोरी से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी कोष द्वारा लंबी अवधि के सरकारी बॉन्ड की पुनर्खरीद दोगुनी करने की घोषणा के बाद डॉलर सूचकांक मई के अंत के बाद के सबसे निचले स्तर पर आ गया। इससे अमेरिका में लंबी अवधि के बॉन्ड पर प्रतिफल दर्ज नीचे आई और डॉलर की प्रतिफल संबंधी बढ़त कम हुई। इसके अलावा, फेडरल रिजर्व द्वारा आगे ब्याज दरों में बढ़ोतरी की उम्मीद कम होने से भी डॉलर पर दबाव है।

केकेआर ने बुकमाईशो में किया निवेश

भारतीय मनोरंजन क्षेत्र को मिलेगी नई उड़ान

नई दिल्ली । प्रमुख वैश्विक निवेश फर्म केकेआर ने भारत के सबसे बड़े ऑनलाइन टिकट प्लेटफॉर्म बुकमाईशो में अल्पमत हिस्सेदारी खरीदने का समझौता किया है। यह कदम भारतीय मनोरंजन उद्योग को एक महत्वपूर्ण बढ़ावा देगा और बुकमाईशो को अपनी अगली विकास यात्रा को तेज करने में मदद करेगा। इस रणनीतिक निवेश का मुख्य उद्देश्य कंपनी के लाइव एंटरटेनमेंट सेगमेंट का विस्तार और पूरे भारत में सेवाओं को मजबूत करना है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, केकेआर लगभग 4-5 करोड़ डॉलर में बुकमाईशो की 6% हिस्सेदारी ले रही है। 2007 में बिग्ट्री एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा स्थापित बुकमाईशो, 700 से अधिक शहरों में भारत का अग्रणी मनोरंजन गंतव्य है। केकेआर का यह निवेश भारत के तेजी से बढ़ते मनोरंजन क्षेत्र और बुकमाईशो की भविष्य की क्षमता में उसके गहरे विश्वास को दर्शाता है। कंपनी मानती है कि बढ़ती खर्च क्षमता, विशाल युवा आबादी और विश्व स्तरीय लाइव अनुभवों की मांग इस वृद्धि को और गति देगी। इस सौदे के लिए एवेंडस कैपिटल ने वित्तीय सलाहकार के रूप में और ट्राइलीगल ने कानूनी सलाहकार के रूप में काम किया। केकेआर में एक हिस्सेदार ने इस निवेश पर टिप्पणी करते हुए कहा कि बुकमाईशो भारत में बेहतरीन मनोरंजन अनुभव देने में अग्रणी रही है। हम इसके विकास में सहयोग करके खुश हैं, जो भारत के आउट-ऑफ-होम मनोरंजन क्षेत्र में एक नए अध्याय की शुरुआत करेगा।

खाद्य ब्रांड्स ने एफएसएसएआई के आदेश पर 100 फीसदी शुद्धता के दावे हटाए

एमवे, इमामी समेत छह कंपनियों ने पैकेजिंग, लेबल व विज्ञापनों से हटाए भ्रामक दावे

नई दिल्ली ।

उपभोक्ताओं को गुमराह करने वाले भ्रामक दावों पर भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने सख्ती दिखाते हुए एमवे इंडिया, इमामी और बॉन बिस्किट्स सहित छह बड़ी खाद्य कंपनियों को अपने उत्पादों की पैकेजिंग, लेबल और विज्ञापनों से 100 प्रतिशत जैसे शब्दों को हटाने का निर्देश दिया है। नियामक के हस्तक्षेप के बाद इन कंपनियों ने सुधारात्मक कदम उठाए हैं। एफएसएसएआई ने खाद्य कारोबार परिचालकों (एफबीओ) को 100 प्रतिशत जैसे भ्रामक दावे इस्तेमाल करने से रोकने का निर्देश दिया था, क्योंकि ऐसे दावे अक्सर उत्पादों की वास्तविक गुणवत्ता या सामग्री को सही ढंग से नहीं दर्शाते।

एफएसएसएआई के मुताबिक, बॉन बिस्किट्स ने अपने बॉन क्यूमिन फ्लेवर जीरा बाइट बिस्किट्स से यह दावा हटा दिया है, जबकि इमामी लिमिटेड ने झंडू शहद और एपिस इंडिया ने अपने शहद उत्पादों से ऐसे दावे हटाए हैं। एमवे इंडिया एंटरप्राइजेज ने अपने

100 प्रतिशत शुद्ध नारियल तेल के दावे को पैकेजिंग और प्रचार सामग्री से स्वेच्छा से हटा लिया है और पुराने स्टॉक की बिक्री भी रोक दी है। इसके अतिरिक्त, केरल की जुजा फूड्स ने अपने विभिन्न बेबी फूड उत्पादों से और मास्टरचॉव फूड्स प्राइवेट लिमिटेड ने रैमेन नूडल से भी 100 प्रतिशत के दावे हटा दिए हैं।

पुराने वाहन मालिकों को राहत! सरकार ई10 पेट्रोल वापस लाने पर कर रही विचार

ई20 से प्रभावित पुराने वाहनों के लिए समाधान पर विचार, तेल कंपनियों से चर्चा शुरू

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार पुराने वाहन मालिकों को राहत देने के लिए मौजूदा ई20 पेट्रोल के साथ, ई20 अनुकूल न होने वाले वाहनों के लिए ई10 पेट्रोल को फिर से बाजार में लाने की संभावना पर विचार कर रही है। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन के सुझाव के बाद इस मुद्दे पर तेल कंपनियों से शुरुआती बातचीत शुरू हुई है। यह कदम खासकर उन लाखों पुराने वाहनों को ध्यान में रखकर उठाया जा रहा है जो ई20 के लिए डिज़ाइन नहीं हुए हैं। भारत ने तय समय से पहले 20 फीसदी इथेनॉल मिश्रण (ई20) का लक्ष्य हासिल कर इसे प्रमुख ईंधन बनाया है। हालांकि, इससे पुराने कार और दोपहिया वाहन मालिकों में चिंताएं बढ़ी हैं। उनका कहना है कि ई20 पेट्रोल से उनके वाहनों का माइलेज कम हो सकता है और इंजन में दीर्घकालिक परेशानियां पैदा हो सकती हैं। इसी वजह से ई10 पेट्रोल को एक वैकल्पिक ईंधन के तौर पर फिर से उपलब्ध कराने की मांग तेज हुई है। सरकार के सामने सबसे बड़ी

चुनौती ई10 और ई20 दोनों ग्रेड के ईंधन के लिए अलग से आपूर्ति और वितरण व्यवस्था बनाना है। पेट्रोल पंपों पर अतिरिक्त भंडारण क्षमता और परिवहन नेटवर्क का प्रबंधन एक महंगा और जटिल काम हो सकता है, जिसे सरकार पहले भी स्वीकार कर चुकी है। अधिकारियों का मानना है कि कम इथेनॉल मिश्रण वाला ई10 पुराने वाहनों के लिए बेहतर विकल्प है और इंजन के पुर्जों को नुकसान नहीं पहुंचाएगा।

एलआईसी अब एचडीएफसी बैंक में बढ़ा सकेगा 9.99 फीसदी तक हिस्सेदारी

मौजूदा 4.11 फीसदी हिस्सेदारी को बढ़ाकर लगभग 10 फीसदी तक ले जाने का रास्ता साफ

नई दिल्ली ।

देश के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बीमाकर्ता भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से एक महत्वपूर्ण मंजूरी मिली है। आरबीआई ने एलआईसी को निजी क्षेत्र के दिग्गज एचडीएफसी बैंक में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 9.99 प्रतिशत तक करने की अनुमति दे दी है। इस खबर के सामने आते ही गुरुवार को एचडीएफसी बैंक के शेयरों में 1 फीसदी से अधिक का उछाल दर्ज किया गया। एचडीएफसी बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि आरबीआई ने 19 अगस्त 2026 के पत्र के जरिए एलआईसी को यह मंजूरी दी है। वर्तमान में एलआईसी के पास बैंक की कुल शेयर पूंजी का 4.11 प्रतिशत हिस्सा है। इस अनुमति से एलआईसी अब अपनी हिस्सेदारी को बढ़ाकर 9.99 प्रतिशत तक कर सकेगा। एलआईसी ने इसके लिए आरबीआई के पास आवेदन किया था। यह मंजूरी कुछ नियामक शर्तों के अधीन है, जिनमें बैंकिंग विनियमन अधिनियम 1949, आरबीआई के निर्देश, विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा), 1999 और सेबी के नियम शामिल हैं। एलआईसी देश के सबसे बड़े संस्थागत निवेशकों में से एक है, इसलिए यह मंजूरी काफी अहम है।

सरकार ने चीनी स्टॉक सीमा घटाई, अब 15 दिन ही रख सकेंगे डीलर

1 सितंबर से लागू होगा नया नियम, जमाखोरी पर लगेगी रोक

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में चीनी की लगातार बढ़ती कीमतों और आगामी त्योहारी सीजन में संभावित भारी मांग के मद्देनजर सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। अब थोक डीलर और बड़े खरीदार 15 दिन से ज्यादा चीनी का स्टॉक अपने पास नहीं रख सकेंगे। यह सख्त नियम 1 सितंबर से लागू होकर 30 नवंबर तक प्रभावी रहेगा, जिसका मुख्य उद्देश्य बाजार में चीनी की उपलब्धता सुनिश्चित करना और उसकी कीमतों को नियंत्रण में रखना है। भारत दुनिया में चीनी का सबसे बड़ा उपभोक्ता है, और गणेश चतुर्थी, दशहरा व दिवाली जैसे बड़े त्योहारों के कारण अगस्त से नवंबर के बीच चीनी की मांग अपने चरम पर होती है। इस अवधि में न सिर्फ घरों में बल्कि बिस्कुट, मिठाई और अन्य खाद्य कंपनियों में भी भारी मात्रा में चीनी खरीदती हैं। ऐसे में, सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि बाजार में पर्याप्त चीनी उपलब्ध रहे और जमाखोरी के कारण कीमतों में अनावश्यक वृद्धि न हो। पहले भी सरकार ने स्टॉक रखने की सीमा 30 दिन की थी, लेकिन कीमतों में तेजी जारी रहने के बाद अब इसे और घटाकर 15 दिन कर दिया गया है। यह नियम उन डीलरों पर लागू होगा जो एक महीने में 10 मीट्रिक टन से ज्यादा चीनी का कारोबार या इस्तेमाल करते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले एक महीने में चीनी की कीमतें करीब 10 प्रतिशत बढ़ी हैं और रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं। उद्योग के आंकड़ों के अनुसार, मौजूदा औसत एक्स-मिल कीमत 5,400-5,500 रुपये प्रति क्विंटल है, जो एक साल पहले 3,900 रुपये थी। वहीं खुदरा बाजार में भी ग्राहकों को इसका असर दिख रहा है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के मुताबिक, 18 अगस्त को चीनी की औसत खुदरा कीमत 52.30 रुपये प्रति किलो थी, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 46.34 रुपये थी, यानी सालाना आधार पर लगभग 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। नई फसल का सीजन 1 अक्टूबर से शुरू होगा, लेकिन शुरुआती स्टॉक को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। अनुमान है कि नए सीजन की शुरुआत में लगभग 40-42 लाख टन चीनी उपलब्ध होगी, जबकि देश की घरेलू जरूरत करीब 50 लाख टन रहने का अनुमान है। कुछ इलाकों में कम बारिश से गन्ने की फसल प्रभावित होने की खबर भी उत्पादन को लेकर चिंता बढ़ा रही

एसबीआई ने बल्क एफडी पर घटाई ब्याज दरें, छोटी अवधि के निवेश पर असर

3 करोड़ या उससे अधिक की जमा राशि पर प्रभाव, रिटेल एफडी दरें अपरिवर्तित

नई दिल्ली

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने 3 करोड़ रुपये या उससे अधिक की घरेलू बल्क टर्म डिपॉजिट (एफडी) पर ब्याज दरों में कटौती की घोषणा की है, जो अब प्रभावी हो चुकी हैं। यह बदलाव मुख्य रूप से छोटी अवधि की जमाओं को प्रभावित करेगा, जबकि 3 करोड़ रुपये से कम की सामान्य रिटेल एफडी अपरिवर्तित रहेंगी। बैंक ने 7 से 179 दिनों की बल्क एफडी पर ब्याज दर में 25 बेसिस पॉइंट (0.25 फीसदी) और 180 से 210 दिनों की अवधि वाली एफडी पर 10 बेसिस पॉइंट (0.10 फीसदी) की कटौती की है। हालांकि, 211 दिन से 10 साल तक की लंबी अवधि वाली बल्क एफडी दरों में कोई बदलाव नहीं हुआ है, जिससे इन अवधियों के निवेशकों को राहत मिलेगी। यह कटौती वरिष्ठ नागरिकों की बल्क एफडी पर भी लागू होगी, जहां समान अवधि (7-210 दिन) के लिए ब्याज दरों में समान कमी की गई है। नई दरें ताजा जमा के साथ-साथ परिपक्वता के बाद होने वाले नवीनीकरण पर भी प्रभावी होंगी। निवेशकों को ध्यान देना चाहिए कि बल्क एफडी की समय से पहले निकासी पर एक फीसदी की पेनल्टी लागू होगी। यह स्पष्ट किया गया है कि 3 करोड़ रुपये से कम की सामान्य एसबीआई रिटेल एफडी पर इन बदलावों का कोई असर नहीं पड़ा है।

सामान्य ग्राहकों के लिए रिटेल एफडी की ब्याज दरें 3.05 फीसदी से 6.40 फीसदी तक और वरिष्ठ नागरिकों के लिए 3.55 फीसदी से 7.05 फीसदी तक बनी हुई हैं।

शेयर बाजार में अंतिम दौर का खेल, सेबी ने पकड़ी 3.68 करोड़ की सेंसेक्स हेराफेरी

क्लोजिंग ऑक्शन सेशन में नकली ऑर्डर लगाकर सेंसेक्स को हिलाया, एफएंडओ से कमाए करोड़ों

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने शेयर बाजार में एक बड़ी हेराफेरी का पर्दाफाश किया है। 13 अगस्त को सेंसेक्स की एक्सपायरी के दिन, दो कंपनियों - कॉन्फ्लॉन मॉरीशस इन्वेस्टमेंट और मानसी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकिंग - ने नए क्लोजिंग ऑक्शन सेशन (सीएएस) का इस्तेमाल कर सेंसेक्स के अंतिम भाव को जानबूझकर प्रभावित करने की कोशिश की।

सेबी की जांच में सामने आया है कि इस सुनियोजित चाल से उन्हें वायदा और विकल्प (एफएंडओ) कारोबार में लगभग 3.68 करोड़ रुपये का अवैध फायदा हुआ। सीएएस एक 20 मिनट का अंतिम सत्र होता है, जिसमें शेयरों का क्लोजिंग भाव तय होता है, जिसका सीधा असर सेंसेक्स पर पड़ता है। सेबी के मुताबिक, कॉन्फ्लॉन ने सेंसेक्स में शामिल शेयरों में करीब 126 करोड़ रुपये के खरीद ऑर्डर लगाए, जो बाजार भाव से लगभग 3 फीसदी अधिक थे।

इन बड़े ऑर्डरों से सेंसेक्स में कुछ ही सेकंड में सैकड़ों अंकों का उछाल आया। हालांकि, आश्चर्यजनक रूप से, बड़े ऑर्डर लगाने के बाद इनमें से 98.12 करोड़ रुपये के ऑर्डर रद्द कर दिए गए। एक मौके पर सेंसेक्स सिर्फ 2 सेकंड में 362 अंक और 28 सेकंड में 405 अंक तक ऊपर-नीचे हुआ। दूसरी ओर, मानसी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकिंग ने ठीक उल्टा खेल खेला। इसने सेंसेक्स के 8 शेयरों में 12.65 लाख शेयरों के बड़े बिक्री ऑर्डर बाजार भाव से काफी नीचे लगाए। इन ऑर्डरों का उद्देश्य शेयरों के संभावित अंतिम भाव पर नीचे का दबाव बनाना था। कॉन्फ्लॉन की तरह, मानसी ने भी बाद में इन बड़े बिक्री ऑर्डरों को रद्द कर दिया। सेबी का मानना है कि इन कंपनियों का मकसद शेयर खरीदना-बेचना नहीं, बल्कि सेंसेक्स के अंतिम भाव को प्रभावित करके एफएंडओ सौदों से लाभ कमाना था, खासकर एक्सपायरी के दिन जब अंतिम स्तर बेहद महत्वपूर्ण होता है।

सेबी ने कॉन्फ्लॉन द्वारा कमाए गए 2.96 करोड़ रुपये और मानसी द्वारा कमाए गए 71.65 लाख रुपये के कथित गलत फायदे का अनुमान लगाया है। इस खुलासे के बाद बाजार नियामक ऐसे जोड़तोड़ पर पैनी नजर रख रहा है।

पाकिस्तान ने अमेरिका से किया 10 अरब डॉलर की मदद का अनुरोध

पारंपरिक ऋण से हटकर बाजार को सकारात्मक संकेत देने का प्रयास, वार्ता जारी

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तान ने अपनी विदेशी मुद्रा स्थिति को मजबूत करने और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों का भरोसा जीतने के लिए अमेरिका से 10 अरब डॉलर की एक्सचेंज स्टैबिलाइजेशन सपोर्ट फैसिलिटी का अनुरोध किया है। वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने एक साक्षात्कार में यह जानकारी दी, जिसमें बताया गया कि अमेरिकी वित्त मंत्रालय से बातचीत जारी है, हालांकि अभी तक कोई समझौता नहीं हुआ है। औरंगजेब ने स्पष्ट किया कि यह पहल पारंपरिक ऋण या कर्ज हासिल करने के बजाय विदेशी मुद्रा स्थिरता को मजबूत करने और वैश्विक पूंजी बाजारों को सकारात्मक संकेत देने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि यह देश को बाजार में जाने में मदद करेगा। पाकिस्तान हाल के वर्षों में बाहरी भुगतान दबावों का सामना कर रहा है और 2023 में डिफॉल्ट के करीब पहुंच गया था, लेकिन आईएमएफ और द्विपक्षीय साझेदारों की मदद से बचा।

देश फिलहाल 7 अरब डॉलर के आईएमएफ कार्यक्रम पर काम कर रहा है। वित्त मंत्री ने बताया कि यह कदम मित्र देशों से अल्पकालिक कर्ज पर निर्भरता कम करके लंबी पुनर्भुगतान अवधि वाले बाजार-आधारित वित्तपोषण की ओर बढ़ने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। सरकार अपनी संप्रभु रेटिंग सुधारने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों के साथ भी काम कर रही है, जिसका लक्ष्य कम से कम बी प्लस रेटिंग हासिल करना है। बेहतर रेटिंग से पाकिस्तान के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजारों से कर्ज लेना आसान और सस्ता होगा। इस्लामाबाद को सितंबर के अंत तक अमेरिका से इस अनुरोध पर प्रतिक्रिया मिलने की उम्मीद है।

पंचतत्वों पर आधारित खानपान रखे स्वस्थ

पंचतत्व अर्थात् पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश। हमें अपने खानपान में प्रतिदिन इन पांचों तत्वों का भी सेवन करना चाहिए। ऐसा होने पर हम अधिकाधिक स्वस्थ व सक्रिय रह सकेंगे।

वायु – सांस के माध्यम से हर प्राणी वायु ग्रहण करता है। बाकी तत्वों को कुछ समय या कुछ दिन के लिए छोड़ा जा सकता है, पर वायु को नहीं। जो लोग अनशन या उपवास करते हैं, वे भी अन्न, फल, सब्जी या जल आदि छोड़ देते हैं, पर वायुसेवन नहीं। एक समय आहार लेने वाले संन्यासी भी वायुसेवन तो प्रतिक्षण करते ही हैं। अर्थात् पंचतत्व में से वायु प्राणियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

यह वायु व्यक्ति को शुद्ध एवं प्राकृतिक रूप में पर्याप्त मात्रा में मिले, यह भी आवश्यक है। जो लोग बड़े शहरों में या उद्योगों के पास रहते हैं, उन्हें शुद्ध वायु नहीं मिल पाती। इसीलिए इन दिनों नये-नये रोग लगातार बढ़ रहे हैं। अब तो बड़े नगरों में शुद्ध ऑक्सीजन के बूथ खुलने लगे हैं, जहां पैसे देकर व्यक्ति दस-पन्द्रह मिनट शुद्ध प्राणवायु ले सकता है। जैसे आजकल हर व्यक्ति अपने साथ साफ पानी की बोतल रखने लगा है, लगता है कुछ समय बाद लोग प्राणवायु के छोटे सिलेंडर भी साथ लेकर चला करेंगे। ताजी और शुद्ध प्राणवायु प्राप्त करने की नि:शुल्क विधि प्रात:कालीन भ्रमण है। सूर्योदय होने पर पेड़ों द्वारा रात में उत्सर्जित कार्बन डायआक्साइड वायुमंडल में चली जाती है। ऐसे शीतल और शांत वातावरण में अकेले या सपरिवार घूमना शुद्ध वायु ग्रहण करने का सबसे सरल उपाय है।

केवल घूमना ही नहीं, तो इस समय कुछ आसन, व्यायाम और प्राणायाम करना भी बहुत लाभदायक है। सुबह की ही तरह शाम का भ्रमण भी बहुत लाभकारी है। इन दोनों समय पर दिन और रात का मिलन होता है। इसके सदुपयोग से हम अपने शरीर तथा मन को स्वस्थ रख सकते हैं। बच्चों और युवाओं को तो शाम के समय पढ़ने की बजाय खेलना ही चाहिए।

चाहे कोई स्वयं वाहन न चलाता हो, पर प्रदूषित वायु सेवन करना तो उसकी भी मजबूरी ही है। इसलिए जहां सार्वजनिक यातायात व्यवस्था का बहुत अच्छा होना जरूरी है, वहां दस-बीस कदम जाने के लिए वाहन निकालने की आदत भी छोड़नी होगी। पेड़ों को कटने से बचाकर तथा परिवार के हर सदस्य के नाम पर एक पेड़ लगाकर हम प्रदूषण नियंत्रण में सहयोग दे सकते हैं।

जल– वायु की ही तरह जल भी व्यक्ति की प्राथमिक आवश्यकता है। किसी समय बहता पानी निर्मला कहकर नदियों का जल सर्वाधिक शुद्ध माना जाता था, पर अब नगरों के सीवर, कारखानों के अपशिष्ट, समय-समय उसमें विसर्जित की जाने वाली रासायनिक रंगों से पुती मूर्तियों तथा अन्य कूड़े करकट के कारण नदियां आचमन योग्य भी नहीं रह गयी हैं। अब तो सब जगह कुछ घंटों के लिए सरकारी पानी मिलता है। वह कितना शुद्ध होता है, कहना कठिन है। पानी साफ और भरपूर मिले, इसके लिए निजी बोरिंग कराने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जिनके लिए यह संभव नहीं है, उन्होंने भी घरों में फिल्टर लगा लिये हैं। इनसे एक लीटर पानी साफ होने के चक्कर में चार लीटर पानी नाली में बह जाता है। शहरीकरण का अर्थ ही है, बिजली और पानी का अत्यधिक प्रयोग। अत: जल का स्तर लगातार नीचे जा रहा है।

विद्वानों का मत है कि अगला विश्व युद्ध जल के कारण होगा। इसका सत्य तो भविष्य बताएगा पर नलों पर हर दिन डिब्बे और कनस्तर लिये लोगों को झगड़ते हुए कोई भी देख सकता है। मंगल आदि ग्रहों पर जाने वाले यान भी वहां सबसे पहले पानी की ही तलाश कर रहे हैं। इसके बाद भी लोगों का ध्यान इस ओर नहीं है। जो कार दो बाल्टी पानी में धोई जा सकती है, उसे दो हजार लीटर साफ पानी से धोते हुए लोग प्राय: मिल जाते हैं। हम वर्षा जल का संरक्षण कर तथा पानी को व्यर्थ न जाने देकर भी इस दिशा में अपना व्यक्तिगत सहयोग दे सकते हैं। हम साफ पानी पिएं, यह तो आवश्यक है ही पर कितना पिएं, इस बारे में अलग-अलग मत हैं। फिर भी एक व्यस्क व्यक्ति को दिन भर में आठ-दस गिलास पानी तो पीना ही चाहिए। सुबह उठकर कुल्ला-मंजन के बाद तांबे के साफ पात्र में रखा पानी भरपेट पीना बहुत लाभ देता है। तांबा जल की अधिकांश अशुद्धियां दूर कर देता है। सर्दियों में पानी को गुनगुना कर लें, तो और अच्छा रहेगा।

आकाश– आकाश की पहचान खालीपन या शून्यता है। घटाकाश और मठाकाश जैसी कल्पनाएं इसी में से आई हैं। आकाश में कोई भी चीज फेकें, खाली होने के कारण वह मना नहीं करता। वायु और अंतरिक्ष यान इसीलिए आकाश में निर्द्वन्द उड़ते हैं। किसी पात्र के खाली होने का अर्थ है कि उसमें आकाश तत्व विद्यमान है पर जब उसमें कोई वस्तु डालते हैं, तो वह हट जाता है। ऐसी शून्यता हम अपने पेट को बिल्कुल खाली रखकर प्राप्त कर सकते हैं। अत: प्रात: शौचादि से निवृत्त होने के बाद लगभग दो घंटे तक पेट को अवकाश दें। इससे जहां भोजन पचाने वाली इंद्रियों को आराम तथा अपनी टूट-फूट ठीक करने का समय मिलेगा, वहां हमें आकाश तत्व भी प्राप्त होगा। व्रत और उपवास आकाश तत्व की प्राप्ति का अवसर कुछ अधिक समय तक प्रदान करते हैं। इनका भरपूर उपयोग करना चाहिए पर इस नाम पर दिन में कई बार पेट में गरिष्ठ चीजें ठूंसते रहना शुद्ध पाखंड है।

पृथ्वी– पृथ्वी हमें अन्न, दाल और सब्जियां आदि देती है। अत: इनके सेवन से हमें पृथ्वी तत्व की प्राप्ति होती है पर इन्हें कच्चा नहीं खा सकते। इन्हें आग पर पकाकर तथा आवश्यकतानुसार कुछ अन्य मिर्च-मसाले डालकर प्रयोग किया जाता है। इनका सेवन कितना और कितनी बार करें, इसका कोई मापदंड नहीं है। शारीरिक परिश्रम करने वाले किसान या मजदूर तथा कार्यालय में बैठकर काम करने वाले की आवश्यकता अलग-अलग होगी। उन्हें उसी अनुसार इनका सेवन करना चाहिए। ऐसा न होने पर जहां एक ओर तोंद वाले, तो दूसरी ओर दुबले-पतले लोग सर्वत्र घूमते मिलते हैं।

अग्नि–
अग्नि का स्रोत सूर्य है। सर्दियों में तो सीधे धूप में लेटना या बैठकर काम करना अच्छा लगता है। गर्मियों में भी अपने काम के सिलसिले में घूमते-फिरते धूप लगती रहती है। इससे अग्नि तत्व अपने आप ही मिल जाता है। जो लोग दिन भर वातानुकूलित वातावरण अर्थात् एसी वाले घर, कार्यालय और कार में रहते हैं, उनके शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। इसलिए थोड़े से परिश्रम या मौसम बदलने मात्र से ही ये लोग बीमार होकर बिस्तर पकड़ लेते हैं। भीषण गर्मियों में जहां लू से बचना आवश्यक है, वहां धूप से डरना भी अनुचित है।

जहां तक खानपान की बात है, तो सूर्य की ऊर्जा से पके हुए फल और सलाद आदि के सेवन से अग्नि तत्व भरपूर मात्रा में प्राप्त होता है पर इनका सेवन सूर्यकाल में ही करना चाहिए। अर्थात् सूर्यास्त के बाद इन्हें खाना ठीक नहीं है। इसी तर्ज पर कुछ लोग यह भी कहते हैं कि पृथ्वी तत्व वाले जिन पदार्थों को खाने से पूर्व आग पर चढ़ाना पड़ता है, उन्हें सूर्य की उपस्थिति में नहीं खाना चाहिए। यद्यपि बहुत से लोग अपनी धार्मिक आस्था या वृद्धावस्था के कारण सूर्यास्त के बाद अन्न नहीं खाते। उनका कहना है कि सूर्यास्त के बाद शरीर की पाचनक्रिया मंद हो जाती है। अत: उस समय भारी भोजन ठीक नहीं है। विचार भिन्नता के कारण इस विषय को स्वतंत्र छोड़ देना ही उचित है। ये कुछ ऐसी बातें हैं, जिन्हें समय-समय पर कुछ बुजुर्गों के मुंह से सुना है। इसमें से कुछ का प्रयोग करने से लाभ भी हुआ है। यद्यपि आज की भागदौड़ वाले जीवन में सब नियमों का पालन संभव नहीं होता। फिर भी जितना हो सके, उतना पालन करके देखें।

पेट दर्द के घरेलू उपचार

अधिकतर बीमारियों की वजह होती है असंयमित खान-पान। गलत खान-पान के कारण कभी-कभी पेट में दर्द होने लगता है। आमतौर पर पेट दर्द का एक मुख्य कारण अपच, मल सूखना, गैस बनना यानी वात प्रकोप होना और लगातार कब्ज बना रहना भी है। पेट दर्द को दूर करने के लिए कुछ घरेलू उपाय हैं, जो दर्द तो दूर करते हैं, साथ ही साथ पेट की क्रियाओं को भी ठीक करते हैं।

– पेट दर्द मे हींग का प्रयोग लाभकारी होता है। 2 ग्राम हींग थोड़े पानी के साथ पीसकर पेस्ट बनाएं। नाभी पर और उसके आस-पास यह पेस्ट लगाएं।

–अजवाइन को तवे पर सेक लें और काले नमक के साथ पीसकर पाउडर बनाएं। 2-3 ग्राम गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लेने से पेट का दर्द दूर होता है।

–जीरे को तवे पर सेकें और 2-3 ग्राम की मात्रा गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लें। इसे चबाकर खाने से भी लाभ होता है।

–पुदीने और नींबू का रस एक-एक चम्मच लें। अब इसमें आधा चम्मच अदरक का रस और थोड़ा सा काला नमक मिलाकर उपयोग करें। दिन में 3 बार इस्तेमाल करें, पेट दर्द में आराम मिलेगा।

–सूखी अदरक मुंह में रखकर चूसने से भी पेट दर्द में राहत मिलती है।

–बिना दूध की चाय पीने से भी कुछ लोग पेट दर्द में आराम महसूस करते हैं।

–अदरक का रस नाभी स्थल पर लगाने और हल्की मालिश करने से पेट दर्द में लाभ होता है।

–अगर पेट दर्द एसिडिटी से हो रहा हो तो पानी में थोड़ा सा मीठा सोडा डालकर पीने से फायदा होता है।

–पेट दर्द निवारक चूर्ण बनाएं। इसके लिए भुना हुआ जीरा, काली मिर्च, सौंठ, लहसुन, धनिया, हींग, सूखी पुदीना पत्ती सबकी बराबर मात्रा लेकर बारीक चूर्ण बनाएं। इसमें थोड़ा सा काला नमक भी मिलाएं। खाने के बाद एक चम्मच थोड़े से गर्म पानी के साथ लें। पेट दर्द में आशातीत लाभकारी है।

–एक चम्मच शुद्ध घी में हरे धनिये का रस मिलाकर लेने से पेट की व्याधि दूर होती है।

–अदरक का रस और अरंडी का तेल प्रत्येक एक-एक चम्मच मिलाकर दिन में 3 बार लेने से पेट दर्द दूर होता है।

–अदरक का रस एक चम्मच, नींबू का रस 2 चम्मच लेकर उसमें थोड़ी सी शक्कदर मिलाकर प्रयोग करें। पेट दर्द में लाभ होगा। दिन में 2-3 बार ले सकते हैं।

–अनार पेट दर्द मे फायदेमंद है। अनार के बीज निकालें। थोड़ी मात्रा में नमक और काली मिर्च का पाउडर डालें। और दिन में दो बार लेते रहें।

–मेथी के बीज पानी में भिगोएं। पीसकर पेस्ट बनाएं। और इस पेस्ट को 200 ग्राम दही में मिलाकर दिन में दो बार लेने से पेट के विकार नष्ट होते हैं।

–इसबगोल के बीज दूध में 4 घटे भिगोएं। रात को सोते समय लेते रहने से पेट में मरोड़ का दर्द और पेचिश ठीक होती है।

–सौंफ में पेट का दर्द दूर करने के गुण होते है। 15 ग्राम सौंफ रात भर एक गिलास पानी में भिगोएं। छानकर सुबह खाली पेट पीयें। बहुत गुणकारी उपचार है।

–आयुर्वेद के अनुसार हींग दर्द निवारक और पित्तवर्द्धक होती है। छाती और पेट दर्द में हींग का सेवन बेहद लाभकारी होता है। छोटे बच्चों के पेट में दर्द होने पर एकदम थोड़ी सी हींग को एक चम्मच पानी में घोलकर पका लें। फिर बच्चे की नाभी के चारों लगा दें। कुछ देर बाद दर्द दूर हो जाता है।

–नींबू के रस में काला नमक, जीरा, अजवायन चूर्ण मिलाकर दिन में तीन बार पीने से पेट दर्द से आराम मिलता है।

आंखों पर दें ध्यान

आंखें अनमोल हैं, इसलिए इनकी सेहत का बदलते मौसम के अनुसार ध्यान रखना आवश्यक है

- आंखों में सूखापन की समस्या सर्दियों में बढ़ सकती है। सूखेपन से बचाव के लिए डॉक्टर के परामर्श से आर्टीफिशियल टीयर ड्रॉप का इस्तेमाल करें।
- इस मौसम में एलर्जी की शिकायत भी सभव है। इससे बचने के लिए दिन में दो बार आंखों को साफ पानी से धोएं। इन्हें मलें या रगड़ें नहीं।
- चेहरे के साथ आंख के आसपास व पलक की त्वचा को सूखेपन से बचाएं, लेकिन ध्यान रहे कि कोई भी मॉइश्चराइजर या कोल्ड क्रीम आंख के अंदर न जाए।
- काला चश्मा लगाकर ही धूप में बैठें।
- नेत्रों को चश्मे के जरिये ठंडी हवाओं से बचाएं।

होम्योपैथी का सहारा ले सकते हैं

अनिद्रा के रोगी

मुझे नींद नहीं आती, आपने अक्सर लोगों को यह शिकायत करते सुना होगा। नींद एक जैविक प्रक्रिया है। हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त नींद बहुत ही जरूरी है। पर्याप्त नींद नहीं लेने से हमारी कार्यक्षमता पर भी बुरा असर पड़ता है। अनिद्रा के शिकार लोगों को अक्सर दिन में इधर-उधर झपकियां लेते देखा जा सकता है।

अनिद्रा आजकल एक महामारी की तरह फैलती जा रही है। एक अनुमान के मुताबिक आज विश्व में हर पांचवां व्यक्ति अनिद्रा का शिकार है। अनिद्रा का अर्थ है नींद में व्यवधान, नींद उचटना या कम नींद आना। यह दो प्रकार की होती है। पहले प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों से जिन्होंने कभी अच्छी, चैन की नींद का आनंद नहीं लिया हो तथा ये लोग तनाव, घबराहट या अन्य किसी असहनीय पीड़ा से पीड़ित न हो। पहली प्रकार की अनिद्रा से पीड़ित लोगों की नाड़ी की गति तेज तथा शरीर का तापमान अधिक होता है। इनकी बाह्य धमनियां प्राय: संकुचित होती हैं। ये लोग प्राय: हिलते-डुलते रहते हैं। दूसरे प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों की अनिद्रा से है जो किसी न किसी बीमारी से पीड़ित होते हैं जैसे पेट में दर्द, पैरों में बेचैनी, थकान, स्पाइनल कॉर्ड में दर्द आदि। इन बीमारियों से नींद की प्रारंभिक अवस्था में बाधा पहुंचती है।

दूसरे प्रकार की अनिद्रा साइकेट्रीक, साइकोसिस तथा साइकोन्यूरोसिस के मरीजों में आमतौर पर देखी जा सकती है। डर तथा चिंता भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं। डिप्रेशन तथा मेनियक डिप्रेशन से भी अनिद्रा की शिकायत हो सकती है इससे सोने पर एक बार तो नींद आ जाती है परन्तु सुबह जल्दी आंख खुल जाती है तथा बाद में रोगी सो नहीं पाता। सन्निपात तथा कोई काल्पनिक डर भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं।

चिकित्सा की होम्योपैथिक शाखा के अंतर्गत अनेक ऐसी दवाईयां हैं जिनका प्रयोग अनिद्रा के उपचार के लिए किया जाता है। मरीज के लक्षणों के आधार पर कोई भी दवा उसे दी जा सकती है।

आर्सेनिक एलबम 30– यह दवा उन मरीजों को दी जाती है जो किसी मानसिक बेचैनी के कारण करवटें बदलते रहते हैं। वह शारीरिक रूप से इतना कमजोर होता है कि उसका चलना-फिरना भी मुश्किल होता है। मरीज को निरंतर मृत्यु का भय बना रहता है। वह इलाज के प्रति निराश हो चुका होता है। ऐसे रोगी को बार-बार थोड़े पानी की प्यास लगती रहती है।

केनाबिस इंडिका 30– यह उन रोगियों के लिए उपयुक्त होती है जो भय, भ्रांति तथा मानसिक दुर्बलता के शिकार होते हैं। ऐसे रोगी अक्सर मरे हुए लोगों को सपने में देखते हैं। उन्हें लगता है कि वह पागल हो जाएंगे। ऐसा रोगी लगातार बोलता रहता है और सिर हिलाता रहता है। अक्सर बोलते-बोलते वह यह भी भूल जाता है कि उसे आगे क्या बोलना है। विनम्र स्वभाव का व्यक्ति यदि उद्दण्ड स्वभाव हो जाए तो उसे यह दवा दी जाती है।

हायोसाइमस नाइगर 200– इसमें मरीज बहुत बातूनी और ईर्ष्यालु होता है। इस प्रकार का रोगी बहुत डरता है। उसे हर बात में डर लगता है जैसे अकेले रहने का डर, विष खिलाने का डर, किसी षड़यंत्र का डर आदि। बच्चों में नींद न आना, नींद आते ही डर जाना, बिस्तर से निकलने या भागने की कोशिश करना जैसे लक्षण होने पर यह दवा दी जाती है।

कैफिया क्रूडा 200– यह दवा उन रोगियों के लिए उचित है जिन्हें रात को नींद नहीं आती। वे अक्सर भविष्य के बारे में चिंता करते रहते हैं। ऐसे रोगी अचानक ही हंसने या रोने लगते हैं ऐसे रोगियों को बहुत अधिक चिंता, बातचीत या मानसिक परिश्रम करने में सिर में तेज दर्द होता है।

एकोनाइटम नैपेलस 30– इसमें रोगी अक्सर बैचेन रहता है जिससे उसे नींद नहीं आती। उसे इतना डर लगता है कि वह बेहोश भी हो जाता है। स्थिति गिंभीर होने पर रोगी को मरने का डर लगने लगता है। रोगी अक्सर डर के कारण घर से नहीं निकलता, भीड़भाड़ वाली जगहों से भी बचता है। उसे बार-बार पानी की प्यास भी लगती है।

इग्नेशिया अमारा 200– यह दवा उन रोगियों को दी जाती है जो शोक, भय या दुख की वजह से एकाएक बेहोश हो जाते हैं। उसे तम्बाकू या धुंआ सहन नहीं होता। उसके सिर में भी दर्द होता है। प्रेम या काम में निराशा से उत्पन्न अनिद्रा के लिए भी यही दवा कारगर होती है।

पोर्स फ्लोरा इन्कार्नेटा (क्यू)– वृद्धों तथा बच्चों में अनिद्रा दूर करने के लिए यह दवा कारगर सिद्ध होती है। यह दवा उन रोगियों की दी जाती है। जिन्हें तनाव और अत्यधिक मानसिक कार्य के कारण नींद नहीं आ पाती या सिर दर्द और आंखों में दर्द के कारण नींद नहीं आती।

किसी भी दवा के चुनाव से पहले रोगी के लक्षण पहचानना जरूरी होता है तथा किसी भी दवा के प्रयोग से पहले किसी विशेषज्ञ से सलाह लेना भी जरूरी होता है।

जोश टंग 50 विकेट पूरे कर रचा इतिहास

हेडिंग्ले, एजेंसी। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोश टंग ने पाकिस्तान के खिलाफ हेडिंग्ले टेस्ट के पहले दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 में बड़ी उपलब्धि हासिल की। टंग ने पांच विकेट झटककर मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र में 50 विकेट पूरे कर लिए और इस आंकड़े तक पहुंचने वाले पहले गेंदबाज बन गए। उनके शानदार स्पेल की बदौलत पाकिस्तान की पहली पारी 171 रन पर सिमट गई।

टंग ने पांच विकेट लेकर रचा इतिहास

पाकिस्तान के खिलाफ पहली पारी में टंग ने 5 विकेट हासिल किए। इसके साथ ही उन्होंने मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र में अपने विकेटों की संख्या 50 पहुंचा दी। वह इस दौरान ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क को पीछे छोड़ने में कामयाब रहे। टंग ने इस डब्ल्यूटीसी चक्र में अब तक 10 टेस्ट खेले हैं और 27.18 की औसत से 50 विकेट लिए हैं। उनके नाम तीन बार पारी में पांच विकेट लेने का कारनामा भी दर्ज है।

स्टार्क और सिराज भी टॉप पर

टंग के बाद मिशेल स्टार्क इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं। स्टार्क ने नौ टेस्ट में 19.45 की शानदार औसत से 48 विकेट लिए हैं और उनके नाम भी तीन पांच विकेट हॉल हैं। भारत की ओर से मोहम्मद सिराज मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। सिराज ने 10 टेस्ट में 26.68 की औसत से 41 विकेट लिए हैं, जिसमें दो बार पांच विकेट लेने का कारनामा शामिल है। श्रीलंका के खिलाफ गॉल टेस्ट में दो विकेट लेकर सिराज ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स को पीछे छोड़ा था।

पाकिस्तान के खिलाफ टंग का कहर

टंग ने पाकिस्तान के खिलाफ अपनी पहली पारी में शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने सबसे पहले इमाम-उल-हक को 42 रन के स्कोर पर आउट किया। इमाम ने 74 गेंदों का सामना किया था और अब्दुल्ला शफीक के साथ 91 रन की साझेदारी की थी। इसके बाद टंग ने स्टैंड-इन कप्तान सलमान अली आगा को पवेलियन भेजा। उन्होंने विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान और अली उस्मान को लगातार गेंदों पर एलबीडब्ल्यू आउट किया। इसके बाद मोहम्मद अब्बास को आउट कर टंग ने अपना पांच विकेट हॉल पूरा किया।

रॉबिन्सन ने भी झटका पांच विकेट

टंग के साथ ओली रॉबिन्सन ने भी पाकिस्तान की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। दोनों इंग्लिश तेज गेंदबाजों ने पांच-पांच विकेट लेकर पाकिस्तान को 48.1 ओवर में 171 रन पर समेट दिया। दिलचस्प बात यह है कि 1998 के बाद यह पहली बार है जब इंग्लैंड के दो तेज गेंदबाजों ने एक ही टेस्ट पारी में पांच-पांच विकेट लिए हैं। इससे पहले एंडी कैडिक और एंगस फ्रेजर ने पोर्ट ऑफ स्पेन में वेस्टइंडीज के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी।

संक्षिप्त समाचार

सीपीएल 2026

गुयाना अमेजन वारियर्स ने सेंट लूसिया किंग्स को 7 विकेट से हराया

सेंट लूसिया, एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 में डैरेन सैमी नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में हुए मुकाबले में सेंट लूसिया किंग्स ने गुयाना अमेजन वारियर्स को 7 विकेट से हरा दिया। टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी सेंट लूसिया किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट के नुकसान पर 151 रन बनाए थे। चरिथ असलांका ने 28 गेंदों पर 2 छक्कों और 1 चौके की मदद से 35 रन बनाए। इसके अलावा एंड्रिज गॉस ने 20, कामिल पूरन ने 19, डैरोन नेड ने 17, मैथ्यू फोर्ड और कप्तान रोस्टन चेज ने 14-14 रन बनाए। गुयाना अमेजन वारियर्स के लिए ड्वायन प्रिटोरियस ने 3, शमार जोसेफ ने 2 और रोमारियो शेफर्ड ने 1 विकेट लिए। 152 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी गुयाना को ग्लेन फिलिप्स और मावेंद्र दिनदयाल ने तेज शुरुआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 10.3 ओवर में 79 रन जोड़े। फिलिप्स 26 गेंदों पर 2 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 36 रन बनाकर आउट हुए। दिनदयाल ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने 51 गेंदों पर 2 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 50 रन की पारी खेली। वह दूसरे विकेट के रूप में तब आउट हुए, जब टीम का स्कोर 14 ओवर में 107 रन था। कप्ताम शे होप 17 रन बनाकर आउट हुए। शिमरोन हिटमायर 11 गेंदों पर 1 छक्का और 4 चौकों की मदद से 25 और सैंपसन 4 गेंदों पर 13 रन बनाकर नाबाद रहे। हिटमायर ने छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। गुयाना ने 3 विकेट के नुकसान पर 18.1 ओवर में 157 रन बनाए और 7 विकेट से मैच जीता। सेंट लूसिया की तरफ से महिश तिक्षाणा ने 2, जबकि जोशुआ बिशप ने 1 विकेट लिए। गुयाना अमेजन वारियर्स की सीजन के दूसरे मैच में यह दूसरी जीत थी, जबकि सेंट लूसिया की पांचवें मैच में यह तीसरी हार थी।

एसीबी ने नूर अहमद का एनओसी रद्द किया, सीपीएल से बाहर हुए अफगान स्पिनर

नई दिल्ली, एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 में सेंट लूसिया किंग्स को एक बड़ा झटका लगा है। अफगानिस्तान के बाएं हाथ के स्पिनर नूर अहमद सीपीएल के बचे मैचों में सेंट लूसिया किंग्स के लिए नहीं खेल पाएंगे। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने नूर अहमद उनका नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) रद्द कर दिया है। सेंट लूसिया किंग्स ने नूर अहमद के विकल्प के रूप में न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज और विकेटकीपर टिम सीफर्ट को साइन किया है। सेंट लूसिया किंग्स द्वारा जारी बयान में कहा गया, 'नूर अब बाकी टूर्नामेंट में सेंट लूसिया किंग्स का प्रतिनिधित्व करने के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। फ्रेंचाइजी इस बात से निराश है कि नूर टीम में शामिल नहीं हो पाएंगे। हम उन्हें शुभकामनाएं देते हैं।' बयान में आगे कहा गया, 'सेंट लूसिया किंग्स टिम सीफर्ट का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं, जो अभी स्क्वाड में शामिल होने के लिए सेंट लूसिया जा रहे हैं।' नूर ने 2020 में किंग्स (तब सेंट लूसिया जॉक्स) के साथ करार किया था। वीजा दिक्कतों की वजह से उन्हें उनके लिए खेलने का मौका नहीं मिला। सीपीएल 2024 में वह टीम के लिए खेले और 12 मैचों में 22 विकेट लेकर न सिर्फ टूर्नामेंट के सबसे सफल गेंदबाज रहे, बल्कि टीम को चैंपियन बनाया।

आईपीएल मत खेलना वरना...

मानव सुतार को मिली चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। मानव सुतार टीम इंडिया के नए स्टार बन गए हैं. श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में उन्होंने कुल 10 विकेट लेकर ऐतिहासिक प्रदर्शन किया. उन्होंने अभी तक अपने टेस्ट करियर में सिर्फ 2 मैच खेले हैं, लेकिन उन्हें रवींद्र जडेजा का उत्तराधिकारी माना जा रहा है, क्योंकि सुतार जडेजा की ही तरह लेफ्ट-आर्म स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर हैं.

सुतार के दमदार प्रदर्शन की बदौलत टीम इंडिया ने गॉल टेस्ट में 165 रनों से जीत दर्ज की थी. मगर पूर्व क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने उन्हें चेतावनी दे डाली है. पुजारा ने सलाह देते हुए कहा कि इस स्टार स्पिन गेंदबाज को इंडियन प्रीमियर लीग में नहीं जाना चाहिए. साथ ही पुजारा ने टीम इंडिया मैनेजमेंट से आग्रह किया कि मानव सुतार को रेड बॉल स्पेशलिस्ट गेंदबाज बनाया जाए. चेतेश्वर पुजारा ने कहा कि युवा खिलाड़ियों के भीतर छोटे फॉर्मेट में खेलने की लालसा होती है, लेकिन मानव सुतार को ऐसा करने से बचना चाहिए. पुजारा के अनुसार सुतार ने आईपीएल खेला तो इसका उनकी गेंदबाजी स्किल्स पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है. पुजारा ने कहा, 'सभी युवा खिलाड़ियों चाहते होंगे कि उन्हें छोटे फॉर्मेट में खेलने का अवसर मिले, लेकिन टीम इंडिया को उन्हें (मानव सुतार) को टेस्ट स्पेशलिस्ट बनाना चाहिए. उनका भी आईपीएल में खेलने का मन कर सकता है, लेकिन वहां मत जाना. उन्हें अगर आईपीएल में खेलने का मौका मिलता है, तो वह अच्छा होगा लेकिन जो आपकी ताकत है उसको मत बदलना.'

गुजरात टाइटंस का हिस्सा हैं सुतार

मानव सुतार अभी गुजरात टाइटंस फ्रेंचाइजी का हिस्सा हैं. अपने आईपीएल करियर में उन्होंने अब तक केवल 5 मैच खेले हैं, जिनमें वो सिर्फ 2 विकेट ले पाए हैं. इनमें 4 मुकाबले उन्होंने आईपीएल 2026 में खेले थे. ओवरऑल टी20 करियर में उन्होंने अब तक 29 मैच खेले हैं, जिनमें उनके नाम 25 विकेट हैं और इकोनॉमी रेट सिर्फ 7.33 का है.

मानव सुथार के 10 विकेट लेने के पीछे का 'सीक्रेट' पता चल गया

टीम इंडिया के युवा स्पिनर मानव सुथार ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट के बाद अपनी शानदार गेंदबाजी का राज खोला है। हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ गॉल इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए टेस्ट में 10 विकेट लेकर सुर्खियों में आने वाले मानव सुथार ने बताया कि उनकी सफलता के पीछे 'स्पॉट बॉलिंग' और दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का अहम योगदान है। एक वीडियो में सुथार ने बताया कि वह बचपन में 14-15 साल की उम्र से ही रोजाना 30 से 35 ओवर गेंदबाजी का अभ्यास करते थे। उनका मुख्य फोकस स्पॉट बॉलिंग (एक ही जगह पर लगातार गेंद डालना) पर रहता था। उनका मानना है कि स्पॉट बॉलिंग से ही किसी भी गेंदबाज की सबसे बेस्ट बॉल तैयार होती है। इसके अलावा सुथार ने बताया कि वह बड़े होते हुए रविचंद्रन अश्विन को अपना आदर्श मानते थे। अश्विन की गेंदबाजी और उनकी विविधताओं ने उन्हें हमेशा प्रेरित किया। गॉल टेस्ट के पहली पारी में सुथार ने 4 और दूसरी पारी में 6 विकेट अपने नाम किए थे। उनकी इस बॉलिंग की बदौलत भारत ने पहले टेस्ट में श्रीलंका को 165 रन से करारी शिकस्त दी।

भारत से हार के बाद श्रीलंकाई टीम को ट्रिपल झटका...

दूसरे टेस्ट से 2 स्टार बाहर, एक पर सस्पेंस

नईदिल्ली, एजेंसी। गॉल टेस्ट में श्रीलंकाई टीम को भारत के हाथों 165 रनों की बड़ी हार झेलनी पड़ी थी. अब श्रीलंका को सीरीज बराबर करने के लिए दूसरा टेस्ट जीतना ही होगा. हार या ड्रॉ होने की स्थिति में भारत सीरीज अपने नाम कर लेगा. दूसरा टेस्ट मैच 23 अगस्त से कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में होना है. कोलंबो टेस्ट से पहले श्रीलंका की मुश्किलें और बढ़ गई हैं. कुसल मेंडिस और दिनेश चांदीमल दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं, जबकि पथुम निसंका के खेलने पर भी संशय बना हुआ है. श्रीलंका के हेड कोच गैरी कर्स्टन ने गॉल टेस्ट के बाद खिलाड़ियों की चोट को लेकर अपडेट दिया. उन्होंने साफ किया कि कुसल मेंडिस की हैमस्ट्रिंग की चोट गंभीर है और वह फिलहाल टीम के लिए उपलब्ध नहीं होंगे.गैरी कर्स्टन ने कहा, 'कुसल मेंडिस को हैमस्ट्रिंग की गंभीर चोट लगी है. वह कुछ समय तक उपलब्ध नहीं रहने वाले हैं.' श्रीलंका को सबसे बड़ा झटका दिनेश चांदीमल के रूप में लगा है. चांदीमल को गॉल टेस्ट के दौरान फील्डिंग करते समय गर्दन और कंधे में चोट लगी थी. इसके बाद पसिंदु सूरियाबंडारा को उनके स्थान पर कन्कशन सब्स्टीट्यूट के रूप में उतारा गया था. हालांकि सूरियाबंडारा अपनी पहली ही गेंद पर बिना खाता खोले आउट हो गए थे.

मेजर लीग सॉकर

इंटर मियामी और फिलाडेल्फिया यूनियन का मैच 2-2 से हुआ ड्रॉ

चेस्टर, एजेंसी। मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) रेगुलर सीजन एक्शन में इंटर मियामी सीएफ और फिलाडेल्फिया यूनियन के बीच सुबारू पार्क में खेला गया मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा। मियामी के लिए कप्तान लियोनेल मेसी और डेनियल पिंटर ने 1-1 गोल किए।

मेजबान फिलाडेल्फिया ने मैच का पहला गोल दागा। इंडियाना वासिलिव ने 11वें मिनट में शानदार गोल करते हुए टीम को बढ़त दिलाई। मियामी ने 21वें मिनट में गोल करते हुए बराबरी की। मियामी के लिए 21वें मिनट में डेनियल पिंटर ने गोल दागा। यह एमएलएस में पिंटर का पहला गोल था। पिंटर ने फुटबॉल इतिहास के दो बेहतरीन फुटबॉलर्स की मदद से अपने एमएलएस करियर का पहला गोल दागा। ये दो फुटबॉलर मेसी और लुईस सुआरेज थे। मेसी ने बॉक्स के बाईं ओर सुआरेज को गेंद दी, जिन्होंने हेडर से पास को मोड़कर पिंटर को बीच में पहुंचाया, जहां उन्होंने पास से बॉल को गोल पोस्ट में डाल दिया।

डब्ल्यूडब्ल्यूई का रिंग बना मैदान

खिलाड़ियों में हुई जमकर उठा-पटक, लियोनेल मेसी देखते रहे

चेस्टर (अमेरिका), एजेंसी। मेजर लीग सॉकर में इंटर मियामी के मुकाबले में कुछ ऐसा देखने को मिला, जो डब्ल्यूडब्ल्यूई रिंग में ही दिखता है। वैसे तो फुटबॉल के मैदान पर खिलाड़ियों के बीच विवाद आम है। कई बार हाथापाई भी

हो जाती है। लेकिन इंटर मियामी और फिलाडेल्फिया यूनियन के बीच मुकाबले में बात काफी ज्यादा बढ़ गई। यहां खिलाड़ियों के बीच उठा-पटक हो गया। इस मुकाबले के इंजरी टाइम (101वें मिनट) में इंटर मियामी के डिफेंडर ने फिलाडेल्फिया यूनियन के 16 साल के कैवन सुलिवन के खिलाफ बॉक्स के अंदर टैकल किया। इससे वह गिर गए। इंटर मियामी के दूसरे खिलाड़ी इयान फ्रे ने सुलिवन को सिर पर धक्का देने की कोशिश की। इस बीच कैवन सुलिवन ने फ्रे के पैर से हवा में उठाया और जमीन पर पटक दिया। इसके बाद ऐसे लग रहा था जैसे दोनों खिलाड़ी कुश्ती कर रहे हों। इस बीच दोनों टीमों के अन्य खिलाड़ियों ने आकर बीच बचाव किया।

एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप

भारत ने पाकिस्तान का किया गेम ओवर, 5-3 से चटाई धूल

एम्सटेलवीन (नीदरलैंड्स), एजेंसी। पाकिस्तान के खिलाफ भारत का 'वर्चस्व' बरकरार है। एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 में एम्सटेलवीन के वैगनर स्टेडियम में खेले गए पूल डी के मुकाबले में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान को 5-3 से हराया। भारत ने मुकाबले की शुरुआत दमदार अंदाज में की और गेंद पर कंट्रोल बनाया। मैच के चौथे मिनट में ही भारतीय टीम को पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसका भरपूर फायदा उठाते हुए कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया। 1-0 की बढ़त को भारत ने जल्द ही दोगुना कर दिया। मैच के 11वें मिनट में अभिषेक से मिले शानदार पास को मंदीप सिंह ने गोल में तब्दील किया। पहले क्वार्टर में 2-0 की बढ़त के साथ भारतीय टीम का पूरी तरह से दबदबा रहा। दूसरे क्वार्टर का आगाज भी भारतीय टीम ने शानदार तरीके से किया। मैच के 20वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील करते हुए कप्तान हरमनप्रीत ने भारत की बढ़त को 3-0 कर दिया। हालांकि, इसके बाद पाकिस्तान ने मैच में कुछ हद तक वापसी करने की कोशिश की। मैच के 21वें मिनट में पाकिस्तान की तरफ से हन्नान शाहिद ने पहला गोल दागा। इसके ठीक दो मिनट बाद ही अभिषेक ने एक और शानदार गोल दागा और भारत की बढ़त को 4-1 कर दिया। मैच के 24वें मिनट में सुफियान खान ने पाकिस्तान की ओर से दूसरा गोल किया और स्कोर को 4-2 कर दिया। तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में भारत के सुखजीत सिंह को ग्रीन कार्ड मिला। मैच के 34वें मिनट मे भारत ने अपनी बढ़त को 5-2 कर दिया। भारत के लिए पांचवां गोल हार्दिक सिंह ने पेनल्टी स्ट्रोक पर दागा। चौथे और अंतिम क्वार्टर की शुरुआत पाकिस्तान के लिए अच्छी रही। मैच के 45वें मिनट में पाकिस्तान के हन्नान शाहिद ने गोल करते हुए स्कोर को 5-3 कर दिया। इसके बाद भारत और पाकिस्तान की तरफ से गोल करने के कई प्रयास किए गए, लेकिन किसी भी टीम को सफलता हाथ नहीं लगी। हरमनप्रीत की कप्तानी में भारतीय टीम ने पाकिस्तान को गोल करने का कोई और मौका नहीं दिया। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने अगले राउंड में अपनी जगह बना ली है। वहीं, हार के साथ पाकिस्तान का विश्व कप में सफर समाप्त हो गया है।

पाकिस्तानी बल्लेबाज ने बना दिया शर्मनाक रिकॉर्ड... 43 साल में पहली बार हुआ ऐसा

नईदिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला लीड्स के हेडिंग्ले मैदान पर खेला जा रहा है. इस मुकाबले में पाकिस्तान बल्लेबाजों का प्रदर्शन पहली पारी में निराशाजनक रहा और पूरी टीम 171 रनों पर सिमट गई. सलामी बल्लेबाज अजान अवैस ने तो पाकिस्तानी फैन्स की उम्मीदों पर बिल्कुल भी खरे नहीं उतर पाए. मुकाबले की पहली ही गेंद पर ओली रॉबिन्सन ने उन्हें एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया. ओली रॉबिन्सन ने मैच की पहली गेंद वॉबल सीम के साथ फेंकी, जो बाएं हाथ के बल्लेबाज अजान अवैस के लिए अंदर की ओर आई. अजान गेंद की लाइन को सही तरीके से पढ़ नहीं सके और गेंद सीधे उनके पैड से जा टकराई. इंग्लैंड की जोरदार अपील के बाद अंपायर क्रिस गैफनी ने उन्हें आउट करार दिया. अजान अवैस ने अंपायर के फैसले को चुनौती देते हुए तुरंत डीआरएस लिया. रिप्ले में साफ हुआ कि गेंद उनके बल्ले से नहीं लगी थी. इसके बाद बॉल ट्रैकिंग में इम्पैक्ट से लेकर विकेट तक तीनों रेड दिखाई दिए. गेंद मिडिल स्टम्प के ऊपरी हिस्से से टकरा रही थी और तीसरे अंपायर ने क्रिस गैफनी के फैसले को बरकरार रखा.

मोहसिन खान के क्लब में एंट्री

इस तरह अजान अवैस को टेस्ट सीरीज की अपनी पहली गेंद पर ही पवेलियन लौटना पड़ा और एक अनचाही लिस्ट में शामिल हो गए. अजान पाकिस्तान के सिर्फ दूसरे ओपनर हैं, जिन्हें किसी टेस्ट की पहली गेंद पर आउट होना पड़ा. इससे पहले 1983 में मोहसिन खान भारत के खिलाफ जालंधर टेस्ट में मैच की पहली गेंद पर आउट हुए थे. यानी पाकिस्तान के किसी ओपनर के साथ 43 साल में यह घटना दोहराई गई.अजान अवैस ने जहां शर्मनाक रिकॉर्ड बनाया, वहीं ओली रॉबिन्सन ने एक खास उपलब्धि हासिल की. वह इंग्लैंड की धरती पर आयोजित किसी टेस्ट मैच की पहली गेंद पर विकेट लेने वाले केवल चौथे इंग्लिश गेंदबाज बन गए. इस कारनामे की शुरुआत मौरिस टेट ने 1926 में की थी. उन्होंने लीड्स में ऑस्ट्रेलिया के वॉरेन बार्डसले को पहली गेंद पर आउट किया था. इसके 48 साल बाद ज्योफ अर्नोल्ड ने 1974 में बर्मिंघम टेस्ट की पहली गेंद पर भारतीय बल्लेबाज सुनील गावस्कर को पवेलियन भेजा था. 2007 में रयान साइडबॉटम ने वेस्टइंडीज के डेरेन गंगा को चेस्टर-ले-स्ट्रीट टेस्ट की पहली गेंद पर आउट किया था.

जानता हूं अवसर मिलने का क्या मतलब होता है

अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने खास बातचीत में बताया है कि उनके हिसाब से आजादी का क्या मतलब है। उन्होंने यह भी बताया है कि आज का भारत कैसा होना चाहिए।

आखिर आजादी की असली परीक्षा कब होती है? जब कोई हमें रोक रहा हो या तब, जब कोई रोकने वाला ही न हो? पर अभिनेता पंकज त्रिपाठी के पास इसका अपना जवाब है। बिहार के एक छोटे से गांव से निकलकर देश के अलग-अलग हिस्सों में काम करने और लोगों से मिलने वाले पंकज ने भारत को कई रंगों में देखा है। मगर उनके लिए इन सारे रंगों के पीछे एक चीज हमेशा एक जैसी रही- अपनापन।

एक चीज जो हम सबको जोड़ती है

पंकज कहते हैं, 'मेरे हिसाब से पिछले 80 वर्षों में हमने सबसे अच्छी चीज अपनी विविधता और साथ रहने की भावना को बचाया है। भारत में इतनी भाषाएं हैं, इतनी संस्कृतियां हैं, इतने अलग-अलग तरह के लोग हैं, फिर भी एक भारतीय होने की भावना हम सबको जोड़ती है। मैं बिहार के एक छोटे से गांव से आता हूं, वहां से निकलकर देश के अलग-अलग हिस्सों में काम करने और लोगों से मिलने का मौका मिला। हर जगह मुझे भारत का एक अलग रंग दिखाई दिया, लेकिन उस रंग के पीछे एक अपनापन हमेशा एक जैसा लगा।'

कहीं हम समझना और सुनना कम न कर दें

पंकज आगे कहते हैं, 'आज हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। तकनीक हमारे जीवन का बड़ा हिस्सा बन गई है। मगर इसी भागदौड़ में कहीं ऐसा न हो कि हम एक-दूसरे को समझना और सुनना कम कर दें। अब मुझे लगता है कि हमें अपनी संवेदनशीलता और इंसानियत को बचाना बहुत जरूरी है। विकास बहुत जरूरी है, लेकिन विकास के साथ अगर संवेदना बची रहे, तो वही असली तरक्की है। मुझे लगता है कि आने वाली पीढ़ी के लिए हमें सिर्फ बेहतर सड़कें और बेहतर इमारतें नहीं, बल्कि एक बेहतर समाज भी छोड़कर जाना है।'

'मुझे आज के भारत की ऊर्जा और आत्मविश्वास पर बहुत गर्व होता है। खासकर हमारे युवाओं को देखकर। आज का युवा छोटे शहर या गांव से निकलकर दुनिया में अपनी पहचान बना रहा है। वह बड़े सपने देखने से डरता नहीं। मुझे यह बदलाव बहुत अच्छा लगता है, क्योंकि मैं खुद एक छोटे से गांव से आया हूं और जानता हूं कि अवसर मिलने का क्या मतलब होता है।'

बच्चे के सपनों की सीमा तय ना करें

बातों ही बातों में पंकज ने कई मुद्दों पर बात की। उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि हमें अभी समान अवसर और शिक्षा के मामले में बहुत आगे जाना है। मेरे लिए तरक्की का मतलब तभी पूरा होगा जब एक छोटे से गांव में रहने वाले बच्चे को भी यह महसूस हो कि उसके सपनों की कोई सीमा नहीं है। अगर प्रतिभा सिर्फ इसलिए पीछे रह जाए क्योंकि उसके पास संसाधन नहीं हैं, तो यह हमारे लिए सोचने की बात है। मैं चाहता हूं कि आने वाले वर्षों में हमारा भारत ऐसा हो, जहां किसी बच्चे का भविष्य इस बात से तय न हो कि वह किस घर में, किस शहर में या किस गांव में पैदा हुआ है।

आजादी का मतलब

'मेरे लिए आजादी का असली टेस्ट तब होता है जब आपको पूरी आजादी दी गई हो। जब कोई रोक रहा होता है, तब तो हमें पता होता है कि हमारे सामने एक दीवार है और हमें उससे लड़ना है। लेकिन जब कोई दीवार नहीं होती, कोई आपको नहीं रोक रहा होता, तब आप क्या चुनते हैं, वहीं आपकी असली आजादी और आपकी असली जिम्मेदारी सामने आती है।' मेरे लिए आजादी यह भी है कि मैं जो सही समझता हूं, उसकी जिम्मेदारी लेने की हिम्मत रखूं। मुझे अपने जीवन में भी यह महसूस हुआ है कि आजादी के साथ अनुशासन और जिम्मेदारी बहुत जरूरी हैं। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने जिस आजादी के लिए संघर्ष किया, वह सिर्फ अपने लिए जीने की आजादी नहीं थी। आज जब हमें इतनी आजादी मिली हुई है, तो हमें खुद से यह सवाल पूछना चाहिए कि हम इस आजादी का इस्तेमाल सिर्फ अपने लिए कर रहे हैं या अपने आसपास की दुनिया को थोड़ा बेहतर बनाने के लिए भी।

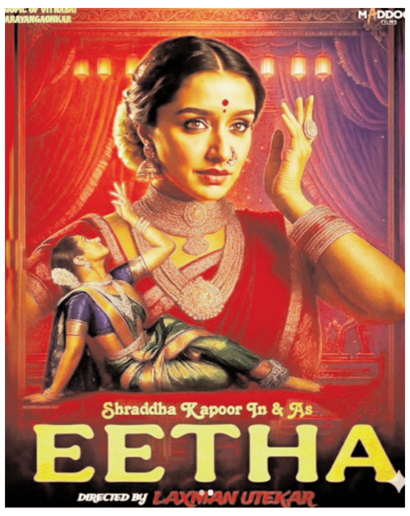

श्रद्धा कपूर की फिल्म 'ईठा' की रिलीज आगे बढ़ी

बॉलीवुड की दो मच अवेटेड फिल्मों की रिलीज डेट मेकर्स ने अनाउंस की। जहां एक और आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की फिल्म 'उड़ता तीर' के मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट तय की। वहीं दूसरी तरफ श्रद्धा कपूर की फिल्म 'ईठा' के मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट आगे बढ़ा ली। अब ये दोनों फिल्में कब रिलीज होगीं

श्रद्धा कपूर की बहुप्रतिक्षित फिल्म 'ईठा' का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह फिल्म लावणी साम्राज्ञी विठाबाई नारायणगावकर के जीवन पर आधारित है, जिन्होंने पांच दशक तक लावणी लोककला को अपना जीवन समर्पित किया।

'टॉक्सिक' से टाला क्लैश

पहले यह फिल्म इसी महीने 28 अगस्त को रिलीज होने वाली थी, जहां इसकी टक्कर 26 अगस्त को रिलीज होने जा रही मल्टीस्टारर फिल्म 'टॉक्सिक' से होती। अब मेकर्स ने इसे 4 दिसंबर 2026 को रिलीज करने का फैसला किया है। इस फिल्म का निर्देशन लक्ष्मण उतेकर ने किया है। फिल्म में श्रद्धा के अलावा रणदीप हुड्डा और मोहम्मद जीशान अय्यूब भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।

भले ही फिल्म 'ईठा' ने 'टॉक्सिक' से टकराव बचा लिया है पर 4 दिसंबर को इसका टकराव प्रभास की फिल्म 'फौजी' से होगा। फिलहाल 'फौजी' की रिलीज डेट 3 दिसंबर 2026 है।

कब रिलीज होगी 'उड़ता तीर'

फिल्म 'उड़ता तीर' से आयुष्मान खुराना और सारा अली खान एक बार फिर पर्दे पर साथ नजर आने वाले हैं। यह एक स्पाई-कॉमेडी फिल्म है जो 9 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन आकाश ए. कौशिक ने किया है। वहीं फिल्म में निर्माताओं की लंबी लिस्ट है। फिल्म का निर्माण करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्व मेहता, गुनीत मोंगा कपूर और अचिन जैन मिलकर कर रहे हैं।

अमृता खानविलकर ने निजी जिंदगी को लेकर अफवाहें फैलाने को चेतावनी दी

अभिनेत्री अमृता खानविलकर और हिमांशु मल्होत्रा काफी वक्त से अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। बी-टाउन में काफी वक्त से ऐसी अटकलें लग रही हैं कि इनके रिश्ते में दरार आ गई है और तलाक हो रहा है। इन्हें अमृता ने निराधार बताया है। साथ निजी जिंदगी को लेकर ऐसी अफवाहें प्रसारित करने वालों को भी चेताया है।

अभिनेत्री अमृता के इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया गया है। इसमें उनकी लीगल टीम की तरफ से इस तरह की खबरों को एकदम निराधार बताया गया है। साथ ही अफवाहें फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी एक्शन लेने की चेतावनी भी दी है। अमृता की कानूनी टीम ने नोट साझा करते हुए लिखा है, 'आधिकारिक कानूनी बयान - 10 अगस्त 2026 से लागू। हमारे ध्यान में आया है कि कुछ ऑनलाइन, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म अमृता खानविलकर और उनके निजी जीवन के बारे में ऐसा कंटेंट फैला रहे हैं, जो बेबुनियाद है। यह प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने वाला है और उनकी प्राइवेसी का उल्लंघन करता है। आगे लिखा है, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान किया जाता है, लेकिन अमृता खानविलकर के बारे में मानहानि वाले बयान, अफवाहें, बिना पुष्टि वाले आरोप या गुमराह करने वाली जानकारी फैलाने या शेयर करने के लिए इस स्वतंत्रता का कोई भी गलत इस्तेमाल गंभीरता से लिया जाएगा। जहां भी उपलब्ध सबूतों से पुष्टि होती है, वहां ऐसे कंटेंट को बनाने, फैलाने या शेयर करने के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों, संस्थाओं या संगठनों के खिलाफ लागू कानून के अनुसार उचित कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी। ऐसे सभी मामलों पर नजर रखी जा रही है और उचित कानूनी कार्रवाई के लिए उनका रिकॉर्ड रखा जा रहा है। मराठी फिल्म जगत की चर्चित अभिनेत्री अमृता खानविलकर की शादी हिमांशु मल्होत्रा के साथ साल 2015 में हुई थी। दोनों की मुलाकात साल 2004 में हुई थी। लंबे वक्त तक दोनों रिलेशनशिप में रहे। फिर साल 2015 में शादी का फैसला लिया।

सामंथा होस्ट करेंगी 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ तमिल'

शो 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ तमिल' में तमिल एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के कुछ जाने-माने चेहरे शूटिंग से हटकर किचन में नजर आएंगे। वह मुश्किल कुकिंग चैलेंजेस का सामना करेंगे। इस शो का एक प्रोमो भी जारी किया गया, जिसमें सामंथा कहती हैं, 'हमारे शहर में, हम जो भी करते हैं, स्टाइल के साथ करते हैं, एकदम जबरदस्त अंदाज में, है ना? भले ही वह सिर्फ खाना बनाना ही क्यों न हो। फिल्मों में एक्शन 'कट' के साथ शुरू और खत्म होता है। लेकिन यहां असली एक्शन 'कट' के बाद ही शुरू होता है। चाहे शूट हो या किचन, जीतने के लिए हमेशा जुनून की जरूरत होती है।'

शो को लेकर उत्साहित हैं सामंथा?

'मिर्जापुर द मूवी' पर बोले फरहान अख्तर

एक्टर-प्रोड्यूसर फरहान अख्तर ने 'मिर्जापुर' सीरीज को इतना प्यार देने के लिए फैंस का शुक्रिया अदा किया है। इसी प्यार की वजह से मेकर्स 'मिर्जापुर : द मूवी' बनाने के लिए प्रेरित हुए। 'मिर्जापुर : द मूवी' के ट्रेलर लॉन्च पर, प्रोड्यूसर फरहान अख्तर ने फिल्म की रिलीज डेट को लेकर दुनिया भर के फैंस के उत्साह का जिक्र किया। मीडिया से बात करते हुए फरहान ने कहा कि अपकमिंक फिल्म फैंस की मांग का नतीजा है। फरहान अख्तर ने कहा, 'यह शो फैंस के प्यार का नतीजा है। उन्होंने शो को तब से सपोर्ट किया है, जब यह पहली बार रिलीज हुआ था। अमेजन इसे दुनिया भर में ले गया। मैं जहां भी जाता था, लोग मुझसे पूछते थे, 'मिर्जापुर कब आ रहा है?' जब इसकी घोषणा हुई, तो लोग मुझसे रिलीज डेट पूछते थे, इसलिए असल में फैंस ने ही इस फिल्म की मांग की है। हम बहुत खुश और आभारी हैं कि हमने इसे ओरिजिनल कास्ट और शानदार नई कास्ट के साथ मिलकर बनाया है।' वहीं जितेंद्र ने फैंस से एक गुजारिश की है। उन्होंने कहा 'बबलू भैया पर भी उतना ही प्यार बरसाएं, जितना उन्होंने 'पंचायत' में जीतू भैया पर बरसाया था, क्योंकि अब बबलू भैया की वापसी हो रही है।'

'लॉक अप 2' में मुझसे फायदा छीनकर किसी और को दे दिया गया

'लॉक अप 2' की विनर बनीं श्रेया कालरा की जीत पर दर्शक लगातार सवाल उठा रहे हैं। इस जीत को लेकर श्रेया को काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। अब श्रेया ने सोशल मीडिया के जरिए अपने आलोचकों को कड़ा जवाब दिया है। श्रेया कालरा की जीत को कुछ दर्शक स्क्रिप्टेड और पक्षपातपूर्ण बता रहे हैं। हाल ही में इंस्टाग्राम के जरिए 'लॉक अप 2' की विजेता ने फैंस के सवालों का जवाब दिया। श्रेया ने जब प्रतियोगियों को वापस लाया गया तो लोगों ने शो को पक्षपाती क्यों नहीं कहा? जब उन्हें सीक्रिट रूम के रखा गया तब यह सवाल क्यों नहीं उठाया गया? शो में मुझसे फायदा छीनकर किसी और को दे दिया गया। इस तरह के सवाल शो में बाकि प्रतियोगियों के लिए क्यों नहीं उठाये गए?

लॉकअप सीजन 2 के विजेता का खिताब जीतने के बाद श्रेया कालरा को पुरस्कार में एक चमचमाती ट्रॉफी मिली थी। इसके अलावा एक करोड़ रुपये की राशि भी उन्हें मिली। रिपोर्ट्स के मुताबिक, श्रेया कालरा मामूली अंतर से जीती थीं। उन्होंने शिवांगी जोशी को सात वोटों से हराया था। बता दें कि पांच फाइनलिस्ट चुने गए थे। फाइनल में राम कपूर, शिवांगी जोशी, श्रेया कालरा, योगेश रावत और आकांक्षा चमोला ने जगह बनाई थी।

फराह खान पर भी लगे पक्षपात के आरोप

इससे पहले निर्देशक फराह खान ने अपने व्लॉग में भी 'लॉक अप 2' में खुद पर लगे आरोपों पर बात की थी। उन्होंने कहा, ' शो होस्ट करने के दो हफ्ते बाद मुझे पता चला कि लोग कमेंट कर रहे हैं कि मैं पक्षपाती होस्ट हूं, क्यों? क्योंकि श्रेया और मेरी यूट्यूब कंपनी एक ही टीम के द्वारा चलाई जाती हैं। उस कंपनी के पास 70 कंटेंट क्रिएटर हैं, तो क्या? पता नहीं मैं पक्षपाती कैसे हो सकती हूं?'

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप का दावा: 2020 चुनाव में 24 हजार गैर-नागरिकों ने डाला वोट; क्या जांच में और बढ़ेगा आंकड़ा

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2020 के राष्ट्रपति चुनाव को लेकर एक बार फिर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी जनगणना ब्यूरो 2020 के मतदाता आंकड़ों को नागरिकता संबंधी जानकारी से मिलाकर जांच कर रहा है। ट्रंप ने दावा किया कि शुरुआती 12.8 करोड़ मतदाताओं की जांच में 24 हजार से ज्यादा गैर-नागरिकों ने अवैध तरीके से मतदान किया। ट्रंप ने कहा, जनगणना ब्यूरो ने 2020 के मतदाता आंकड़ों को उनके नागरिकता रिकॉर्ड से मिलाकर जांच शुरू कर दी है। पहले 128,000,000 मतदाताओं की जांच में जनगणना ब्यूरो ने साबित किया है कि 24 हजार से ज्यादा गैर-नागरिकों ने अवैध रूप से वोट किया। जनगणना ब्यूरो अब अगले 3.2 करोड़ मतदाताओं का विश्लेषण करने जा रहा है और यह संख्या बहुत बढ़ जाएगी। इससे पहले ट्रंप ने भारत की चुनाव व्यवस्था की तारीफ करते हुए कांग्रेस से सेव अमेरिका एक्ट पारित करने की अपनी मांग फिर दोहराई। ट्रुथ सोशल पर एक अन्य पोस्ट में ट्रंप ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के साथ हाल की बातचीत का जिक्र किया और भारत में मतदाताओं के लिए फोटो पहचान पत्र के इस्तेमाल की बात कही। ट्रंप ने कहा, इस महीने की शुरुआत में भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने हमारे प्रशासन से पूछा- अमेरिका में वैध फोटो पहचान पत्र के बिना आप चुनाव कैसे करा सकते हैं उन्होंने भारत में हुए सबसे हाल के आम चुनाव का भी जिक्र किया और कहा- भारत के पिछले चुनाव में 646,000,000 मतदाता थे। 1 प्रतिशत से भी कम लोगों ने डाक से मतदान किया और हर एक मतदाता के पास एक वैध फोटो पहचान दस्तावेज होना जरूरी था।

जमात फैक्टर में उलझी बांग्लादेशी प्रधानमंत्री की भारत यात्रा; तीस्ता कितना बड़ा मसला

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेशी प्रधानमंत्री तारिक रहमान को सितंबर में वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया गया है। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से द्विपक्षीय यात्रा का निमंत्रण भी दिया गया है। ढाका अब तक इस यात्रा का फैसला नहीं कर पाया है। बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय का कहना है कि यात्रा के लिए अनुकूल माहौल बनना जरूरी है और शेख हसीना के प्रत्यर्पण का मुद्दा भी उठाया जा रहा है। लेकिन, असल मसला जमात-ए-इस्लामी फैक्टर से जुड़ा हुआ है। रहमान की दुविधा केवल यह नहीं है कि भारत से उन्हें क्या हासिल करना है। उन्हें यह भी देखना है कि भारत के साथ किसी बड़े मेलमिलाप की घरेलू राजनीतिक कीमत कितनी होगी। बांग्लादेश के हालिया आम चुनाव में जमात-ए-इस्लामी प्रमुख विपक्ष बनकर उभरा है। उसके पास 68 सीटें हैं और उसके अमीर शफीकुर रहमान विपक्ष के नेता हैं। इतनी मजबूत और संगठित इस्लामवादी ताकत को राजनीतिक रूप से नजरअंदाज करना आसान नहीं है। जमात भारत से संबंध तोड़ना नहीं चाहती है। पार्टी ने अपने चुनावी घोषणापत्र में भारत के साथ पारस्परिक सम्मान और निष्पक्षता के आधार पर संबंधों की बात की थी। समस्या भारत के साथ संबंधों की शर्तों और पुराने राजनीतिक अविश्वास की है।

ईरान के निशाने पर यूएई: दागी गई दो बैलिस्टिक मिसाइलें, एक क्षेत्रीय जल में गिरी; रक्षा मंत्रालय ने खोला राज

दुबई, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की ओर मिसाइल खतरे को लेकर जारी अलर्ट के बाद देश के रक्षा मंत्रालय ने बड़ा दावा किया है। मंत्रालय के मुताबिक, एयर डिफेंस सिस्टम ने ईरान से यूएई की दिशा में दागी गई दो बैलिस्टिक मिसाइलों का पता लगाया। यूएई के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि दोनों मिसाइलों में से पहली देश के क्षेत्रीय जल से बाहर जा गिरी, जबकि दूसरी मिसाइल यूएई के क्षेत्रीय जल में गिरी। मंत्रालय के बयान के मुताबिक, इस घटना के बाद भी देश की सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह सतर्क है। यूएई के रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान में कहा कि वह हाई अलर्ट पर है और किसी भी संभावित खतरे से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि देश की सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने वाली किसी भी कोशिश का मजबूती से सामना किया जाएगा। मंत्रालय के अनुसार, यूएई का उद्देश्य देश की संप्रभुता, सुरक्षा और स्थिरता को बनाए रखना है। साथ ही राष्ट्रीय हितों और क्षमताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जरूरी कदम उठाने की तैयारी है।

रहमान के भारत दौरे को यादगार बनाना चाहते हैं पीएम मोदी; अधिकारियों को दिया गया निर्देश

ढाका, एजेंसी। भारत और बांग्लादेश के बीच रिश्तों में हालिया तनाव के बावजूद नई दिल्ली संबंधों को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश कर रही है। भारतीय उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान का प्रस्तावित भारत दौरा यादगार हो। भारत ने आपसी भरोसे, व्यापार, निवेश और युवाओं के लिए अवसरों को द्विपक्षीय संबंधों का आधार बनाने पर जोर दिया है। हालांकि, शेख हसीना के प्रत्यर्पण और उनके भारत से दिए गए हालिया मीडिया संदेश को लेकर दोनों देशों के बीच मतभेद अब भी बड़ी चुनौती बने हुए हैं।

रहमान के स्वागत को लेकर पीएम मोदी का भरोसा : राजदूत की ये बातें मंगलवार को ऐसे समय में सामने आईं, जब 12-13 सितंबर को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए नई दिल्ली में रहमान के प्रस्तावित दौरे को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। यह अनिश्चितता ढाका की ओर से अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग को लेकर भारत और बांग्लादेश के बीच पैदा हुई नई तल्खी के कारण है। द बिजनेस स्टैंडर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, त्रिवेदी ने मंगलवार को भारतीय उच्चायोग की ओर से बांग्लादेश के प्रमुख कारोबारी नेताओं और कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री के प्रतिनिधिमंडल के लिए

आयोजित एक स्वागत समारोह में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का संदेश था कि दोनों नेताओं को मुलाकात करनी चाहिए।

मोदी चाहते हैं दौरा बने यादगार : बैठक के दौरान राजदूत त्रिवेदी ने भरोसा दिलाया कि भारत दौरे के दौरान पीएम रहमान का उचित और सम्मानजनक स्वागत किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने बस एक बात कही। हमें मिलना चाहिए। और आप मेरी तरफ से उन्हें बता सकते हैं कि उन्हें भारत के प्रधानमंत्री का भरोसा है कि जब बांग्लादेश के प्रधानमंत्री भारत आएंगे, तो उनका वैसा ही सम्मानजनक स्वागत होगा, जिसके वे हकदार हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दोनों नेताओं के बीच मजबूत संबंधों से अंततः दोनों पड़ोसी देशों के लोगों और कारोबारियों को फायदा मिलेगा। इस अंतर को पाटने में दुनिया भर के व्यापारियों की बड़ी भूमिका है।

अतीत के मतभेदों को सुलझाकर आगे बढ़ने की अपील : त्रिवेदी ने कहा कि दोनों देशों को भविष्य की ओर देखते हुए अतीत के मतभेदों को सुलझाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं यह नहीं कह रहा कि आप अतीत को भूल जाएं, लेकिन अतीत को ध्यान में रखते हुए पुराने मतभेदों को सुलझाएं। और आगे बढ़ें। एक जगह न रुकें। जीवंत लोकतंत्रों के बीच मतभेद होना स्वाभाविक है और बातचीत तथा आपसी जुड़ाव के जरिए उन्हें सुलझाया जा सकता है। हम बांग्लादेश के भाइयों और बहनों की चिंताओं को अच्छी तरह समझते हैं। लेकिन यह बराबरी की साझेदारी है।

रिश्तों की बुनियाद है आपसी भरोसा : उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों के बीच टिकाऊ रिश्तों के लिए आपसी विश्वास बेहद जरूरी होगा। किसी भी लंबे समय तक चलने वाले रिश्ते की नींव आपसी और बिना शर्त भरोसा होती है। भारत की नेबरहुड फर्स्ट नीति पर जोर देते हुए त्रिवेदी ने कहा कि दोनों देशों के रिश्तों में कुछ मुश्किलें जरूर आई हैं, लेकिन इन मुश्किलों को व्यापक द्विपक्षीय संबंधों को कमजोर करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

हसीना को लेकर फिर बढ़ी भारत-बांग्लादेश की तल्खी : 5 अगस्त को नई दिल्ली से हसीना की वर्चुअल मीडिया बातचीत के बाद हाल के दिनों में दोनों देशों के रिश्तों में आई तल्खी के बीच रहमान की प्रस्तावित भारत यात्रा का मुद्दा अहम हो गया है। बांग्लादेश ने इस मीडिया बातचीत पर नाराजगी जताते हुए कहा कि कार्यक्रम से वहां के लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं और इसका भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने की कोशिशों पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि हसीना से जुड़े इस मीडिया कार्यक्रम में उसकी कोई भूमिका नहीं थी और वह उस मंच पर बांग्लादेश सरकार के बारे में कही गई किसी भी बात का समर्थन नहीं करता है।

हसीना के प्रत्यर्पण को लेकर जारी है गतिरोध : अगस्त 2024 में छात्रों के हिंसक विरोध-प्रदर्शनों के बाद हसीना को सत्ता से हटा दिया गया था और वह भारत आ गई थीं। नवंबर 2025 में बांग्लादेश की एक विशेष ट्रिब्यूनल ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान कथित मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए उन्हें उनकी गैर-मौजूदगी में मौत की सजा सुनाई। इसके बाद से ढाका लगातार भारत से हसीना के प्रत्यर्पण की मांग कर रहा है। वहीं, नई दिल्ली का कहना है कि प्रत्यर्पण के अनुरोध की जांच लागू कानूनों और स्थापित कानूनी प्रक्रियाओं के तहत की जा रही है।

पिया डांडिया ने फ्लोरिडा में डेमोक्रेटिक पार्टी का प्राइमरी चुनाव जीता; अब किससे होगा मुकाबला

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल की अमेरिकी और स्कूल की पूर्व प्रिंसिपल पिया डांडिया ने फ्लोरिडा के 22वें कांग्रेस क्षेत्र के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी का प्राथमिक चुनाव जीत लिया है। अब नवंबर में होने वाले चुनाव में उनका मुकाबला रिपब्लिकन पार्टी के कैसी असकर से होगा। कैसी असकर पूर्व नौसैनिक हैं। डांडिया को 68.6 फीसदी मत मिले। उन्होंने वकील कायसिया अर्ली को हराया, जिन्हें 31.4 फीसदी मत मिले।

पिया डांडिया ने क्या कहा : डांडिया ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, फ्लोरिडा-22, इस अभियान पर विश्वास करने के लिए धन्यवाद। मैं अपने छात्रों, अपने बेटे और इस जिले में बड़े हो रहे हर उस बच्चे के लिए चुनाव में उतरी, जो बेहतर भविष्य का हकदार है। उन्होंने कहा, साथ मिलकर हम खर्च कम करने, भ्रष्टाचार खत्म करने और वॉशिंगटन को फिर से हमारे लिए काम करने वाला बनाने के अभियान को आगे बढ़ाएंगे। मैं आप सभी के साथ यह करने के लिए आभारी हूं। डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी (डीएनसी) ने प्राथमिक चुनाव में डांडिया की जीत पर उन्हें बधाई दी। कमेटी ने एक बयान में कहा, एक शिक्षिका और अपने समुदाय में लंबे समय से नेतृत्व करने वाली पिया ने लोगों के लिए नए अवसर बढ़ाने और कामकाजी परिवारों के लिए लड़ने के लिए खुद को समर्पित किया है। वह दक्षिण फ्लोरिडा के परिवारों के लिए किराने का सामान, स्वास्थ्य सेवाओं और घर की लागत कम करने के लिए कांग्रेस में लड़ने के लिए तैयार हैं। बयान में कहा गया, डीएनसी पिया को जिताने, इस सीट को पलटने और नवंबर में सदन में बहुमत वापस लाने में मदद करने के लिए तैयार है।

पहले किस सीट से चुनाव लड़ना चाहती थीं डांडिया : भारत से अमेरिका जाकर बसे माता-पिता की बेटी डांडिया ने इससे पहले फ्लोरिडा के 21वें जिले से रिपब्लिकन पार्टी के ब्रायन मास्ट को चुनौती देने की कोशिश की थी। ब्रायन मास्ट विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष हैं। हाई स्कूल की पूर्व प्रिंसिपल डांडिया बाद में दक्षिण फ्लोरिडा के 22वें जिले में चली गईं। यह सीट चुनावी क्षेत्र के नए परिसीमन में बनाई गई थी और यहां कोई मौजूदा सांसद चुनाव मैदान में नहीं था।

27 साल अमेरिका में रहीं, ग्रीन कार्ड भी था; फिर भी भारतीय मूल की महिला हिरासत में, क्यों हुई कार्रवाई

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारतीय मूल की वेंकटा वसमसेट्टी को अमेरिकी इमिग्रेशन एवं कस्टम्स एन्फोर्समेंट यानी आईसीई ने हिरासत में लिया है। वसमसेट्टी वर्ष 1999 में अमेरिका गई थीं और करीब 27 साल से वहीं रह रही थीं। वर्ष 2013 से वह ग्रीन कार्ड धारक हैं। इसके बावजूद उनके खिलाफ निर्वासन की कार्रवाई शुरू हुई थी।

परिवार के लिए मामला इसलिए भी चौंकाने वाला है क्योंकि इमिग्रेशन कोर्ट कुछ महीने पहले ही उनके खिलाफ चल रहा निर्वासन मामला खारिज कर चुका था। मामले की शुरुआत वर्ष 2022 की एक यात्रा से जुड़ी है। वसमसेट्टी अपने बीमार माता-पिता की देखभाल के लिए भारत आई थीं। इसी दौरान वह कोविड से संक्रमित हो गईं और उन्हें अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के कारण उनकी अमेरिका वापसी में देरी हुई। वह करीब सात महीने बाद फरवरी 2023 में अमेरिका लौटीं। अमेरिकी सरकार ने लंबे समय तक अमेरिका से बाहर रहने को इस सवाल से जोड़ा कि क्या उन्होंने अमेरिका में अपना स्थायी निवास छोड़ दिया था। वसमसेट्टी के परिवार और उनकी कानूनी टीम का कहना है कि भारत में रहने के दौरान भी उनका अमेरिका से संबंध बना हुआ था। उनके मुताबिक, अमेरिका में उनका घर, नौकरी और पारिवारिक संबंध मौजूद थे। यानी भारत में लंबे समय तक रुकने के बावजूद उनका इरादा अमेरिका में अपना स्थायी निवास छोड़ने का नहीं था। इसी मामले में उनके खिलाफ निर्वासन की प्रक्रिया आगे बढ़ी थी।

वसमसेट्टी के वकील के अनुसार, सरकार तय समयसीमा में उनके खिलाफ जरूरी सबूत पेश नहीं कर सकी। इसके बाद 19 मई 2026 को इमिग्रेशन जज ने उनके खिलाफ चल रहा निर्वासन का मामला खारिज कर दिया। कानूनी टीम का कहना है कि इस फैसले के बाद भी वसमसेट्टी वैध स्थायी निवासी बनी रहीं। इसके बावजूद उन्हें आईसीई के साथ नियमित चेक-इन के लिए बुलाया जाता रहा। 11 अगस्त को वसमसेट्टी नॉर्थ कैरोलिना के शार्लोट स्थित आईसीई कार्यालय में नियमित चेक-इन के लिए पहुंचीं।

तय समय से पहले खत्म होगा अमेरिका-दक्षिण कोरिया का सैन्य अभ्यास; क्या है ट्रंप के फैसले की वजह

सिओल, एजेंसी। अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच इस हफ्ते की शुरुआत में शुरू हुआ संयुक्त सैन्य अभ्यास उल्ची फ्रीडम शील्ड (यूएफएस) तय समय से पहले खत्म किया जाएगा। अभ्यास के तहत होने वाला मैदानी प्रशिक्षण भी कम किया जाएगा।

दक्षिण कोरिया की समाचार एजेंसी योनहाप ने सेना के हवाले से इसकी पुष्टि की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में इस सैन्य अभ्यास का आकार घटाने की बात कही थी, जिसके बाद यह घटनाक्रम सामने आया है। योनहाप के मुताबिक, दोनों देशों की सेनाओं ने सैन्य अभ्यास को शुक्रवार तक खत्म करने पर सहमति जताई है। इससे अभ्यास की अवधि करीब आधी रह जाएगी। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ (जेसीएस) ने एक बयान में यह जानकारी दी।

यूएफएस सैन्य अभ्यास 17 से 27 अगस्त तक चलने वाला था। ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ के मुताबिक, सैन्य अभ्यास का एक अहम हिस्सा मैदानी प्रशिक्षण भी कुछ हद तक कम किया जाएगा। दोनों देशों की सेनाओं के बीच इसको लेकर बातचीत चल रही है। जल्द ही इसकी पूरी योजना तय की जाएगी। उन्होंने कहा, दक्षिण कोरिया और अमेरिका यूएफएस अभ्यास के उद्देश्यों को हासिल करने और दोनों देशों की सेनाओं की मजबूत संयुक्त रक्षा व्यवस्था बनाने के लिए आगे अलग-अलग कदमों पर चर्चा करने और उन्हें लागू करने पर सहमत हुए हैं। योनहाप के मुताबिक, अमेरिका और सिओल ने अभ्यास के दूसरे हिस्से को कथित तौर पर रद्द कर दिया है। इस हिस्से में दुश्मन के हमले के बाद जवाबी हमला करने की स्थिति का प्रशिक्षण होना था।

समाचार एजेंसी ने बताया कि यूएफएस का मुख्य उद्देश्य उत्तर कोरिया से जुड़े संभावित खतरों से निपटने की तैयारी करना है। उसने यह भी बताया कि 2019 में ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान भी अमेरिका और दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यास के आकार को कम किया गया था। उस समय उत्तर कोरिया के साथ परमाणु मुद्दे पर बातचीत अपने सबसे अहम दौर में थी। इस बीच, सीएनएन ने दक्षिण कोरिया में तैनात अमेरिकी सेना के एक प्रवक्ता के हवाले से बताया कि इस साल के सैन्य अभ्यास को उत्तर कोरिया की बदलती सैन्य क्षमताओं के हिसाब से तैयार किया गया है। इसमें ड्रोन, जीपीएस व्यवस्था में रुकावट और साइबर हमलों से निपटने का प्रशिक्षण भी शामिल किया जाना था।

समुद्र के बाद जमीन पर भी रॉकेट की सफल वापसी; क्या स्पेसएक्स को टक्कर देने की तैयारी में चीन

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने पहली बार किसी रॉकेट के पहले हिस्से को जमीन पर सफलतापूर्वक वापस उतार लिया है। सरकारी मीडिया ने बुधवार को यह जानकारी दी। चीन अपने अंतरिक्ष कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए इस तकनीक को विकसित कर रहा है। जमीन पर रॉकेट के पहले हिस्से को वापस उतारना चीन की पहली सफल कोशिश है। लेकिन रॉकेट के किसी हिस्से को वापस हासिल करने की यह चीन की दूसरी सफलता है। इससे पहले जुलाई में समुद्र में बने एक प्लेटफॉर्म पर रॉकेट के हिस्से को सफलतापूर्वक वापस उतारा गया था। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि दोबारा इस्तेमाल किए जा सकने वाले रॉकेट झूके-3 को बुधवार सुबह छोड़ा गया। इसके बाद रॉकेट के पहले हिस्से को सफलतापूर्वक वापस उतार लिया गया।

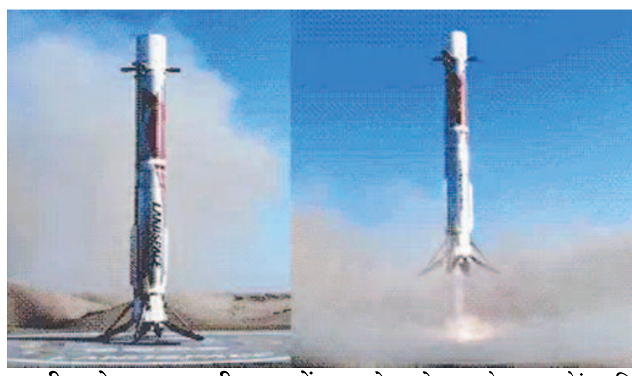

चीन ने यह तकनीक क्यों विकसित की : एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स और जेफ बेजोस की कंपनी ब्लू ओरिजिन 2015 से रॉकेटों को वापस उतार रही हैं। इससे रॉकेट के उन हिस्सों को दोबारा इस्तेमाल करके अंतरिक्ष में उपग्रह और दूसरे सामान भेजने की लागत कम करने में मदद मिली है, जिन्हें पहले इस्तेमाल के बाद फेंक दिया जाता था। शिन्हुआ ने बताया कि बुधवार को रॉकेट को वापस उतारने समय चीन ने पहली बार खुलने वाले लैंडिंग पैर का इस्तेमाल किया। एजेंसी ने इसे चीन की दोबारा इस्तेमाल होने वाले रॉकेट की तकनीक में एक बड़ी सफलता बताया।

समुद्र में कैसे वापस लाया गया था रॉकेट : 10 जुलाई को लॉन्ग मार्च-10बी रॉकेट का पहला हिस्सा उड़ान भरने के बाद दूसरे हिस्से से अलग हो गया था। इसके बाद वह समुद्र में बने एक प्लेटफॉर्म पर वापस आया था। उस समय रॉकेट को जाल से पकड़ने वाली व्यवस्था का इस्तेमाल करके वापस हासिल किया गया था। इसके अगले दिन, 11 जुलाई को जापान ने दोबारा इस्तेमाल किए जा सकने वाले एक प्रयोगात्मक रॉकेट की पहली परीक्षण उड़ान की। रॉकेट ने उड़ान भरने के बाद सुरक्षित तरीके से वापस जमीन पर उतरने में सफलता हासिल की। जापान भी रॉकेट को दोबारा इस्तेमाल करने वाली तकनीक हासिल करने की कोशिश कर रहा है। इसका मकसद अंतरिक्ष में रॉकेट भेजने की लागत कम करना और दुनिया के अंतरिक्ष बाजार में दूसरी बड़ी ताकतों से मुकाबला करना है।

ट्रेड वॉर की कगार पर अमेरिका-कनाडा ट्रंप की डेडलाइन से बढ़ी हलचल; क्या आखिरी वक्त में झुकेंगे कार्नी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और कनाडा के बीच टैरिफ विवाद को खत्म करने के लिए बातचीत निर्णायक दौर में पहुंच गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार दोपहर 12:01 बजे तक समझौता होने की समयसीमा तय की है। समझौता नहीं होने पर कनाडा से आने वाले करीब 20 अरब डॉलर के सामान पर 50% टैरिफ लगाने की धमकी दी गई है। इनमें हॉकी स्टिक, टंग डिप्रेसर समेत कई उत्पाद शामिल हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और ट्रंप पिछले दो दिनों में दो बार फोन पर बात कर चुके हैं। कार्नी ने बातचीत को गहन और नाजुक बताया है और कहा है कि फिलहाल इसके बारे में सार्वजनिक रूप से ज्यादा चर्चा करना उचित नहीं है। दोनों पक्ष आखिरी समय में किसी समझौते तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं।

दशकों पुराना व्यापार विवाद : अमेरिका और कनाडा के बीच व्यापार को लेकर विवाद नया नहीं है। दोनों देश सॉफ्टवुड लकड़ी, डेयरी बाजार और अन्य उत्पादों के व्यापार को लेकर लंबे समय से मतभेद रखते आए हैं। इसके बावजूद दोनों करीबी सहयोगी और महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार बने हुए हैं।

सीमा पार कारोबार बेहद अहम : करीब 5,525 मील लंबी दोनों देशों की सीमा से रोजाना लगभग 3.3 लाख लोग और करीब 2 अरब डॉलर का सामान गुजरता है। कनाडा के कुल माल निर्यात का लगभग 72% अमेरिका जाता है। इसलिए, किसी बड़े व्यापार युद्ध का असर दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ सकता है।

ट्रंप का बदला हुआ रुख : ट्रंप का मौजूदा रुख पारंपरिक अमेरिकी-कनाडाई संबंधों से काफी अलग है। उन्होंने कनाडाई उत्पादों पर कई टैरिफ लगाए हैं और कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने जैसी टिप्पणियां भी की हैं। इन नीतियों से कनाडा में अमेरिका के प्रति नाराजगी बढ़ी है और सरकार पर ट्रंप के सामने कड़ा रुख अपनाने का दबाव है।

अमेरिका की प्रमुख मांगें : मौजूदा बातचीत में अमेरिका चाहता है कि कनाडा ज्यादा अमेरिकी सैन्य उपकरण खरीदे, जिनमें एफ-35 लड़ाकू विमान भी शामिल हैं। अमेरिका गोल्डन डोम मिसाइल डिफेंस सिस्टम में कनाडा की भागीदारी और महत्वपूर्ण खनिजों तक बेहतर पहुंच भी चाहता है। इसका उद्देश्य चीन से मिलने वाली रणनीतिक खनिज आपूर्ति पर अमेरिकी निर्भरता कम करना है।

दूसरी ओर कनाडा स्टील, एल्युमिनियम और सॉफ्टवुड लकड़ी पर लगाए गए अमेरिकी टैरिफ में राहत चाहता है। अमेरिका का आरोप है कि कनाडाई सॉफ्टवुड उद्योग को सरकार की ओर से अनुचित सब्सिडी मिलती है। कनाडा के लिए बिना ठोस रियायत हासिल किए ट्रंप की मांगों को स्वीकार करना राजनीतिक रूप से भी मुश्किल है।

धारा 338 से बढ़ा दबाव : ट्रंप ने कनाडा पर दबाव बढ़ाने के लिए करीब एक सदी पुराने टैरिफ कानून का सहारा लिया है। उन्होंने 1930 के टैरिफ एक्ट की धारा 338 के तहत कनाडाई निर्यात के लगभग 5% हिस्से वाले उत्पादों पर 50% शुल्क लगाया है। ट्रंप का दावा है कि कनाडा अमेरिकी ऑटोमोबाइल, शराब और चीज के निर्यात के साथ भेदभाव करता है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब अमेरिका मेक्सिको-कनाडा समझौते पर फिर से बातचीत की तैयारी कर रहा है।

टेक्सास में मुस्लिमों के खिलाफ बढ़ती नफरत से क्यों बढ़ी दहशत, बदलते माहौल में क्या है डर की वजह

टेक्सास, एजेंसी। टेक्सास में मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों का कहना है कि पिछले कुछ समय में उनके खिलाफ नफरती बयानबाजी और विरोध की घटनाएं बढ़ी हैं। डलास के आसपास के इलाकों में दक्षिणपंथी नेताओं की बयानबाजी ने इस चिंता को और बढ़ाया है। कई मुस्लिम परिवारों का कहना है कि वे बेहतर स्कूल, किफायती घर और मजबूत समुदाय की तलाश में टेक्सास आए थे, लेकिन अब बदलते माहौल को लेकर असुरक्षा महसूस कर रहे हैं।

गुलाम केहर को परिवार की चिंता क्यों सताने लगी : गुलाम केहर दो महीने पहले सुबह जल्दी उठकर टेक्सास के इर्विंग स्थित मस्जिद में नमाज पढ़ने गए थे। इसके बाद वह अमेरिकी तटरक्षक बल के महीनों लंबे अभियान में सेवाएं देने के लिए रवाना हुए। वह पहले भी ऐसे अभियानों में हिस्सा ले चुके थे, लेकिन इस बार घर से निकलते समय उन्हें परिवार की चिंता सता रही थी। उन्होंने ऐसी व्यवस्था करने की कोशिश की कि जरूरत पड़ने पर कनाडाई सीमा के पास मौजूद अपने तैनाती स्थल तक परिवार पहुंच सके।

मुस्लिम आबादी बढ़ने के साथ क्या बदला : टेक्सास में मुस्लिम आबादी पिछले वर्षों में बढ़ी है। डलास-फोर्ट वर्थ महानगर क्षेत्र में 2024 में मुस्लिम आबादी करीब 1.59 लाख बताई गई, जबकि एक दशक पहले यह संख्या लगभग 79 हजार थी। टेक्सास में मुस्लिमों की कुल संख्या तीन से पांच लाख के बीच होने का अनुमान है। राज्य की कुल आबादी में उनका हिस्सा करीब एक से दो प्रतिशत बताया जाता है। हालांकि, अमेरिका की जनगणना में धर्म से जुड़ा सवाल नहीं पूछा जाता, इसलिए सटीक संख्या उपलब्ध नहीं है।

क्या मुस्लिमों के खिलाफ राजनीति भी तेज हुई है : टेक्सास में कट्टरपंथी इस्लाम का विरोध लंबे समय से रिपब्लिकन राजनीति का हिस्सा रहा है। लेकिन मुस्लिम आबादी बढ़ने के साथ इस विरोध को लेकर बहस भी तेज हुई है। न्यूयॉर्क में जोहरान ममदानी के मेयर बनने और मिशिगन में सीनेट के लिए अब्दुल

एल-सईद जैसे मुस्लिम नेताओं की राजनीतिक सफलता ने भी राष्ट्रीय स्तर पर इस समुदाय को लेकर चर्चा बढ़ाई है। मुस्लिम नेताओं का कहना है कि इससे राजनीतिक बयानबाजी का असर स्थानीय स्तर पर भी दिखाई दे रहा है।

टेक्सास सरकार पर क्या आरोप लगाए जा रहे हैं : मुस्लिम संगठनों का आरोप है कि मामला केवल नेताओं की बयानबाजी तक सीमित नहीं है। उनके मुताबिक, टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट और अटॉर्नी जनरल केन पैक्सटन जैसे नेताओं ने कुछ मुस्लिम संस्थाओं की जांच शुरू की है। एबॉट ने उन हवाईअड्डों की सरकारी फंडिंग रोकने की धमकी भी दी, जहां मुस्लिम यात्रियों के लिए वजू की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। इन कदमों को लेकर मुस्लिम समुदाय में चिंता बढ़ी है।

क्या धमकी और विरोध की घटनाएं भी सामने आई हैं : कुछ मामलों में मुस्लिम समुदाय के लोगों को सीधे धमकियों और विरोध का सामना करना पड़ा। ह्यूस्टन के एक इस्लामिक सेंटर को धमकी देने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। कॉनरो में एक महिला ने एक किराने की दुकान पर मुस्लिम ग्राहकों से कथित तौर पर कहा कि इस राज्य या देश में उनका स्वागत नहीं है। मैकेनी में एक मस्जिद के विस्तार से जुड़ी सिटी काउंसिल की बैठक में भी मुस्लिम विरोधी संदेश के साथ एक घटना सामने आई।

चुनावी बयानबाजी कितनी तीखी हो गई : हालिया चुनाव के दौरान रिपब्लिकन नेता बो फ्रेंच की एक सोशल मीडिया पोस्ट ने भी विवाद खड़ा किया। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने लिखा कि वह तब तक चैन से नहीं बैठेंगे, जब तक हर मुस्लिम वहां से चला नहीं जाता। ऐसी बयानबाजी को मुस्लिम नेता गंभीर मान रहे हैं। उनका कहना है कि 9/11 के बाद लंबे समय में मुस्लिमों के खिलाफ नफरत का माहौल कम हुआ था, लेकिन अब उन्हें एक बार फिर वैसा ही माहौल लौटता दिखाई दे रहा है।

डलास-फोर्ट वर्थ महानगर क्षेत्र टेक्सास में मुस्लिम समुदाय के प्रमुख केंद्रों में से एक बन गया है। यहां दर्जनों मस्जिदें मौजूद हैं और कुछ नई मस्जिदों का निर्माण भी हो रहा है। तमाम मुस्लिम परिवार बेहतर शिक्षा, अपेक्षाकृत सस्ता घर और अपने समुदाय के बीच रहने के लिए यहां पहुंचे हैं। डेट्रॉयट से इर्विंग आए तम्मम अलवान का कहना है कि वे अच्छी जिंदगी की तलाश में यहां आए थे, लेकिन अब उन्हें लगता है कि वे मुश्किल स्थिति में फंस गए हैं। वैली रांच मस्जिद के मुस्लिम विद्वान डॉ. उमर सुलेमान का कहना है कि अमेरिकी संविधान धार्मिक सुरक्षा देता है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.